खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 24 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-321

यूएनएससी में सदस्यता विस्तार नहीं होने पर पीएम मोदी का सबसे बड़ा हमला, कहा

अब सुधार विकल्प नहीं, अनिवार्यता है

जोहान्सबर्ग, 23 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अब तक सदस्यता विस्तार नहीं किये जाने पर सबसे बड़ा हमला बोला है। पीएम मोदी ने यूएनएससी में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है।

जोहान्सबर्ग में पीएम मोदी ने इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया बंटी और विभाजित नजर आती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा को संबोधित करते हुए मोदी ने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का प्रस्ताव रखा।

इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को बड़ा संदेश देते हुए कहा- कि यूएनएससी में सुधार अब इसकी अनिवार्यता बन गया है। मोदी ने कहा कि अभी तक यह केवल विकल्प था, लेकिन अब अनिवार्यता में बदल गया है।

आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिए जगह नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी एकजुटता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें घनिष्ठ समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा। इतने गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है।

मानव-केंद्रित विकास सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने तीनों देशों के बीच यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, कोविन जैसे स्वास्थ्य मंचों, साइबर सुरक्षा ढांचे और महिलाओं के नेतृत्व वाली तकनीकी पहल को साझा करने की सुविधा के लिए इब्सा डिजिटल नवाचार गठबंधन की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। इब्सा समूह दक्षिण - दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने, वैश्विक शासन प्रणालियों में सुधारों को आगे बढ़ाने और विकासशील देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है।

विश्व में क्रिटिकल टेक्नोलॉजी पर संघर्ष, ये मानवता के लिए चिंता का विषय : मोदी

जोहान्सबर्ग, 23 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय यात्रा पर दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हैं। यहां पीएम मोदी ने जी20 समिट में हिस्सा लिया। उन्होंने रविवार को अपनी यात्रा के तीसरे दिन जी20 समिट के तीसरे सेशन को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे अवसर और संसाधन दोनों कुछ ही हाथों में केंद्रित हो रहे हैं। विश्व में क्रिटिकल टेक्नोलॉजी पर संघर्ष बढ़ रहा है। यह मानवता के लिए चिंता का विषय है ही। साथ ही ये इनोवेशन के रास्ते में भी रुकावट है। इसके समाधान के लिए हमें अपनी सोच में मौलिक परिवर्तन लाना होगा। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे टेक्नोलॉजी एप्लीकेशंस को प्रमोट करना होगा जो फाइनेंस सेंट्रिक होने के बजाय ह्यूमन सेंट्रिक हों, जो नेशनल के बजाय ग्लोबल हों और जो एक्सक्लूसिव मॉड्ल्सफ के बजाय ओपन सोर्स हों। हमने इसी विजन को भारत के सभी टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट में एकीकृत करने का प्रयास किया है। इसी कारण आज भारत में दुनिया के सबसे अधिक डिजिटल पेमेंट्स हो रहे हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी से लेकर एआई तक, हर क्षेत्र में हमें सकारात्मकता और व्यापक भागीदारी देखने को मिलती है।

पीएम मोदी ने कहा कि एआई के क्षेत्र में भारत का अप्रोच तीन स्तंभों पर आधारित है: समान पहुंच, जनसंख्या-स्तरीय कौशल, और जिम्मेदार तैनाती। इंडिया-एआई मिशन के तहत हम सुलभ उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग बना रहे हैं, ताकि एआई का लाभ हर जिले और हर भाषा में पहुंचे। इससे मानव विकास के हमारे प्रयासों को स्केल और स्पीड मिलेगी। साथ ही हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई का उपयोग वैश्विक अच्छाई के लिए हो और इसके गलत इस्तेमाल से बचा जाए। इसके लिए हमें एआई पर एक ग्लोबल कॉम्पैक्ट बनाना होगा जो कुछ मूल सिद्धांतों पर आधारित हो, जिनमें प्रभावी मानवीय निगरानी, डिजाइन द्वारा सुरक्षा, पारदर्शिता, और डीपफेक, क्राइम तथा आतंकी गतिविधियों में एआई के उपयोग पर सख्त प्रतिबंध शामिल हों। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो एआई सिस्टम ह्यूमन लाइफ, सुरक्षा, या लोगों के ▶10 पर

राजनाथ सिंह का बड़ा खुलासा

बहुत जल्द बदलेंगी सीमाएं, भारत को वापस मिल सकता है सिंध

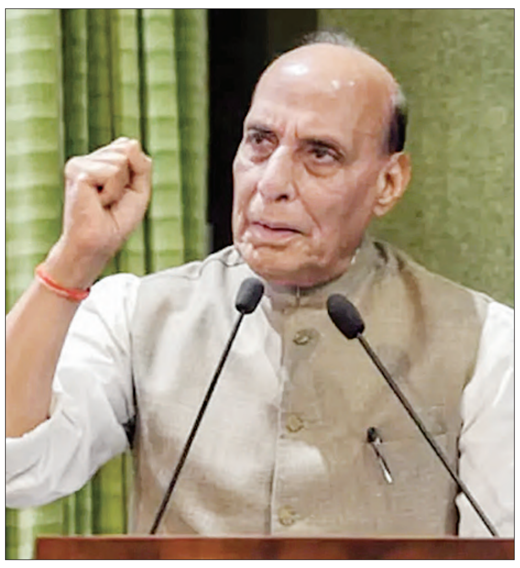

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सख्त संदेश देते हुए कहा कि बॉर्डर कभी भी बदल सकता है और संभव है कि सिंध भारत में फिर वापस आ जाए। यह बयान उन्होंने रविवार को सिंधी समुदाय के एक कार्यक्रम में दिया।

राजनाथ सिंह ने कहा, भारत के विभाजन के कारण सिंधु नदी का एक बड़ा हिस्सा आज पाकिस्तान में चला गया है। पूरा सिंध प्रांत ही पाकिस्तान में है। मगर इसका अर्थ यह नहीं कि सिंधु, सिंध और सिंधी समाज का महत्व हमारे लिए कम हो गया है। उनके महत्व की जड़ें हज़ारों साल पुरानी हैं।उन्होंने आगे कहा कि साल 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रगान से सिंध शब्द हटाने की याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि यह शब्द केवल भौगोलिक स्थान से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह भारत और सिंधी समाज की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है।

राजनाथ सिंह ने सिंधी समाज को भारत की सांस्कृतिक विरासत और अस्मिता का प्रतीक बताते हुए कहा, आज हम केवल एक समुदाय की बात नहीं करते, बल्कि एक ऐसी विरासत की बात करते हैं, जिसकी जड़ें भगवान राम से जुड़ी हैं। इसने हमारी संस्कृति और सभ्यता को समृद्ध करने में बहुमूल्य योगदान दिया है।

उन्होंने सिंधी समाज की वैश्विक पहचान और योगदान को भी रेखांकित किया है। सिंधी समाज ने अपनी अनूठी पहचान बनाई रखी है-चाहे वह भाषा की मिठास हो, संत काव्य या सिंधी कला की जीवंतता। ये हमारी साझा परंपराओं को दर्शाते हैं। राष्ट्रपति ने विभाजन के कठिन दौर में सिंधी समाज की हिम्मत की तारीफ करते हुए कहा, जब सिंधी समाज को अपनी जन्मभूमि छोड़नी पड़ी और पलायन करना पड़ा, तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। व्यापार, शिक्षा, कला और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान अभूतपूर्व रहा।

एससी और एसटी आरक्षण में सब-क्लासिफिकेशन लागू होना चाहिए : सीजीआई

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। रिटायरमेंट के एक दिन पहले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने कई अहम मुद्दों पर खुलकर बात की जैसे कि आरक्षण में क्रीमी लेयर, कॉलिजियम पर आरोप, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अपने भविष्य को लेकर उन्होंने साफ-साफ जवाब दिए। गवई देश के दूसरे दलित सीजेआई हैं और कल वे पद छोड़ देंगे।

सीजेआई गवई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही साफ कर चुका है कि एससी/एसटी आरक्षण में सब-क्लासिफिकेशन लागू होना चाहिए, ताकि लाभ ज्यादा वंचित समूहों तक पहुंच सके। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल जिस बेंच ने यह एतिहासिक फैसला दिया था, वे उसके सदस्य थे।

सीजेआई ने कहा, कई एससी परिवार अब काफी आगे बढ़ चुके हैं, लेकिन फिर भी वे आरक्षण का लाभ लेते रहते हैं। बराबरी तभी संभव है जब क्रीमी लेयर को चिन्हित कर बाहर किया जाए। उन्होंने उदाहरण दिया कि कुछ आईएएस अधिकारियों के बच्चे भी आरक्षण का फायदा लेते हैं।

उन्होंने कहा न्यायपालिका ने अपना काम कर दिया है, अब सरकार और संसद को नीति बनानी चाहिए ताकि एससी/एसटी में क्रीमी लेयर तय हो सके। अपने फैसले का जिक्र करते हुए सीजेआई ने कहा था कि सच्ची समानता के लिए जरूरी है कि राज्य एससी/एसटी में क्रीमी लेयर पहचानकर उन्हें ▶10 पर

पहले आर्मी सैल्यूट, फिर नम आंखों से पत्नी ने दी अंतिम विदाई

विंग कमांडर नमांश स्याल का पैतृक गांव में हुआ अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई एयर शो में तेजस विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले भारतीय एयरफोर्स के विंग कमांडर नमांश स्याल का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव पटियालकर, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में पूरे मिलिट्री सम्मान के साथ किया गया। 34 वर्षीय कमांडर स्याल हैदराबाद के एयरबेस पर पोस्टेड थे। उनकी पत्नी और विंग कमांडर अफशां ने नम आंखों से उन्हें आखिरी सलामी दी। इस भावुक पल ने वहां मौजूद हर व्यक्ति को झकझोर दिया।

नमांश स्याल एक समर्पित अफसर थे, जिन्हें उनकी एथिलेटिक क्षमताओं और शानदार सर्विस रिकॉर्ड के लिए जाना जाता रहा है। उनके परिवार में पत्नी अफशां, छोटी बेटी आर्या, और माता-पिता शामिल हैं।

21 नवंबर 2025 को दुबई में एयर शो के दौरान विंग कमांडर स्याल की तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट क्रैश हुई। हादसा दुबई के अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कम ऊंचाई पर हुआ था, जब विमान नियंत्रण खो बैठा और नीचे गिरकर आग पकड़ गई। एक डेडिकेटेड फाइटर पायलट और पूरी तरह से प्रोफेशनल विंग कमांडर स्याल ने पक्के कमिटमेंट, बहुत अच्छे स्किल और ड्यूटी की पक्की भावना के साथ देश की सेवा की।21 नवंबर 2025 को दुबई एयर शो के दौरान अपनी जान देने वाले विंग कमांडर नमांश स्याल को सम्मान देते हैं। देश के लिए उनकी हिम्मत, हुनर और लगन हमें हमेशा प्रेरणा देगी। आप बहुत जल्दी चले गए। कभी भुलाए नहीं जा सकेंगे। ▶10 पर

छत्तीसगढ़ में एसीबी, ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई

आबकारी और डीएमएफ घोटाले में तड़के 20 ठिकानों पर एक साथ दबिश

रायपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आबकारी और डीएमएफ घोटाले की जांच में आज सुबह एसीबी और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की संयुक्त टीमों ने छत्तीसगढ़ भर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। तड़के शुरू हुई इस रेड में प्रदेश के करीब 20 ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई है।

जानकारी के अनुसार रायपुर, जगदलपुर, कोंडागांव, अंबिकापुर, बिलासपुर सहित कई जिलों में यह कार्रवाई चल रही है।

इस छापेमारी में जिन प्रमुख नामों पर कार्रवाई हुई है, उनमें पूर्व आबकारी अधिकारी निरंजन दास और कारोबारी हरपाल अरोरा शामिल हैं। पूर्व आबकारी अधिकारी निरंजन दास के रायपुर स्थित ठिकानों पर बड़ी छापेमारी की गई है। उनके छह रिश्तेदारों के घर और दफ्तरों पर भी टीमों ने दबिश दी है।

डीएमएफ घोटाले के मुख्य आरोपी कारोबारी हरपाल अरोरा के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू की टीम छानबीन कर रही है। साथ ही बिलासपुर के कारोबारी अशोक टुटेजा के घर और कार्यालयों पर भी रेड की पुष्टि हुई है।

सुबह शुरू हुआ यह तलाशी अभियान दोपहर तक कई जगहों पर जारी रहा। एसीबी-ईओडब्ल्यू द्वारा बरामद दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच के बाद आगे और बड़ी कार्रवाई संभव मानी जा रही है।

हमें धर्म की रक्षा के लिए लड़ना है : मोहन भागवत

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघ चालक डॉक्टर मोहन भागवत ने कहा कि धर्म ऐसा हो जिसे धारण किया जा सके। हमें धर्म रक्षा के लिए लड़ना है। मोहन भागवत रविवार को लखनऊ में दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अर्जुन के गंभीर प्रश्नों का उत्तर ही गीता है। हमें गीता पढ़नी चाहिए, समझनी चाहिए और मनन करना चाहिए। इससे हमें सदा सर्वदा उपाय मिलते हैं। गीता हमें समस्या से भागने के बजाय, उससे लड़ना सिखाती है। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर हमें सफलता अवश्य मिलती है। उत्तम विचार चाहिए तो उत्तम अधिष्ठान होना आवश्यक है। यदि अपना पुरुषार्थ मजबूत है, तो भाग्य भी साथ है।

डॉ. भागवत ने कहा कि कोई भी छोटा कार्य जो निष्काम से किया गया हो, वह धर्म है। आपने भक्तिपूर्वक कर्म करने का आह्वान किया। विश्व में शांति की स्थापना को गीता के माध्यम से ही किया जा सकता है। दुविधाओं से बाहर निकलकर राष्ट्र की सेवा करना ही हमारा परम कर्तव्य है जिसे गीता के माध्यम से जीवन में शामिल करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें 700 श्लोकों के माध्यम से प्रतिदिन वाचन करना चाहिए। उनके माध्यम से जीवन में सीख लेंगे तो कल्याण हो जाएगा। आज दुनिया को असमंजस की स्थिति में गीता के माध्यम से सही दिशा दी जा सकती है। यदि जीवन में शांति, संतोष नहीं होगा तो समस्या होगी। ▶10 पर

पंजाब में बवाल के बीच गृह मंत्रालय का जवाब

चंडीगढ़ पर हम कोई विधेयक लेकर नहीं आ रहे

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। आगामी शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ को लेकर केन्द्र सरकार के संशोधन विधेयक की अफवाह और विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया के बीच केन्द्र सरकार ने साफ कर दिया है कि चंडीगढ़ की शासन प्रणाली जैसी चल रही है वैसी ही चलेगी। सरकार इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं करने जा रही है। पंजाब और हरियाणा के साथ जैसा संबंध चंडीगढ़ का है, वैसा ही बना रहेगा।

गृह मंत्रालय ने लोगों को आश्वस्त किया है कि चंडीगढ़ के हितों को ध्यान रखते हुए, सभी पक्षों से व्यापक चर्चा के बाद ही कोई फैसला सरकार लेगी।

दरअसल ये अफवाह उड़ी थी कि सरकार शीतकालीन सत्र में 131 वां संविधान संशोधन बिल पेश करने जा रही है और चंडीगढ़ को अन्य केन्द्र शासित प्रदेशों मसलन लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, दादर नागर हवेली आदि की तरह केन्द्र शासित प्रदेश बनाएगी।

चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 में शामिल की अफवाह उड़ते ही विपक्षी दलों खास कर कॉन्ग्रेस, अकाली दल और आम आदमी पार्टी की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसे पंजाब की पहचान से जोड़ा है। उन्होंने कहा है कि सरकार संविधान के फेडरल स्ट्रक्चर की धज्जियाँ उड़ा रही है।

वहीं पंजाब के सीएम भगवंत मान ने इसे पंजाब की आत्मा पर चोट पहुँचाने वाला फैसला करार दिया। उनका कहना है कि चंडीगढ़ पर पंजाब का अधिकार कम करने की कोशिश की जा रही है।

वहीं शिरोमणि अकाली दल ने

संघीय ढाँचे पर कुठाराघात करार देते हुए कहा है कि चंडीगढ़ पर पंजाब का हक है और इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता।

हालाँकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार (23 नवंबर 2025) को साफ किया कि चंडीगढ़ के लिए सिर्फ केंद्र सरकार की तरफ से कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है और इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। मंत्रालय ने यह भी साफ कर दिया कि आने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में इस संबंध में कोई बिल लाने की सरकार की मंशा नहीं है।

बीजेपी ने इसे जबरदस्ती विवाद खड़ा करने और अनावश्यक राजनीतिक करने का आरोप विपक्ष पर लगाया। बीजेपी पंजाब के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि बीजेपी की प्राथमिकता पंजाब और चंडीगढ़ के हित में रही है। उन्होंने भरोसा दिया कि किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति में केन्द्र सरकार से बातचीत कर जानकारी स्पष्ट की जाएगी।राष्ट्रपति को केन्द्र शासित प्रदेशों जैसे लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादर नागर हवेली में सीधा हस्तक्षेप कर जरूरी नियम और कानून बना सकते हैं और बदलाव भी कर सकते हैं।

दरअसल अनुच्छेद 240 के मुताबिक, राष्ट्रपति जो भी नया नियम बनाएँगे, वह पुराने को खत्म कर सकता है या पुराने कानून में बदलाव कर सकता है। राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए नियम संसद में पारित कानून के बराबर ताकतवर होगा।दरअसल पुद्दुचेरी जैसे केन्द्र शासित प्रदेशों में विधानसभा हैं। ये अनुच्छेद 239ए के तहत आते हैं। यहाँ विधानसभा की पहली बैठक के दिन से ही राष्ट्रपति का सीधा कानून बनाने का अधिकार निरस्त हो जाता है। विधानसभा निलंबित या भंग होने की स्थिति में ही राष्ट्रपति सीधा इन क्षेत्रों के लिए नियम बना सकते हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

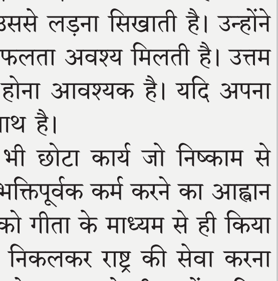

बीएसई : 85,231.92
-400.76 (0.47%) ↓
एनएसई :26,068.15
-124.00 (-0.47%)↓

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 22°
न्यूनतम : 20°

नए श्रम कोड से कर्नाटक के न्यूनतम वेतन संशोधन पर भ्रम की स्थिति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र द्वारा शुक्रवार को चार श्रम संहिताओं की अधिसूचना से कर्नाटक में न्यूनतम मजदूरी में संशोधन को लेकर भ्रम पैदा हो गया है और इसके विपरीत विचार सामने आ रहे हैं। संशोधन, जिससे 81 अनुसूचित रोजगारों में लगभग 1.8 करोड़ कर्मचारियों को लाभ हो सकता है, पहले से ही तीन साल से अधिक समय से लंबित है और कोड की अधिसूचना में और देरी हो सकती है या यहां तक कि इसमें रुकावट भी आ सकती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, व्यवसाय स्वास्थ्य, सुरक्षा और कार्य स्थिति संहिता, 2020 और वेतन संहिता, 2019 देश में श्रम कानून के 29 टुकड़ों की जगह लेंगे। वेतन संहिता वेतन भुगतान अधिनियम, 1936, न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948, बोनस भुगतान अधिनियम, 1965 और समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 का स्थान लेती है। कर्नाटक में न्यूनतम मजदूरी का

संशोधन, जिसे आखिरी बार 2017-2018 में अधिसूचित किया गया था, अतिदेय है क्योंकि संशोधन कम से कम पांच वर्षों में एक बार किया जाना है। न्यूनतम मजदूरी में संशोधन के लिए अप्रैल, 2025 में जारी मसौदे में अकुशल श्रमिक के लिए 19,319 से लेकर उच्च कुशल श्रमिक के लिए लगभग 31,000 तक वेतन का प्रस्ताव किया गया था। श्रम विभाग, मूल्य वृद्धि पर डेटा एकत्र करने के बाद, राप्टाकोस ब्रेट एंड कंपनी मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित फॉर्मूले के आधार पर इस पर पहुंचा था।

कई मामले कर्नाटक उच्च न्यायालय तक पहुंच गए थे क्योंकि नियोक्ताओं ने बढ़ोतरी का विरोध करते हुए इसे कठोर बताया था। सेंटर फॉर इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) कर्नाटक की महासचिव मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि चूंकि न्यूनतम वेतन का मसौदा अप्रैल में अधिसूचित किया गया था और कोड नवंबर में आए थे, इसलिए वेतन को पूर्वव्यापी रूप से लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार को विचार-विमर्श पूरा होने के बाद भी कार्यान्वयन में देरी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रम समवर्ती सूची का विषय है। देरी पर प्रतिक्रिया देते हुए लाड ने कहा इस मुद्दे पर कई आपत्तियां मिलीं। फिलहाल, सरकारी स्तर पर मामले की समीक्षा की जा रही है और जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन सेंटर (एआईटीयूसी) कर्नाटक के सचिव एम. सत्यानंद ने संभावित भ्रम के अन्य क्षेत्रों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि संहिता में अनुसूचित रोजगार का प्रावधान नहीं है और अप्रैल, 2025 में राज्य की मसौदा अधिसूचना में 81 अनुसूचित रोजगार के लिए न्यूनतम वेतन को संशोधित किया गया था। उन्होंने कहा इससे भ्रम पैदा होता है क्योंकि संशोधन की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। हम सरकार से पूर्वव्यापी प्रभाव से मसौदा अधिसूचना को अंतिम रूप देने का आग्रह करते हैं। इसके अलावा, सत्यानंद ने बताया कि वेतन संहिता मकान किराया भत्ते को भोजन और कपड़ों की लागत के 10 प्रतिशत पर सीमित करती है, जो बेंगलूरु जैसे शहर में लगभग 1,000 से 1,200 प्रति माह किराया है। यह अतार्किक है। यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का भी एक बड़ा उल्लंघन है। इससे पहले, 2022 में, न्यूनतम मजदूरी को लागू करने के लिए अधिसूचना का एक और सेट, जिसने सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों की अवहेलना की थी, को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रोक दिया था, जिसने तब राज्य सरकार को न्यूनतम मजदूरी की पुनर्गणना करने के लिए कहा था, जिसके बाद मसौदा अप्रैल 2025 में प्रकाशित किया गया था।

विक्की डी. पारेख ने किया सिद्धारूढ़ मठ का दौरा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। अंतरराष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त गायक एवं जैन रॉकस्टार विक्की डी. पारेख ने हुब्बल्ली आगमन पर दक्षिण की काशी के रूप में विख्यात श्री सिद्धारूढ़ स्वामी मठ का सौहार्दपूर्ण दौरा किया। उन्होंने स्वामीजी के समक्ष भक्ति भाव से दर्शन-आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा मठ द्वारा संचालित सामाजिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। दौरे के दौरान मंच सारथि ललित परमार एवं विक्की पारेख की टीम के अन्य कलाकार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मठ के पूर्व चेयरमैन महेन्द्र सिंघी, वर्तमान चेयरमैन चनवीर मुंगरवाड़ी सहित अन्य गणमान्य जनों ने विक्की पारेख एवं ललित परमार का सम्मान कर उनका हार्दिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेच्छा, प्रकाश कटारिया, कांतिलाल बोहरा, महावीर कुंदुर सहित अन्य समाज बंधु भी उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु सिटी पुलिस फ्रेंड्स द्वारा बसवेश्वरा नगर स्थित अंबेडकर खेल मैदान में गवर्नमेंट ऑफिशल स्टेट लेवल क्रिकेट टूर्नामेंट बीसीपी फ्रेंड्स कप 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें 15 से भी ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा खेल में जीत या हर मुख्य नहीं है। खेल में मुकाबला होना चाहिए। जिससे देखने वालों को भी आनंद आए एवं खेलने वालों को भी आनंद आए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पूर्व सांसद बसवराज ने तुमकुरु में ही दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की मांग की

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के पूर्व सांसद जी.एस.बसवराज ने तुमकुरु के पास वसंतनारसापुरा में दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थापित करने पर जोर दिया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सीमा पर स्थित नोएडा के अलावा तुमकुरु दूसरे औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि मेट्रो रेल कनेक्टिविटी और एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की आवश्यकता है। यदि हवाई अड्डा तुमकुरु में है, तो बीदर उत्तर कर्नाटक के सभी 19 जिलों को सेवा प्रदान करेगा। सीमावर्ती क्षेत्र के कुछ लोगों को कर्नाटक से कोई प्रेम नहीं है। उन्होंने परोक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री

डी.के.शिवकुमार के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस बात पर जोर दे रहे हैं कि उनके शहर के लिए हर चीज की जरूरत है। तमिलनाडु की सीमा से लगे अनेकल में उद्योग अधिक हैं। तमिलनाडु के लोग कर्नाटक में उद्योग करते हैं, तमिलनाडु में रहते हैं। बसवराज ने इस बात की वकालत की कि हमें ऐसा माहौल बनाना चाहिए जहां हम उद्योग स्थापित कर सकें। वसंतनरसापुर फूड पार्क के साथ 1 हजार एकड़ में जापानी औद्योगिक एस्टेट का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा वहां एक हजार एकड़ जमीन और उपलब्ध कराने की संभावना है। सिर्फ औद्योगिक क्षेत्र के लिए 4 हजार मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जा रही है। इसके लिए सेंट्रल ग्रिड की स्थापना की जा रही है। उन्होंने बताया कि हेमावती से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इन सभी सुविधाओं के साथ तुमकुरु को अधिक कनेक्टिविटी की आवश्यकता है। यह सही नहीं है कि सांसद तेजस्वी सूर्या ने मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि किसी ने उन्हें गलत जानकारी दी है।

सीमा अपराध बैठक में अपराध नियंत्रण, संयुक्त अभियान पर चर्चा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक-केरल बॉर्डर पर क्राइम कंट्रोल, आरोपियों को ट्रैक करने और आपराधिक गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए शनिवार को सिटी पुलिस कमिश्नर के कार्यालय में बॉर्डर क्राइम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर सुधीर कुमार रेड्डी ने की। केरल से कन्नूर रेंज के डीआईजीपी यतीश चंद्र जी एच और कासरगोड एसपी विजय भारत रेड्डी ने हिस्सा लिया। दोनों राज्यों के बॉर्डर इलाकों में हो रहे अलग-अलग क्रिमिनल केस के बारे में जानकारी शेयर की गई, जिसमें फरार आरोपियों, पेंडिंग वारंट वालों, इंटर-स्टेट क्राइम और ड्रग ट्रैफिकिंग के विवरण शामिल थे। दोनों राज्यों में रजिस्टर्ड केस में वॉन्टेड और बॉर्डर जिलों में छिपे

होने का शक वाले आरोपियों को ट्रेस करने और जानकारी शेयर करने के लिए एक एक्शन प्लान बनाया गया। मीटिंग में क्राइम कंट्रोल और डिटेक्शन के लिए कोऑपरेशन को मजबूत करने और जॉइंट ऑपरेशन करने पर भी फैसला हुआ। कानून एवं व्यवस्था डीसीपी मिथुन एचएन, मेंगलूरु शहर आयुक्तालय और दक्षिण कन्नड़ जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल हुए।

हम मृत्यु से डरे नहीं, यह एक सत्य है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि जी खींचन ने कहा कि हम मृत्यु से डरे नहीं। यह एक सत्य है। यह शरीर एक किराए के मकान के समान है, मुद्दत होते ही खाली करने का शाश्वत नियम है। हम अपयश से डरें। किंतु यश पाने के चक्कर में अनीति अन्याय अनर्थ न करें। मृत्यु के बाद में शरीर राख हो जाता है किंतु नाम को हम अमर कर सकते हैं। विनयमुनि जी ने कहा कि हम तत्व और व्यवहार के बीच के अंतर को समझें। हमारा लक्ष्य मोक्ष जरूर है, किंतु हम व्यवहार कुशल भी बने। इस संसार यात्रा में हमें भांति भांति प्रकृति, विचार धारा और मत के लोग मिलते हैं। हम मात्र अपने को सत्य और सही बता कर अन्य का अपमान या तिरस्कार नही करें। तिरस्कार से दूरियां, द्वेष और वैर बढ़ता है। ऐसा करके हम अपने ही मत को बदनाम कर बैठते हैं। वैर की गांठ बहुत जटिल और भयंकर होती है जो आगे जाकर दावानल बन जाती है। विनयमुनि जी ने मुनि जयंतीलाल जो महात्मा के नाम से मशहूर थे, का उदाहरण देते हुए कहा कि महात्मा ने अपने जीवन काल में सभी से मैत्री व्यवहार रखा। विहार में किसी भी संप्रदाय के संत मिलते तो महात्मा जरूर उनसे मिलते और सुख साता पूछते। अलसूर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा मंडल द्वारा मंदबुद्धि बच्चों की पढ़ाई हेतु कमरा भेंट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी के रजत जयंती वर्ष के सुकृत कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंडल की ओर से मंदबुद्धि एवं अंध बच्चों की संस्था प्रेरणा ट्रस्ट मण्ड्या में बच्चों के लिए एक पढाई रूम बनाकर भेंट किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने कहा कि संघ के सदस्यों द्वारा प्रदान की गई राशि से पूरे वर्ष के दौरान मंडल द्वारा मानव सेवा, जीवदया एवं अनेक

साधर्मिक भक्ति के कार्य किए जा रहे हैं। मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि आज इस रूम के बनवाने में आए खर्च की राशि प्रेरणा ट्रस्ट के रविकुमार और आनन्द कुमार को सौंपी गई। इस आश्रम में 102 बच्चे रहते हैं जिनकी देखभाल और पढ़ाई की व्यवस्था ट्रस्ट की व्यवस्थापक समिति द्वारा की जाती है। इस कार्यक्रम हेतु नरेन्द्र पारख और ललित धारीवाल का बहुत ही सुन्दर सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, मंत्री ललित डाकलिया, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, बहादुर कांकरिया, अर्चित पारख, विकास बच्छावत उपस्थित थे।

मेंगलूरु में भारी बारिश के कारण उड़ान संचालन बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ के कई हिस्सों में शनिवार की रात भारी बारिश हुई, तेज बिजली गिरने के कारण मेंगलूरु शहर अलर्ट पर है। बारिश के कारण बाजपे हवाईअड्डे पर उड़ान परिचालन भी प्रभावित हुआ। रात 10 बजे से 11 बजे के बीच, मेंगलूरु में गरज और बिजली के साथ भारी बारिश हुई। मुंबई और बेंगलूरु से आने वाली उड़ानों को वापस बेंगलूरु की ओर मोड़ दिया गया, जबकि दुबई जाने वाली उड़ान को कन्नूर की ओर मोड़ दिया गया, जहां वह सुरक्षित रूप से उतर गई। दक्षिण कन्नड़ के अधिकांश इलाकों में अच्छी बारिश हुई। विट्टल, पुत्तूर, बंटवाल, बेल्टांगडी, सुलिया, कदबा और मुल्की में गरज और बिजली के साथ भारी बारिश की सूचना मिली है। पुत्तूर तालुक में, सावनुरु और पेरुवाजे में लगातार बारिश हुई, जबकि बेट्टमपडी, पनाजे और कलमाडका में तीव्र बिजली के साथ बारिश हुई। उप्पिनंगडी क्षेत्र में लगभग आधे घंटे की बारिश हुई, जिससे आंगन में सूखने के लिए रखी गई सुपारी भीग गई। उडुपी जिले में भी रात 11 बजे के बाद बारिश शुरू हुई, पदुबिद्री, उच्छिला, कापू और उडुपी शहर में मध्यम बारिश हुई। कासरगोड में भी मध्यम बारिश की सूचना है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल कर्नाटक डॉक्टर अम्बरीश सेने केजी रोड महाराजा कॉम्पलेक्स में कर्नाटक हब्बा एवं अन्नमा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। सेना के अध्यक्ष बी. देवराज एवं अरुण कुमार ने मुणोत को सम्मानित किया।

मंत्री पद के दावेदारों का एक समूह खड़गे के आवास की ओर दौड़ रहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नेतृत्व परिवर्तन की अफवाहों के बीच एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बेंगलूरु स्थित आवास राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी गुट के मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा, सुरेश, के. वेंकटेश, मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, विधायक एएस पोन्नना, कोट्टानूर मंजूनाथ और कई अन्य लोग रविवार को खड़गे के आवास पर गए। खबर है कि

बेलगावी सत्र के बाद कैबिनेट में फेरबदल किया जाएगा। ऐसे में कई लोगों को कैबिनेट से बर्खास्त होने का डर सता रहा है। उनमें से कुछ ने मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और अपने प्रस्ताव रखे। ताकि मंत्री पद मिल सके। पोन्नना पैरवी कर रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे, जो पहले से ही मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार हैं, से अनुरोध किया है कि यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो कोडागी को अनुमति दी जाए। कोलार विधायक कोट्टानूर मंजूनाथ ने खड़गे से मुलाकात की और कोलार जिले को मंत्री पद देने की मांग की। बैरती सुरेश बेंगलूरु के हेब्बाला निर्वाचन क्षेत्र से हैं। उन्हें जिले का प्रभारी नियुक्त किया गया है। वह कोलार में कांग्रेस पार्टी से दो बार विधायक रहे हैं और अनुरोध किया है कि उन्हें मंत्री बनने का अवसर दिया जाना चाहिए।

केवल धर्मात्मा कहलाने से हम पुण्यार्जन नहीं कर सकते: साध्वी

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नेलमंगला महेश पाइप लाइन में विराजित साध्वी भव्य गुणा श्री ने कहा कि व्यक्ति का चिंतन जितना गहन होगा उतना ही उसका आत्म उत्थान होगा और वह प्रगति के मार्ग पर बढ़ेगा। अच्छे विचार व्यक्ति को उन्नति की तरफ तो बुरे विचार व्यक्ति को पतन की राह पर ले जाते है। भारी आत्मा डूब जाती है जबकि हल्की आत्मा भवसागर से पार हो जाती है। साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि केवल धर्मात्मा कहलाने से हम पुण्यार्जन नहीं कर सकते है। इसके लिए हमे स्वयं को धर्म से जोड़ना होगा।

जिनवाणी सुनना एवं प्रवचन लाभ लेना भी धर्म से जुड़ने का माध्यम है। हम खुद को धर्मात्मा कहलाना तो पसंद करते है लेकिन हमारे काम धर्म के अनुरूप नहीं होते है। उन्होंने कहा कि यदि हम वास्तविक धर्मात्मा बनकर संसार सागर से पार होना चाहते है तो हमे अपने जीवन में धर्म का समावेश करना होगा और हमारे कर्म ऐसे हो पाप का क्षय कर पुण्य का बंध करें। हमारे कर्म पाप बढ़ाने वाले हुए तो धर्म कभी नहीं हो सकता। भक्ति अगर भावपूर्वक होती है तो वह सार्थक होती है। भक्ति के माध्यम से परमात्मा से प्रार्थना करें तो वह कबूल हो जाती है लेकिन हम परमात्मा से विभिन्न तरह की याचना करें तो वह पूर्ण नहीं होगी। हमे याचक नहीं बनकर परमात्मा का सच्चा भक्त बनना होगा। भक्ति सच्चे मन से हो सर्वसुख की प्राप्ति होती है। सुनील कुंकुलोल ने बताया कि साध्वीवृंद सोमवार को पार्श्व लब्धीधाम अदकमरनहल्ली बेंगलूर पधारेंगे।

कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित होगी: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने घोषणा की कि बेंगलूरु विकास और सिंचाई विभाग के लिए भूमि अधिग्रहण मामलों में अनियमितताओं की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा। जांच में जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों और वकीलों को निलंबन का सामना करना पड़ेगा। विभिन्न अदालतों में लंबित भूमि अधिग्रहण मामलों पर विधान सौधा में समीक्षा बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा हम सिंचाई और बेंगलूरु विकास विभागों के लिए भूमि अधिग्रहण में अनियमितताओं की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन कर रहे हैं। दोषी अधिकारियों को निलंबित किया जाएगा। शिवकुमार ने कहा हमने सिंचाई विभाग और बीडीए के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित अदालती मामलों पर चर्चा की। हमने लंबित कई मामलों और उनके लंबित रहने के कारणों की समीक्षा की। इन मामलों में सरकार को काफी धन खर्च करना पड़ेगा। शिवकुमार ने लंबित मुकदमों की संख्या पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विभिन्न सिंचाई एजेंसियों से जुड़े लगभग 61,843 मामले वर्तमान में अदालतों में लंबित हैं। उन्होंने कहा विभिन्न सिंचाई विभागों से संबंधित लगभग 61,843 मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। केएनएनएल में 25,356 मामले, वीजेएनएल में 2,856 मामले, सीएनएनएल में 4,455 मामले, यूकेपी, आरएंडआर और केबीजेएनएल में कुल मिलाकर 29,176 मामले लंबित हैं। राजस्व विभाग की जांच का हवाला देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलूरु शहर के अधिकार क्षेत्र में खामियां पाई गई हैं। राजस्व विभाग ने बेंगलूरु शहर क्षेत्राधिकार में जांच के आदेश दिए हैं और पाया गया है कि अधिकारियों और कानूनी टीम ने सही समय पर आवेदन दाखिल न करके समय बर्बाद किया है। हमने इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है। एसआईटी इससे संबंधित अनियमितताओं की जांच करेगी और संबंधित अधिकारियों और वकीलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगी। शिवकुमार ने कहा कि सिंचाई विभाग में इस समय 219 वकील मामले देख रहे हैं और जो गैर-जिम्मेदार पाए जाएंगे उन्हें हटा दिया जाएगा। हम उन सभी वकीलों को हटा देंगे जो जिम्मेदार नहीं हैं और नए वकील नियुक्त करेंगे। विभाग की साख बचाने के लिए यह एक ऐतिहासिक फैसला है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण विवादों को अदालतों के बाहर सुलझाने के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के अधीन एक प्राधिकरण स्थापित करने के प्रस्ताव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा नए नियमों के तहत, एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के अधीन एक प्राधिकरण का प्रावधान है। यह प्राधिकरण न्यायिक प्रणाली के बाहर भूमि अधिग्रहण के मामलों का निपटारा कर सकता है। हम प्राधिकरण के गठन पर सरकार के स्तर पर निर्णय लेंगे। अनियमितताओं के पैमाने पर प्रकाश डालते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कई मामलों में, सिंचाई विभाग की एजेंसियों या निगमों को मुआवजा देने की आवश्यकता होती है, हालांकि राजस्व विभाग भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को संभालता है। लेकिन इन विवादों को इन निगमों को पक्ष बनाए बिना निपटाया जा रहा है। ऐसे उदाहरण हैं जहां सिंचाई विभाग ने 9 लाख रुपये का मुआवजा तय किया है, जबकि उन्होंने अदालत के आदेशों के माध्यम से 9 करोड़ रुपये का मुआवजा प्रबंधित किया है। राज्य सरकार ने अदालती मामलों की निगरानी और सरकारी वकीलों की दलीलें दर्ज करने के लिए एक अलग इकाई स्थापित करने का भी फैसला किया है। हमने अदालती मामलों की समीक्षा और सरकारी वकीलों की दलीलें दर्ज करने के लिए एक अलग इकाई बनाने का फैसला किया है। इससे मामले में पैरवी करने वाले वकीलों की जवाबदेही तय होगी। हम बीडीए और जीबीए क्षेत्राधिकारों में भी इसी तरह की कार्रवाई करेंगे। वित्तीय परिणामों पर, शिवकुमार ने कहा कि अगर सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो नुकसान बहुत बड़ा हो सकता है। संख्या बताना मुश्किल है, क्योंकि अलग-अलग मामले भी हैं। कई किसानों को इसकी विस्तृत जानकारी नहीं है। लेकिन अगर इसे ठीक से नहीं संभाला गया तो सरकार को लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। यह पूछे जाने पर कि क्या इन खामियों की जांच के लिए कोई समयसीमा तय की गई है, उपमुख्यमंत्री ने कहा एक विशेष टीम गठित की गई है और अगले 10-15 दिनों में रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। अगर जरूरत पड़ी तो व्यापक जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार को परोक्ष चेतावनी

यह रवैया छोड़ देना चाहिए कि सब कुछ उनके द्वारा किया जाता है: सतीश जारकीहोली

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को परोक्ष रूप से चेतावनी देते हुए कहा है कि उन्हें यह रवैया छोड़ देना चाहिए कि सब कुछ उनके द्वारा किया जाता है और सीमा के भीतर रहना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कई लोग हैं जो कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से काम किया। किसी का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि कांग्रेस एक व्यक्ति के दम पर सत्ता में आई है। कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने के लिए 14 और उससे अधिक लोगों ने योगदान दिया है। मैं इस प्रस्ताव से सहमत नहीं हूं कि पार्टी केवल कुछ लोगों से सत्ता में आई। उन्होंने कहा कि जो लोग कांग्रेस में थे और जो बाहर से आए, सभी ने कड़ी मेहनत की है। सवा करोड़ लोगों ने हमें वोट दिया है। उन्हीं की वजह से हम विधायक और मंत्री हैं। उन्होंने परोक्ष रूप से चेतावनी दी है कि वह यह रवैया छोड़ दें कि सब कुछ मेरा है और हद में रहें। कई विधायक अभी भी संकट में हैं। उन्होंने कहा कि यह नहीं भूलना चाहिए कि सरकार विधायकों की बदौलत ही है। जब तक हाईकमान के नेता नहीं बुलाएंगे वे दिल्ली नहीं जाएंगे। फिलहाल इसकी कोई जरूरत नहीं है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपमुख्यमंत्री के साथ बैठक की। हमें उम्मीद है कि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। राज्य में कोई क्रांति नहीं होगी। उन्हें नहीं पता कि सत्ता में साझेदारी को लेकर क्या चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुई बातचीत से उनका कोई लेना-देना नहीं है। जिन समुदायों ने राज्य में कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने का समर्थन किया, उन्हें राजनीतिक दर्जा मिलना चाहिए। इस संबंध में गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर का यह कहना गलत नहीं है कि वे मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में दलित और अल्पसंख्यक लंबे समय से अवसर का इंतजार कर रहे हैं। परमेश्वर कई बार दावा कर चुके हैं कि वह भी मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी हैं। उसके साथ कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह सही थे, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक कांग्रेस पार्टी के लिए महत्वपूर्ण वोट बैंक हैं। उन्होंने कहा कि उस समुदाय को मौका मिलना चाहिए।

मैं हमेशा मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हूं: गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि मैं हमेशा मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हूं। लेकिन अभी तक ऐसी स्थिति सामने नहीं आई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 2013 में वह केपीसीसी के अध्यक्ष थे और कांग्रेस सरकार को सत्ता में लाए थे। मैंने कभी यह दावा नहीं किया कि यह मेरे द्वारा संभव है। उन्होंने कहा, हम सभी ने पार्टी में मिलकर काम किया, कांग्रेस जीती क्योंकि लोगों ने वोट दिया। उस मौके पर मैं चुनाव हार गया। अगर मैं जीत जाता तो पता नहीं क्या होता। आमतौर पर कांग्रेस के अध्यक्ष को अनुमति देना हमारी परंपरा है। कुछ मामलों में यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी उन्होंने मुख्यमंत्री पद का सपना नहीं देखा है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विदेश दौरे पर हैं। भारत लौटने के बाद एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि अगर राज्य कांग्रेस में कोई भ्रम है तो वह राहुल गांधी से चर्चा करेंगे और समाधान निकालेंगे। मौजूदा हालात में वह एआईसीसी अध्यक्ष से नहीं मिलेंगे। मैं बचपन से ही खड़गे की देखभाल कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि जब भी अवसर आएगा वे आने-जाने के लिए तैयार हैं। वर्तमान मामले में कोई भी सीधे एआईसीसी का दौरा कर सकता है और स्पष्टीकरण प्राप्त कर सकता है। खड़गे के पास 50 साल का लंबा अनुभव है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की राजनीतिक स्थिति को जितना वह जानते हैं उतना कोई और नहीं जानता। मुख्यमंत्री पद के लिए उनके नाम की चर्चा पर मैं ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा। फिलहाल ऐसी कोई स्थिति नहीं है, दलित मुख्यमंत्री की चर्चा शुरू से चल रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान उचित समय पर इस पर फैसला लेगा। अगर कोई अलग-अलग बयान देता है तो भ्रमित होना स्वाभाविक है। कांग्रेस में कोई दिक्कत नहीं है, हो सकता है कुछ विधायक निजी काम से दिल्ली गये हों। हममें से कुछ लोगों ने मंत्री सतीश जारकीहोली के घर पर रात्रिभोज किया। हमने राजनीति पर चर्चा की है, चूंकि हम कैबिनेट में हैं, हमने विकास, वित्त और अनुदान से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि हमने विभाग के विकास को लेकर भी विचारों का आदान-प्रदान किया है। इसे लेकर अनावश्यक उत्सुकता क्यों है, इस पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि हमारे बीच कोई भी निर्णय हाईकमान ही ले सकता है। उन्होंने कहा कि आलाकमान के किसी भी नेता ने अब तक यह नहीं कहा है कि नेतृत्व में बदलाव होगा और मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होगा। कांग्रेस ने विधायी बैठक की और सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री चुना। कार्यालय का कार्यकाल ढाई वर्ष तक सीमित नहीं था। इस बीच मीडियम टर्म में बदलाव होना चाहिए तो हाईकमान ही फैसला ले सकता है। बीजेपी को अपनी पार्टी का ख्याल रखना चाहिए। बी.वाई.विजयेंद्र ने खुद क्यों कहा कि वह अध्यक्ष बने रहेंगे? उन्होंने कहा कि क्या उन्हें नहीं पता था कि उनके बीच भ्रम की स्थिति है।

7 करोड़ रुपए लूट मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार, गिरफ्तारियों की संख्या हुई 7

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साउथ डिविजन पुलिस ने शहर में 7 करोड़ रुपये की डकैती मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार राकेश नामक व्यक्ति सातवां आरोपी है। वह डकैती के मुख्य आरोपी ट्रैवल्स के मालिक रवि का रिश्तेदार है, जिसे पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तारियों की संख्या 7 हो गई है और पुलिस फरार दो अन्य की गिरफ्तारी के लिए आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु राज्यों में तलाश कर रही है। गिरफ्तार लोगों से अब तक कुल 6.29 करोड़ रुपये वसूले जा चुके हैं। लूट का मामला दर्ज होते ही नगर पुलिस हरकत में आ गयी और 52 घंटे के अंदर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। बाद में, हैदराबाद में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया और लूटा गया पैसा बरामद किया गया। साउथ डिवीजन पुलिस गिरफ्तार किए गए 7 आरोपियों से पूछताछ कर चुकी है और मामले के बारे में और जानकारी हासिल कर रही है। पुलिस अधिकारियों को भरोसा है कि दो और फरार लोगों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इससे पहले शहर में हुई 7.11 करोड़ रुपए लूट मामले में शहर के दक्षिणी डिविजन की पुलिस ने शनिवार को एक और शख्स को हिरासत में लिया था और पूछताछ कर रही है। पुलिस इस डकैती मामले में पहले ही 6 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, अब एक और शख्स को आंध्र प्रदेश के वेल्लोर के पास ढूंढ निकाला है। सीएमएस गाड़ी से पैसे लूटने के बाद वह वैगनार गाड़ी से आंध्र प्रदेश गया और वहां से तमिलनाडु भाग गया। इसके बाद तमिलनाडु के कुप्पम में कार छोड़कर आंध्र प्रदेश के वेल्लोर आने की सूचना मिलने पर पुलिस ने अपना अभियान तेज कर दिया। एक टीम ने तिरूपति और चित्तूर में लॉज और होटलों की तलाशी ली और उसे गिरफ्तार कर लिया। लूट कांड के मास्टरमाइंड सिपाही और सीएमएस के पूर्व कर्मचारी समेत छह लोगों को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है। पता चला है कि स्पेशल टीमों ने 5.3 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। शहर में दिनदहाड़े हुई 7 करोड़ की लूट के मामले में मुख्य आरोपी की तलाश में शहर के दक्षिणी संभाग की पुलिस आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में सघन तलाश कर रही है। विशेष टीमों को जानकारी मिली है कि डकैती का मुख्य आरोपी अपने साथी के साथ एटीएम लूटकर करीब 1.50 करोड़ रुपये लेकर पड़ोसी राज्यों में भाग गया है। पैसे लूटने के बाद आरोपी इनोवा कार में पैसे लेकर बत्तरहल्ली होते हुए आंध्र प्रदेश के चित्तूर गए, वहां एक सुनसान इलाके के पास कार रोकी और एटीएम डिक्की में रखे सारे पैसे बैग में भर लिए और डिक्की को एक झाड़ी के पास फेंक दिया। बाद में पुलिस को भटकाने के लिए वे कार लेकर कुछ दूर पास की सर्विस रोड के पास चले गये। पता चला कि लुटेरे दूसरी कार से भागे हैं। विशेष टीमों ने लुटेरों का पीछा किया और लूट में आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई कार का पता लगाया। बाद में चित्तूर और तिरुपति के आसपास लुटेरों की काफी तलाश की गई, लेकिन आरोपी नहीं मिले। जब दूसरी टीम तमिलनाडु गई और तलाश कर रही थी तो पता चला कि लुटेरों ने एक बार से शराब खरीदी थी और उनकी तलाश तेज कर दी गई।

विधानमंडल की विभिन्न स्थायी समितियों में अध्यक्ष, सदस्यों की नियुक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अध्यक्ष यू.टी. खादर द्वारा वर्तमान वर्ष 2025-26 के लिए विधान मंडल की विभिन्न स्थायी समितियों के अध्यक्ष और सदस्यों को नियुक्त किया गया है। विधानसभा मंत्रालय की घोषणा में कहा गया है कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों को शामिल करते हुए 9 संयुक्त समितियां और छह विधानसभा समितियां बनाई गई हैं। विधायक अरगा ज्ञानेंद्र संयुक्त समितियों, लोक लेखा समिति के अध्यक्ष हैं और विधानसभा के 15 सदस्यों और विधान परिषद के 5 सदस्यों को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। विधायक यशवंतराय गौड़ा विठ्ठलगौड़ा पाटिल को सार्वजनिक उद्यम समिति का अध्यक्ष, विधायक एआर कृष्णमूर्ति को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति का अध्यक्ष और विधायक तनवीर सैत को पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अधीनस्थ विधान समिति के अध्यक्ष विधायक एस.आर. श्रीनिवास, विधायक एचडी रेवन्ना को कागजात समिति के अध्यक्ष के रूप में, विधायक कनीज फातिमा को महिला और बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष के रूप में, विधायक सी. पुट्टारंगशेट्टी को स्थानीय निकाय और पंचायत राज संस्थान समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। विधान परिषद का सभापति पुस्तकालय समिति का अध्यक्ष होता है। विधायक के.शदाक्षरी को विधान सभा की प्राकलन समिति के अध्यक्ष के रूप में, विधायक एन. राजन्ना को सरकारी वादा समिति के अध्यक्ष के रूप में और विधायक यूबी बनकर को अधिकार और दायित्व समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है। विधानसभा उपाध्यक्ष रुद्रप्पा मनप्पा लमानी निजी सदस्य विधेयक और संकल्प समिति, याचिका समिति और आवास समितियों के अध्यक्ष हैं।

आग लगने से सेब से लदा ट्रक जलकर खाक हो गया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोग्गा से मेंगलूरु तक सेब ले जा रहा एक ट्रक शनिवार को आग में पूरी तरह जल गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। यह घटना शनिवार सुबह करीब 2:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग के माल एस के बॉर्डर खंड के पास हुई। सूचना मिलने पर, करकला अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और अग्निशमन अभियान चलाया। हालांकि, जब तक वे पहुंचे, ट्रक पहले ही आग की चपेट में आ चुका था और राख में तब्दील हो चुका था। आग लगने से ट्रक और अन्य सामग्री समेत कई लाख रुपये का नुकसान हो गया। अग्निशमन अभियान का नेतृत्व सहायक अग्निशमन केंद्र अधिकारी चंद्रशेखर ने किया, साथ ही स्टाफ सदस्य अचता करकेरा, हरिप्रसाद शेट्टीगर, मोहम्मद मुजाबिल, दिनेश और नित्यानंद भी शामिल थे।

प्रधानमंत्री मोदी 28 तारीख को उडुपी में श्रीकृष्ण मठ जाएंगे

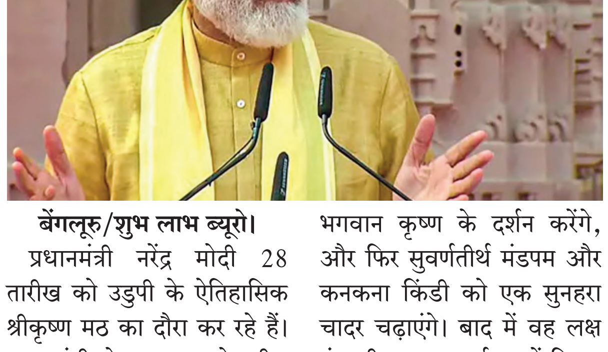

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 तारीख को उडुपी के ऐतिहासिक श्रीकृष्ण मठ का दौरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के आगमन के बीच उडुपी में तैयारियां चल रही हैं। हेलीपैड, कंक्रीट रोड, सुरक्षा व्यवस्था समेत बुनियादी सुविधाओं की तैयारी तेजी से चल रही है। उस दिन, मोदी सुबह 11:05 बजे दिल्ली से सीधे मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे और 11:10 बजे हेलीकॉप्टर से यात्रा करने के बाद लगभग 11:45 बजे उडुपी पहुंचेंगे। बाद में, दोपहर 12 बजे, प्रधान मंत्री मोदी श्री कृष्ण मठ जाएंगे और भगवान कृष्ण के दर्शन करेंगे, और फिर सुवर्णतीर्थ मंडपम और कनकना किंडी को एक सुनहरा चादर चढ़ाएंगे। बाद में वह लक्ष कंठ गीतापाठन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इस धार्मिक उत्सव में एक लाख श्रद्धालु भाग लेंगे और साथ ही भगवद गीता श्लोकों का पाठ करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी भगवत गीता के 10 श्लोक भी पढ़ेंगे। उडुपी कार्यक्रम पूरा करने के बाद उडुपी हेलीपैड से प्रस्थान करेंगे और मेंगलूरु हवाई अड्डे के लिए रवाना होंगे। वहां से वह दोपहर 2 बजे गोवा के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है और एसपीजी टीम सोमवार को उडुपी पहुंचेगी। मठ परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष पास प्रणाली लागू की गई है। प्रबंधन बोर्ड ने बताया है कि मठ में प्रवेश मार्गों पर निर्धारित नियमों का पालन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से पहले ही राज्य सरकार के मुख्य सचिव को पत्र लिखा जा चुका है, जिसमें अधिकारियों को कार्यक्रम की पूरी तैयारी समेत सभी जरूरी इंतजाम करने का निर्देश दिया गया है। जाप कार्यक्रम के लिए जर्मन तकनीक का एक पेंडल लगाया गया है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग 169(ए) उडुपी तटीय बाईपास के बीच 400 मीटर कंक्रीट का काम जोरों पर चल रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी जब गुजरात के सीएम थे तो उन्होंने उडुपी श्रीकृष्ण मठ का दौरा किया था। मोदी तब से उडुपी नहीं गए हैं और प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली यात्रा है।

एसआईआर अभ्यास नया नहीं है और अतीत में कई बार किया जा चुका: प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर 14 दिसंबर को रैली आयोजित करने के कांग्रेस पार्टी के फैसले पर सवाल उठाया और कहा कि यह अभ्यास नया नहीं है और अतीत में कई बार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद अयोग्य मतदाताओं की मौजूदगी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने स्वयं संशोधन की मांग की थी। जोशी ने कहा कि चुनाव आयोग ने एसआईआर तभी शुरू किया जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कथित विसंगतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि इसी तरह के संशोधन पहले भी किए जा चुके हैं, जिनमें 2008 में कर्नाटक में किया गया संशोधन भी शामिल है, जब नियमित अद्यतन प्रक्रिया के दौरान लगभग 40 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। जोशी ने कहा एसआईआर, जैसा कि हमारी पार्टी और हमारे कई मंत्री कई बार कह चुके हैं, कोई नई बात नहीं है। ऐसा कई बार हुआ है। एसआईआर विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मांग के बाद ही शुरू किया गया था। उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों के बाद लिखा और कहा कि ऐसे कई लोग हैं जो पात्र नहीं हैं, लेकिन वे मतदाता सूची में हैं। इसके बाद चुनाव आयोग ने एसआईआर का फैसला किया। क्या यह विशेष गहन पुनरीक्षण पहले नहीं किया गया था? जब 2008 में कर्नाटक में पुनरीक्षण किया गया था, तो लगभग 40 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। यह एक सतत प्रक्रिया है।

गुरु गोबिंद सिंह की गुरुगद्दी दिवस-पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दी शुभकामनाएं

चंडीगढ़, 23 नवंबर (एजेंसियां)। साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व व गुरुगद्दी दिवस के पावन अवसर पर देश भर में श्रद्धा का माहौल है। इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी शुभकामनाएं दीं। सीएम मान ने लोगों से गुरु साहिब की शिक्षाओं पर भी चलने का आह्वान किया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, साहिब-ए-कमाल, बादशाह दरवेश, धन धन साहिब, गुरु की जयंती पर आप सभी को लाखों-करोड़ों बधाई। आइए हम दसवें गुरु की अनमोल शिक्षाओं पर चलें, जिन्होंने देश की खातिर अपनी जान कुर्बान कर दी। पटियाला सांसद परनीत कौर ने लिखा, साहिब-ए-कमाल श्री गुरु

गोबिंद सिंह जी के गुरुगद्दी दिवस पर सभी को लाखों-करोड़ों बधाई।

सिख समुदाय की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन कुर्बान करने वाले दसवें पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को मेरा कोटि-कोटि नमन।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने लिखा, खालसा पंथ के निर्माता, साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के गुरु दिवस के शुभ अवसर पर सभी अनुयायियों को बधाई। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा बनाकर सिख पंथ को एक अलग पहचान दी और हमेशा ज़ुल्म से लड़ने का पाठ पढ़ाया। गुरु साहिब जी की जीवन कहानी, भजन और शिक्षाएं दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करती रहेंगी।

आम आदमी पार्टी पंजाब ने लिखा, साहिब-ए-कमाल, धन्य श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें गुरुगद्दी दिवस के मौके पर, गुरु के चरणों में हज़ार बार नमन। तलवार की धार पर खालसा पंथ बनाने वाले कलगीधर पातशाह जी की गुरुगद्दी से दुनिया ने सच की स्थापना का एक अहम दौर देखा।

दिल्ली सरकार में मंत्री मंजिदर सिंह सिरसा ने लिखा, दसवें सिख, साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के गुरुगद्दी दिवस के अवसर पर पूरे सिख जगत को बधाई।

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने लिखा, साहिब-ए-कमाल, खालसा पंथ के संस्थापक, महान योद्धा एवं धर्मरक्षक सिख कौम के दशम गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के गुरुगद्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

युवा उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग सक्रिय

लखनऊ,23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को स्वावलंबन व रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित विपणन विकास सहायता एससीएसपी योजना के अंतर्गत विकास खण्ड बक्शी का तालाब स्थित महर्षि इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय आईआईएम रोड, सीतापुर बाईपास मिटौली चुंगी लखनऊ में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उप उद्योग आयुक्त मनोज कुमार चौरसिया उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक ऑफ इंडिया के जिला अग्रणी प्रबन्धक मनीष पाठक द्वारा की गई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार गिरीश प्रशासनिक अधिकारी राजेश कुमार सिंह, प्रवक्ता सपन अस्थाना तथा जिला खादी ग्रामोद्योग कार्यालय से कताई पर्यवेक्षक सतीश चन्द्र गुप्ता एवं कनिष्ठ सहायक हेमन्त कुमार सिंह उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने विनय कुमार को हिमाचल के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली/शिमला, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शनिवार को वरिष्ठ नेता विनय कुमार को हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एचपीसीसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। वे प्रतिभा सिंह की जगह लेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इस संबंध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल द्वारा एक बयान जारी किया गया। बयान में कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विनय कुमार को तत्काल प्रभाव से हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है।पार्टी ने निवर्तमान प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुख के कार्यों की भी सराहना की।बयान में आगे कहा गया कि पार्टी निवर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के योगदान की सराहना करती है।

हालांकि, नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय से जारी एक पृष्ठ के प्रेस नोट में नेतृत्व परिवर्तन का कारण या राज्य इकाई के लिए किसी और संगठनात्मक पुनर्गठन की रूपरेखा नहीं बताई गई है।हिमाचल प्रदेश में एक प्रमुख संगठनात्मक चेहरा, विनय कुमार राज्य इकाई और विधानमंडल में विभिन्न भूमिकाएं निभा चुके हैं। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रशासनिक और संगठनात्मक दोनों चुनौतियों से जूझ रही है।

प्रतिभा सिंह एक वरिष्ठ पार्टी नेता हैं। वह इससे पहले हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में कई कार्यकालों तक सेवा दे चुकी हैं और राज्य इकाई के संगठनात्मक निर्णयों में एक प्रमुख भूमिका में रही हैं।यह कांग्रेस द्वारा राज्य स्तरीय संगठनात्मक अपडेट जारी रखने का एक और उदाहरण है; यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे पार्टी वर्ष की शुरुआत से ही कई राज्यों में चला रही है।

खादी महोत्सव में उत्पादों की बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में 10 दिवसीय खादी महोत्सव-2025 के दूसरे दिन आगन्तुकों की बढ़ती संख्या के साथ बिक्री ने भी रफ्तार पकड़ ली है। प्रदर्शनी 21 नवम्बर से प्रारम्भ हुई है, जो 30 नवम्बर तक चलेगी।महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये उद्यमियों द्वारा 160 से अधिक स्टॉल लगे हैं, जिनमें खादी एवं ग्रामोद्योगी उत्पाद, माटी कला, हस्तशिल्प और पारम्परिक उद्योगों की उत्पाद श्रृंखला प्रदर्शित की जा रही है।

प्रदर्शनी में लेदर उत्पाद, भदोही के कारपेट, कन्नौज के इत्र, मिट्टी के बर्तन-घरेलू सजावटी सामान,प्रतापगढ़ का आँवला-मुरब्बा, कानपुर के जूते-चप्पल, सीतापुर की दरी व तौलिये, लखनऊ की शुद्ध रॉयल हीं, वाराणसी की रेशम-सिल्क साड़ियाँ, बीकानेरी पापड़-नमकीन तथा उत्तराखंड के कोट और जैकेट विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।दूर-दराज से आए उद्यमियों में उनके उत्पादों की अच्छी बिक्री से उत्साह का संचार है।

समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शनी में लगभग 3.56 लाख रुपए की बिक्री दर्ज की जा चुकी है।आज की सांस्कृतिक संध्या में कथक एवं शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति देने वाली नन्ही कलाकार गार्गी द्विवेदी मुख्य आकर्षण रहीं, मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। मुख्य कार्यपालक अधिकारीखादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड शिशिर ने बताया कि खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़े उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराना, स्वरोजगार को बढ़ावा देना और अधिक इकाई स्थापना को प्रोत्साहन करना बोर्ड का प्रमुख उद्देश्य है।

'मुख्यमंत्री के दावे की हो गहन जांच...', बीएलओ आत्महत्या विवाद पर बोले राज्यपाल सीवी आनंद बोस

कोलकाता, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की मौत को लेकर बहस तेज हो गई है। इस बीच, राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने रविवार को कहा कि तत्काल प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए और मुख्यमंत्री ममता बनर्जीकी ओर से उठाए गए मुद्दों की विस्तार से जांच होनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचना बेहतर होता है। जो बातें मुख्यमंत्री ने उठाई हैं, उन्हें विस्तार और गहराई से देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) के पास संतुलित दृष्टिकोण है और सभी मुद्दों की उचित जांच कर सही समाधान निकाले जा सकते हैं। साथ ही,

उन्होंने निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दावा किया कि चार नवंबर से चल रहे एसआईआर अभ्यास के दौरान 30 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें बीएलओ भी शामिल हैं। टीएमसी ने इन मौतों के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट में कहा था कि आज कृष्णानगर में एक महिला सहायक शिक्षिका, जो बीएलओ के रूप में कार्यरत थी, ने आत्महत्या कर ली। एसी 82 चापड़ा के भाग संख्या-2 की बीएलओ रिंकू तरफदार ने अपनी आत्महत्या से पहले चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने 19 नवंबर को भी दावा किया था कि जलपाईगुड़ी के माल इलाके की बूथ-स्तर के अधिकारी शांति मुणी ने जारी एसआईआर के काम के कारण असहनीय दबाव की वजह से आत्महत्या की।

हाईकमान ही तय करेगा', कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर बोले कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

बंगलूरू, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की खबर पर देशभर में चर्चा हो रही है। राज्य में मुख्यमंत्री बदलने के सवाल पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कहा कि वह अभी कुछ नहीं कहना चाहते। जो भी फैसला होगा, हाईकमान ही करेगा।

रविवार को अपने बंगलूरू आवास के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा, 'मैंने जो कहना था कह दिया। यहां खड़े रहकर आपका समय भी खराब हो रहा है और मुझे भी अच्छा नहीं लग रहा। जो भी है-हाईकमान करेगा। आपको ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।' उनका यह बयान ऐसे वक्त आया जब एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री सिद्धरमैया उनसे एक घंटे से ज्यादा समय तक मिले थे।

20 नवंबर को राज्य सरकार के ढाई साल पूरे होने के साथ ही यह सवाल जोर पकड़ रहा है, क्या कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन होगा? वहीं सीएम सिद्धारमैया कह चुके हैं कि हाईकमान जो भी तय करेगा, वह मानेंगे। वह इस चर्चा को मीडिया की अटकलबाजी भी बताते नजर आए हैं।कई कांग्रेस विधायकों के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के समर्थन में दिल्ली जाकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जु खरगे से मिलने के बाद राज्य में सियासी तापमान और बढ़ गया। वहीं रविवार को सिद्धारमैया के करीबी मंत्री, एचसी महादेवप्पा और के. वेंकटेश, ने भी खरगे से मुलाकात की। कहने को सब कुछ सामान्य है, पर पार्टी के भीतर दो धाराएं साफ दिखती हैं। सीएम सिद्धारमैया चाहते हैं कि पहले कैबिनेट में फेरबदल हो। वहीं डीके शिवकुमार चाहते हैं कि पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला लिया जाए।

वहीं पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगर हाईकमान कैबिनेट विस्तार/फेरबदल की मंजूरी दे देता है, तो यह संकेत होगा कि सिद्धारमैया ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। ऐसा होने पर डीके शिवकुमार की सीएम बनने की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी।

2023 के विधानसभा परिणामों के बाद ही दोनों नेताओं के बीच सीएम पद को लेकर कड़ा मुकाबला था। आखिर में पार्टी ने समझौता करवाकर सिद्धारमैया को सीएम और डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम बनाया। उस समय यह भी चर्चा थी कि ढाई-ढाई साल का रोटेशन फॉर्मूला तय हुआ है, पर कांग्रेस ने इसे कभी आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया।

राज्य संग्रहालय ने किया विश्वविद्यालय स्तरीय कैनवास पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य संग्रहालय लखनऊ संस्कृत विभाग ने विश्व धरोहर सप्ताह 19 से 25 नवंबर के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्तरीय कैनवास पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज ऑफ़ आर्ट, गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ़ हायर एजुकेशन, ललित कला अकादमी, टेक्नो ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के 100 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों द्वारा एक्रेलिक रंगों के माध्यम से कैनवास पर प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को तूलिका के माध्यम से उकेरा गया जिसमें भारत के धरोहर स्थलों के केंद्र विन्दु के रूप में स्थापित आगरा का किला, रूमी दरवाजा, अशोक स्तंभ शीर्षक, कुतुब मीनार, कोणार्क मंदिर, इंडिया गेट एवं सांची स्तूप के अतिरिक्त लोटस टेंपल, कथकली नृत्य एवं अन्य मूर्त एवं अमूर्त कलाओं को अभिव्यक्त किया गया। इस अवसर पर डॉव विनय कुमार सिंह निदेशक राज्य संग्रहालय, डॉ मीनाक्षी खेमका सहायक निदेशक अलसाज फातमी मंजू त्रिवेदी प्रमोद कुमार धनंजय कुमार राय शशि कला राय गायत्री गुप्ता शालिनी श्रीवास्तव राहुल सैनी अनुराग द्विवेदी अरुण कुमार मिश्रा सत्यपाल शर्मा संजय कुमार परवेज खान सुरेश कुमार रावत अमरेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

शारीरिक विकृति रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। डॉ. शकुंतला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र ने सुदूर कार्यक्रम के अन्तर्गत मोहान रोड स्थित समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय में स्कूली छात्रों में पाये जाने वाले विकृतियों की प्रारम्भिक पहचान एवं रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को फ्लैट फुट, रीढ़ की विकृतियाँ, गलत शारीरिक मुद्रा तथा मस्क्युलोस्केलेटल समस्याओं के बारे में जागरूक करना और प्रारम्भिक पहचान के महत्व को समझाना था। प्रारम्भिक पहचान के माध्यम से भविष्य में होने वाली कई जटिलताओं को रोका जा सकता है और बच्चों के समुचित शारीरिक विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय स्थापना सप्ताह में अंग्रेजी विभाग की हुई रंगारंग प्रस्तुतियाँ

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ विभाग ने स्थापना सप्ताह समारोह के अवसर पर विविधतापूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. नज़नीन खान के संयोजन में तथा कुलपति प्रो. मनुका खन्ना के संरक्षण में हुआ।20 नवम्बर को आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने लखनऊ विश्वविद्यालय की बौद्धिक विरासत विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. भारती राय ने किया।21 नवम्बर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, संयोजन डॉ.पारिधि किशोर ने किया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी संपन्न हुई, जिसका विषय था लखनऊ विश्वविद्यालय इन फ्रेम्स। इसमें अक़्सा इरम ने प्रथम, स्वाति वैश्या एवं करिश्मा भारती ने द्वितीय, आस्था पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि संतोष कुमार और मानसी को सांत्वना पुरस्कार मिला।

हिम कृषि योजना:

पहाड़ की खेतिहर विरासत को नई दिशा देती एक पहल परंपरागत खेती से आधुनिकता की ओर बढ़ता हिमाचल

शिमला, 23 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जलवायु और पहाड़ी भूगोल के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। लेकिन इसी भूगोल ने यहां की कृषि को चुनौतीपूर्ण भी बनाया है। छोटे खेत, बिखरी जोतें, सिंचाई के सीमित संसाधन और मौसम की अनिश्चितता हमेशा किसानों के सामने बड़ी बाधाएं रही हैं। ऐसी स्थिति में हिमाचल सरकार की 'हिम कृषि योजना' प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था में एक नई उम्मीद, नई ऊर्जा का संचार करती है। हिमाचल सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना किसानों को पारंपरिक खेती की सीमाओं से आगे ले जाकर उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, उच्च क्षमता वाली फसलों और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने का प्रयास है। यह न सिर्फ कृषि उत्पादकता बढ़ाने की पहल है बल्कि किसानों के जीवन स्तर को उन्नत बनाने की दिशा में भी एक ठोस कदम है। हिमाचल की कृषि मुख्यतः मानसूनी वर्षा पर निर्भर रही है। असमान सिंचाई व्यवस्था और सीमित तकनीकी संसाधनों के कारण किसान अपनी भूमि की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाते। इसके अतिरिक्त, सब्जियों, फलोत्पादन और फूलों की भारी संभावनाएं होने के बावजूद उचित प्रशिक्षण व उपकरणों के अभाव में किसान लाभ से

वंचित रह जाते थे।

इन्हीं चुनौतियों को दूर करने के उद्देश्य से हिमाचल सरकार द्वारा हिम कृषि योजना शुरू की गई, जो कृषि क्षेत्र की व्यापक जरूरतों को समझते हुए बनाई गई एक बहुआयामी योजना है।

योजना के तहत पहाड़ी खेतों के लिए उपयुक्त लघु कृषि यंत्रों से लेकर उन्नत मशीनरी तक, किसानों को 30 से 80 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। इससे खेती न केवल आसान हुई है बल्कि इसकी लागत भी काफी कम हुई है।

पहाड़ियों में मौसम की अनिश्चितता सबसे बड़ी चुनौती है। पॉलीहाउस के साथ ही ड्रिप व स्प्रिंकलर प्रणाली किसानों के लिए गेम चेंजर साबित हो रही हैं। रहा हैं। इन संरचनाओं मेंकृ ऑफ सीजन सब्जियों का उत्पादन, बीज उत्पादन जैसी गतिविधियां बड़े स्तर पर संभव हो रही हैं। हिमाचल में पानी की उपलब्धता जितनी चुनौती है, उतनी ही कुशल सिंचाई की जरूरत भी। ड्रिप व स्प्रिंकलर प्रणाली पर सहायता देकर सरकार ने जल प्रबंधन को नए स्तर पर पहुंचा दिया है। अब कम पानी में अधिक उत्पादन एक सच्चाई बन चुका है।

हिम कृषि योजना की सबसे बड़ी सफलता यह है कि किसानों में आत्मविश्वास बढ़ा है। जहां पहले पहाड़ी खेतों को कम उत्पादक माना जाता था, वहीं अब पॉलीहाउस में उगती खीरा, शिमला मिर्च, टमाटर की आधुनिक किस्मों की व्यावसायिक खेती, सब्जियां के उत्पादन से किसानों की आय कई गुना बढ़ा रही हैं। यह योजना केवल किसानों तक सीमित नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ने सेकृ स्थानीय मंडियों में गतिविधियां बढ़ी हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

हिम कृषि योजना ने गांवों में महिलाओं की भूमिका को भी मजबूत किया है। यह योजना किसान को उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक से उद्यमी बनाने की प्रक्रिया है। प्रदेश की कृषि को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सोच और सतत विकास की दिशा में ले जाने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

हिम कृषि योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था हो रही सुदृढ़: उपायुक्त

उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए। इसी दृष्टि के तहत प्रदेश में मुख्यमंत्री हिम कृषि योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत लगभग 80 कनाल भूमि वाले क्लस्टरों की पहचान की जाती है, जहाँ कृषि का आधुनिकीकरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ और प्रशिक्षण उपलब्ध करवाए जाते हैं। किसानों की क्षमता-वृद्धि, कौशल विकास एवं आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण निरंतर इन क्लस्टरों में आयोजित किया जाता है।

उन्होंने बताया कि इस योजना से लाभान्वित किसानों की वार्षिक आय लगभग ढाई से तीन लाख रुपये तक पहुँच रही है। उदाहरणस्वरूप, यदि किसान इन क्लस्टरों में हल्दी की खेती करते हैं, तो सरकार ने 90 रुपये प्रति किलो की दर से एमएसपी पर खरीद का वादा किया है। एक कनाल से औसतन पांच क्विंटल तक हल्दी उत्पादन हो जाता है, जिससे लगभग 45 हजार रुपये प्रति कनाल की आमदनी प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री ने की प्रयागराज में माघ मेला की तैयारियों की समीक्षा

लखनऊ,23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज माँ गंगा का पूजन व श्री बड़े हनुमान जी का दर्शन करने तथा माघ मेला-2026 की तैयारियां कीसमीक्षा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। रेलवे व सेना के सभी सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई है। मेले की तैयारियों की प्रगति उत्तम स्तर पर है। माघ मेला नई ऊंचाई तक पहुंचकर सभी श्रद्धालुओं व कल्पवासियों के संकल्प और साधना को आगे बढ़ाते हुए भव्यता व दिव्यता के साथ सम्पन्न होगा।

मुख्यमंत्री प्रयागराज में माघ मेला की तैयारियों की समीक्षा के उपरान्त मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। इसके पूर्व उन्होंने माँ गंगा व श्री बड़े हनुमान जो का दर्शन-पूजन तथा माघ मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। रामबाग हनुमान मन्दिर में श्री विजय प्रद हनुमान जी की प्राण-प्रतिष्ठा की। प्रदेश सरकार द्वारा प्रयागराज मेला प्राधिकरण का गठन कर इसके अध्यक्ष के रूप में मण्डलायुक्तप्रयागराज को नामित किया था। मेला प्राधिकरण के नेतृत्व में महाकुम्भ के साथ-साथ यहां अन्य सभी आयोजन सम्पन्न होते हैं। मेला-2026 की तैयारियां प्रारम्भ हो चुकी हैं। 2024 की तुलना में इस मेले के दायरे को बढ़ाकर 800 हेक्टेयर क्षेत्रफल में आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। इस हेतु 7 सेक्टर बनाए गए हैं। यहां की टीम को महाकुम्भ-2025 को सकुशल कराने का अनुभव है। महाकुम्भ-2025 ने देश व दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी थी। भारत की सनातन परम्परा के प्रति लोगों के मन में नया उत्साह भरा था। हम लोग इस बार के माघ मेले में भी उसी प्रकार की व्यवस्था देने का प्रयास कर रहे हैं। इस बार माघ मेला लगभग 15 दिन पूर्व आयोजित हो रहा है। 3 जनवरी को पौष पूर्णिमा है। माघ मेले के 6 प्रमुख स्नानों में 15 जनवरी को मकर संक्रान्ति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को बसंत पंचमी, 1 फरवरी को माघी पूर्णिमा तथा 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान सम्पन्न होंगे। पौष पूर्णिमा से माघी पूर्णिमा तक कल्पवासियों की बड़ी संख्या रहेगी। ऐसा देखा गया है कि मेले में इस एक माह के दौरान लगभग 20 से 25 लाख कल्पवासी प्रवास करते हैं। प्रवास के दौरान माँ गंगा के सान्निध्य में यहां कल्पवासियों की साधना व कठिन तपस्या चलती है। अन्य मुख्य स्नान पर्वां की तिथियों पर देश व प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन स्नान करने के लिए आते हैं। ऐसा अनुमान है कि लगभग पूरे डेढ़ महीने के दौरान प्रयागराज में 12 से 15 करोड़ लोग संगम में स्नान करेंगे, इनमें कल्पवासी भी सम्मिलित हैं। प्रत्येक दिन 20 से 25 लाख श्रद्धालु स्नान करेंगे, तो यह स्वयं में एक बड़ी

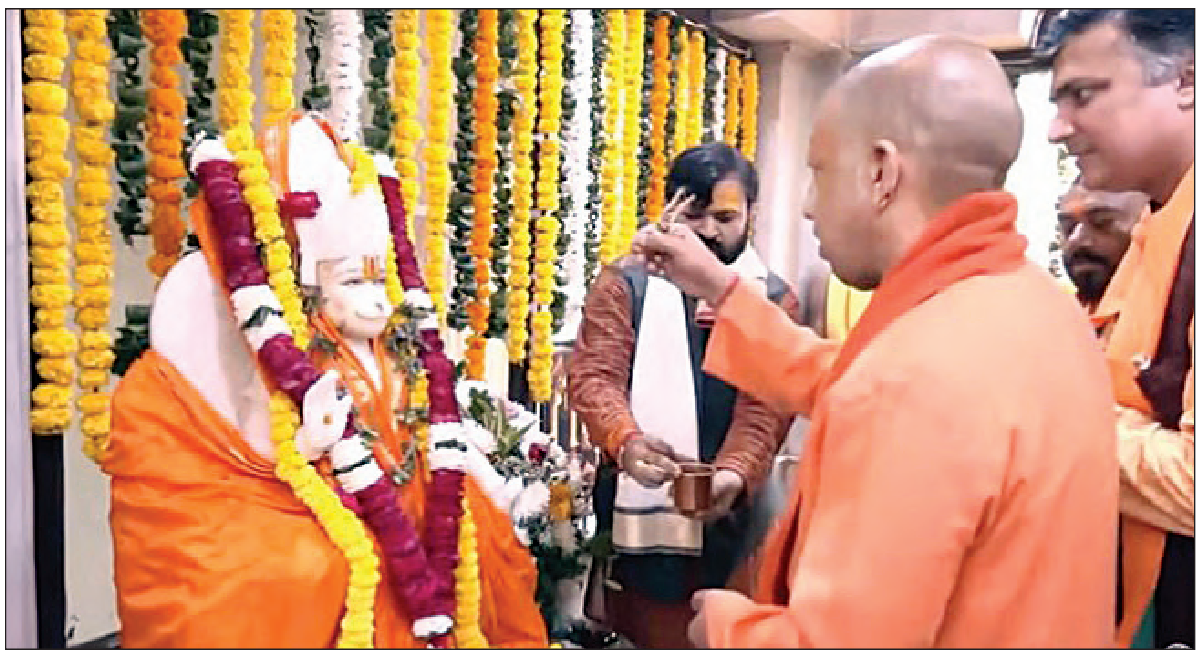

माँ गंगा, श्री बड़े हनुमान जी का दर्शन-पूजन, माघ मेला क्षेत्र का निरीक्षण
भव्यता व दिव्यता के साथ सम्पन्न होगा माघ मेला- योगी
श्रद्धालुओं को त्वरित उपचार के लिए 20-20 बेड के बनाये जा रहे 2 चिकित्सालय

संख्या हो जाएगी। महाकुम्भ के अत्यधिक प्रचार-प्रसार के कारण श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार के सम्बन्धित विभागों को इस कार्यक्रम के साथ जोड़ा गया है। सिंचाई विभाग ने यहां पर बाढ़ निरोधक उपाय करने के साथ-साथ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करने की कार्यवाही प्रारम्भ की है। सिंचाई विभाग मेले के दौरान प्रतिदिन 10,000 क्यूसेक जल की उपलब्धता निरन्तर सुनिश्चित कराने हेतु प्रयास कर रहा है। आज जब वह संगम में पूजन करने के लिए गये, तो देखा कि वहां 19,000 से 20,000 क्यूसेक शुद्ध जल की उपलब्धता है। मेले के दौरान लगभग 10,000 क्यूसेक जल की डिमांड होती है। जल की शुद्धता बनाए रखने की जिम्मेदारी नमामि गंगे विभाग को दी गई है। पीडब्ल्यूडी द्वारा कनेक्टिंग मार्गों के साथ-साथ 7 पान्टून ब्रिज तथा 160 किलोमीटर के दायरे में चेकर्ड प्लेट बिछाने की व्यवस्था की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा 242 किलोमीटर की पेयजल पाइप बिछाने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। यहां 85 किलोमीटर सीवर लाइन बिछाने की कार्यवाही सम्पन्न होगी, जिससे सीवर की एक भी बूंद का गंगा अथवा यमुना में रिसाव न होने पाए। मेले के दौरान उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन नियमित विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ इलेक्ट्रिक सेफ्टी की व्यवस्था करेगा। पावर कॉरपोरेशन द्वारा मेला क्षेत्र में 47 किलोमीटर एसटी तथा 360 किलोमीटर की एलटी लाइन बिछाई जानी है, जिसका कार्य प्रारम्भ हो चुका है। यहां 25 अस्थायी विद्युत सबस्टेशन बनाने का कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है। श्रद्धालुओं को त्वरित उपचार उपलब्ध के लिए 20-20 बेड्स के 2 चिकित्सालय बनाए जा रहे हैं। 12 पीएचसी प्राथमिक स्वास्थ्य के हेल्प सेंटर के रूप में लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। 1 वेक्टर कन्ट्रोल यूनिट, 5 आयुर्वेदिक, 5 होम्योपैथिक चिकित्सालय तथा 50 एम्बुलेन्स की व्यवस्था की जा रही है। मेला प्राधिकरण के माध्यम से अन्य अनेक प्रकार के कार्यां के साथ ही नगर विकास द्वारा पर्याप्त संख्या में शौचालय तथा स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जा रही है। मेले के दौरान 25,000 शौचालय, 8,000 डस्टबिन, 10 लाख से अधिक लाइनर बैग, 20 सक्शन गाड़ियां तथा 3,000 सफाई कर्मियों की व्यवस्था की जाएगी। अलग-अलग रूटों से आने वाले श्रद्धालुओं लिए 42 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा मेले को सकुशल सम्पन्न करने के लिए यहां पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जा रही है।

मेला पुलिस अधीक्षक की तैनाती हो चुकी है। उनके साथ एडिशनल एसपी, सीओ, इंस्पेक्टर्स और अन्य पुलिस कार्मिकों की तैनाती पहले चरण में सम्पन्न हो चुकी है। शेष पुलिस बल की तैनाती की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस लाइन के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जा चुका है। मेला क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकी, 20 फायर टेण्डर, 7 अग्निशमन चौकी, 20 अग्निशमन के वॉच टावर, 1 जल पुलिस थाना, 1 जल पुलिस कन्ट्रोल रूम तथा 4 जल पुलिस सब कन्ट्रोल रूम स्थापित किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेला क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा 8 किलोमीटर डीप वॉटर बैरिकेडिंग की जाएगी। नगर विकास विभाग द्वारा सीसीटीवी और आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस युक्त कैमरे सहित 400 कैमरों के माध्यम से क्राउड मॉनीटिरिंग और डेन्सिटी एनालिसिस, इन्सिडेन्ट रिपोर्टिंग, स्वच्छता व सुरक्षा निगरानी की जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा यातायात और भीड़ नियंत्रण के लिए अन्तरजनपदीय और अन्तरराज्यीय कार्य योजना विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। मेला क्षेत्र में लगभग 3,800 बसें चलायी जाएंगी, इनमें 3,000 बसें परिवहन निगम की होंगी। श्रद्धालुओं के शहर से मेला क्षेत्र तथा मेला क्षेत्र से शहर आवागमन हेतु 75 शटल बसें इलेक्ट्रिक बसों के रूप में रहेंगी। 200 बसें रिजर्व में रहेंगी। यहां टेन्ट सिटी का निर्माण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

योगी सरकार दे रही किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों पर अनुदान

कृषि मंत्री ने की किसानों से की 30 नवम्बर तक बीज खरीद की अपील

लखनऊ,23 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि रबी फसलों की समयबद्ध बुवाई किसानों के लिए अधिक उत्पादन और बेहतर आय का सुनहरा अवसर है। योगी सरकार किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज अनुदानित दरों पर उपलब्ध करा रही है, ताकि गेहूँ, चना, मसूर, मटर और सरसों जैसी प्रमुख फसलों की पैदावार बढ़ाई जा सके।

कृषि विभाग सुनिश्चित कर रहा है कि हर किसान तक समय पर बीज पहुँचे और किसी को किसी प्रकार की चिंता न करनी पड़े। कृषि मंत्री ने बीज उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिलों में पर्याप्त प्रमाणित बीज की उपलब्धता रहे। शाही ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आकलनों के अनुसार समय से की गई बुवाई से फसल अधिक पुष्ट विकसित होती है और उत्पादन उल्लेखनीय रूप से बढ़ता है। उन्होंने जानकारी दी कि गेहूँ की विलंबित बुवाई से प्रतिदिन उपज में कमी की संभावना तो होती है, परंतु समय पर की गई बुवाई खेती को अधिक लाभकारी बनाती है और किसानों की मेहनत का पूरा प्रतिफल सुनिश्चित करती है।प्रदेश के सभी अन्नदाताओं से अपील करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि योगी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। किसान 30 नवम्बर के पूर्व अपने नजदीकी बीज बिक्री केंद्र से अनुदानित बीज प्राप्त कर बुवाई का कार्य पूरा कर लें।

इससे वे न केवल अधिक उत्पादन और मुनाफा प्राप्त करेंगे, बल्कि प्रदेश को खाद्यान्न उत्पादन के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ दिलाने में भी सहभागी बनेंगे।बैठक में कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख तथा वरिष्ठ विभागीय अधिकारी प्रमुख सचिव कृषि रविंद्र, विशेष सचिव कृषि ओपी वर्मा, निदेशक कृषि पंकज त्रिपाठी, बीज विकास निगम के निदेशक पीयूष शर्मा, अपर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र अनिल पाठक और संयुक्त निदेशक उर्वरक आशुतोष मिश्रा उपस्थित रहे।

शिक्षाशास्त्र विभाग में पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और जागरूकता मार्च

लखनऊ,23 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत हरित व स्वच्छ लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पर्यावरणीय चेतना जागृत करना और विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ व हरित बनाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षाशास्त्र विभाग से हुई, जहाँ बीएड और एमएड के छात्रों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाए। छात्रों ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली, जिससे उनके भीतर प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भाव और अधिक गहरा हुआ। इसके बाद परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जो पीजी ब्लॉक से होते हुए छात्र संघ चौराहा, समाजशास्त्र विभाग, वाणिज्य विभाग, साइबर लाइब्रेरी और टैगोर लाइब्रेरी से गेट नं.-4 तक पहुँचा। अभियान का समापन गेट नंबर.-1 पर सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इस दौरान छात्रों ने विभिन्न नारों के माध्यम से स्वच्छता और हरियाली का संदेश दिया, जैसे जहां होगी स्वच्छता वहां होगी पवित्रता, क्लीन सिटी ग्रीन सिटी यही हमारी ड्रीम सिटी और बंजर भूमि की यही पुकार, वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार। इन नारों ने पूरे परिसर में उत्साह और जागरूकता का वातावरण बना दिया।इस अभियान में शिक्षाशास्त्र विभाग के शिक्षक भी सक्रिय रूप से शामिल हुए और उन्होंने छात्रों के साथ मिलकर पौधरोपण व स्वच्छता अभियान में भाग लिया। उपस्थित शिक्षकों में प्रो तृप्ता त्रिवेदी, प्रो मुनेश कुमार प्रो आकांक्षा सिंह, डॉ. किरणलता डंगवाल डॉ नीतू सिंह, डॉ. अपर्णा गोडबोले, डॉ. सूर्यनारायण गुप्ता, डॉ. संजय यादव, डॉ. बीना इन्द्राणी और डॉ. पूनम श्रीवास्तव शामिल रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. हेमेन्द्र कुमार सिंह ने आयोजन की रूपरेखा तैयार की और छात्रों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इको क्लब से जुड़े बी.एड. और एम.एड. के छात्रों ने न केवल पर्यावरणीय गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

भविष्य की दृष्टि से शिक्षाशास्त्र विभाग ने यह निर्णय लिया है कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएँगे। विभाग की योजना है कि प्रत्येक सत्र में पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरणीय कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँ ताकि छात्रों में सतत विकास और प्रकृति के प्रति संवेद-नशीलता को बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम न केवल परिसर को स्वच्छ और हरित बनाएंगे, बल्कि छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने और उसे अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। यह पहल विश्वविद्यालय के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो यह दर्शाती है कि सामूहिक प्रयासों से किसी भी संस्थान को पर्यावरणीय दृष्टि से बेहतर बनाया जा सकता है।

नई श्रम संहिताये लागू होने से श्रमिकों और सेवायोजकों को मिलेगा लाभ

लखनऊ,23 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने देश में श्रमिक कल्याण और औद्योगिक इकाइयों के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए 29 पुराने श्रम कानूनों के स्थान पर 4 नई श्रम संहिताएँ लागू कर दी हैं। ये संहिताएँ 21 नवम्बर से प्रभावी हो गई हैं। इनमें मजदूरी संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 और व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएँ संहिता 2020 शामिल हैं।नई संहिताओं के अंतर्गत श्रमिकों के लिए न्यूनतम एवं समय पर वेतन, अनिवार्य नियुक्ति पत्र, ओवरटाइम पर दुगुना भुगतान तथा फ्लोर वेज व्यवस्था लागू होगी, जिससे राज्यों के बीच मजदूरी दरों के अंतर को कम करने में सहायता मिलेगी।

महिला श्रमिकों को समान अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है। अब उन्हें सुरक्षा करते हुए रात्रि पाली में कार्य करने की अनुमति होगी। 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश, शिशु पालन केंद्र की सुविधा तथा स्वास्थ्य बीमा जैसे लाभ भी दिए जाएंगे।

फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को एक वर्ष की सेवा के बाद ग्रेच्युटी का अधिकार मिलेगा तथा सभी श्रमिकों को छुट्टियों सहित चिकित्सा लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे। 40 वर्ष से अधिक आयु वाले श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच भी अनिवार्य की गई है।गैर-संगठित क्षेत्र के 40 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा का कवच प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स भी पीएफ, ईएसआईसी व बीमा की सुविधाओं के दायरे मे आएंगे।सेवायोजकों की सुविधा के लिए एकल पंजीकरण, एकल लाइसेंस और एकल रिटर्न की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे अनुपालन प्रक्रिया सरल और सुगम होगी।प्रदेश श्रम विभाग के अनुसार नई संहिताओं से श्रम संबंधों में पारदर्शिता बढ़ेगी, श्रमिकों का शोषण रुकने के साथ औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है। विभाग द्वारा इन संहिताओं के अंतर्गत सभी आवश्यक नियमावलियों को प्रख्यापित किए जाने की प्रक्रिया तेजी से संचालित की जा रही है।नई श्रम संहिताएँ जल्द अधिसूचित होकर प्रदेश में पूर्ण रूप से लागू होंगी, औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को गति मिलेगी।

गांव से लेकर शहर तक, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भ्रम

लखनऊ,23 नवंबर (एजेंसियां)। लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने सरकार द्वारा लागू एसआईआर प्रक्रिया को पूरी तरह अव्यवस्थित, अपारदर्शी और आम जनता के लिए कष्टदायी मानते हुए गहरी चिंता व्यक्त की है। आयोग द्वारा 96.22 प्रतिशत गणना प्रपत्र फॉर्म बांटने का दावा किया जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार 60 प्रतिशत से अधिक नागरिकों को अब तक गणना प्रपत्र उपलब्ध ही नहीं कराए गए हैं। सरकार और विभागों द्वारा किये जा रहे दावों तथा वास्तविक स्थिति में भारी अंतर है।ग्रामीण और शहरीदोनों क्षेत्रों में हाहाकार मचा हुआ है।सिंह ने आरोप लगाया है कि आम लोगों को बिना किसी स्पष्ट दिशा-निर्देश के बारबार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।गरीब, मजदूर, वंचित और हाशिये पर रहने वाले वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं, जो बेवजह पहचान से संबंधित दस्तावेज़ बनवाने में समय और धन खर्च करने पर मजबूर हैं।

एनबीएफजीआर ने मनाया विश्व मत्स्य पालन दिवस

लखनऊ,23 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीएआर एनबीएफजीआर ने जलीय कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण इकाई एआरटीयू चिनहट में आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. काजल चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में विश्व मत्स्य पालन दिवस मनाया। बीबीए पर्यटन एवं आतिथ्य एनईपी और एस्पायरिंग ग्रेजुएट टूरिज्म प्रोफेशनल पीजीडीटीटीएम बीटीईयूपी के छात्रों, मत्स्य पालकों, एफएफपीओ प्रतिनिधियों, आईसीएआर एनबीएफजीआर के कर्मचारियों सहित 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। अभिनव मत्स्य जीवी सहकारी संघ एवं एफएफपीओ बाराबंकी के सीईओ दिवाकर सिंह ने भारत की नीली अर्थव्यवस्था परिवर्तन में जलीय पर्यटन के महत्व पर बल दिया। एआरटीयू के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. शरद कुमार सिंह ने सतत विकास लक्ष्य-14 के संदर्भ में वैश्विक एवं भारतीय मत्स्य पालन की स्थिति पर प्रस्तुति दी, जबकि एआरटीयू के वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार ने मत्स्य शिक्षा एवं रोजगार पर चर्चा की। मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ की सहायक प्रोफेसर डॉ. जया यादव ने जल पर्यटन के माध्यम से मत्स्य पालन में रोजगार के अवसरों की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

लखनऊ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत गीता उत्सव में शामिल होंगे

नई दिल्ली,23 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में शामिल होंगे। यह एक बड़े पैमाने पर होने वाला आध्यात्मिक समागम है, जिसका मकसद भगवद् गीता के यूनिवर्सल और जीवन को बेहतर बनाने वाले संदेशों को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस उत्सव में मौजूद रहेंगे। मोहन भागवत रविवार को अपना लखनऊ दौरा शुरू करेंगे। लखनऊ में वे कई जरूरी आध्यात्मिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वे शाम को अयोध्या के लिए रवाना हो जाएंगे।

सुबह 11:30 बजे वे जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचेंगे और वहां 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु, विद्वान और गणमान्य लोग आएंगे।

यह उत्सव 'श्रीकृष्ण कृपा जियो गीता परिवार, उत्तर प्रदेश' द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका प्रेरणा स्रोत पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज हैं।

16 नवंबर को हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑर्गनाइजेशन ने तेजी से बढ़ रहे जियो गीता अभियान के विजन, मकसद और आगे के विस्तार के प्लान के बारे में बताया। इसका मकसद भारत और विदेश में रहने वाले लोगों तक गीता की शिक्षा पहुंचाना है।

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मोहन भागवत सीधे जियामऊ में मौजूद विश्व संवाद केंद्र ऑफिस जाएंगे, जहां वे कुछ समय पदाधिकारियों से बातचीत करेंगे और चल रही ऑर्गेनाइजेशनल एक्टिविटीज का रिव्यू करेंगे।

इसके बाद, शाम में वे अयोध्या के लिए रवाना होंगे, जहां वे आरएसएस ऑफिस, साकेत निलयम में रुकेंगे। 24 नवंबर को उनके अयोध्या के कामों में गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस के मौके पर गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड में एक खास इवेंट में शामिल होना और उसे एड्रेस करना शामिल है।

मोहन भागवत अयोध्या में अलग-अलग साधुओं, संतों, बुद्धिजीवियों और संघ के पदाधिकारियों से भी मिलेंगे।

मोहन भागवत उनसे आरएसएस के शताब्दी वर्ष के लिए प्लान किए गए इवेंट्स से जुड़ी तैयारियों और प्रोग्रेस का रिव्यू करने की उम्मीद है, जिसे पूरे देश में कई कल्चरल, सोशल और ऑर्गेनाइज़ेशनल कोशिशों के जरिए मनाया जाएगा।

स्वास्थ्य

पेन किलर खा रहे हैं तो जान लें इसके नुकसान

कई बार जरूरत से ज्यादा काम करना, आराम न करना, किसी तनाव के कारण सिरदर्द या बदन दर्द होने लगता है। दर्द से राहत पाने के लिए बहुत से लोग पेन किलर दवाओं का सेवन करते हैं। ये दवाएं कुछ ही देर में दर्द को खत्म कर देती हैं लेकिन हम नहीं जानते की जल्दी राहत पहुंचाने वाली दवाएं आगे चलकर कितनी खतरनाक हो सकती हैं। आज हम आपको यही बताएंगे की पेन किलर दवाएं स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचा सकती है।

लीवर पर प्रभाव

पेन किलर दवाइयों में एसिटामिनोफेन होता है। जो हमारे स्वास्थ पर बुरा प्रभाव डालती हैं। इन दवाओं को जरुरत से ज्यादा खाने से लिवर खराब हो सकता है। पेन किलर लिवर को खराब करने के साथ किडनी को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

पेट में अल्सर

पेट में अल्सर की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है। इसका कारण गलत खान-पान या पेन किलर दवाएं भी हो सकती हैं क्योंकि इन में एस्पिरिन ज्यादा होता है। जो पेट संबंधित समस्याओं को बढ़ा देते है।

गर्भपात

प्रैग्नेंट महिलाओं को पेन किलर दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए। इस अवस्था में दवाओं का ज्यादा सेवन करने से कई बार गर्भपात भी हो सकता हैं। गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर की सलाह से ही दवाएं लेनी चाहिए।

ब्लड प्रैशर बढ़ना

बार-बार दर्द निवारक दवाओं का सेवन करने से व्यक्ति को इनकी लत लग जाती है। इन दवाओं को लगातार खाने से खून पतला पड़ जाता है, जिससे खून जमने लगता है और ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा बना रहता है।

डिप्रैशन का कारण

इन दवाओं का लगातार सेवन करने से कई बार डिप्रैशन की समस्या भी होने लगती है इसलिए जितना हो सके दवाओं का कम सेवन करना चाहिए।

आपके ऑफिस के ड्रॉवर में जरूर रखें ये स्नैक्स

जब हमें कोई स्वास्थ्यगत समस्या आती है, तभी हम अपनी सेहत को लेकर अलर्ट होते हैं। तो इससे पहले कि आपका शरीर आपको कोई चेतावनी दे, आपको खुद ही उसकी जरूरतों को समझना चाहिए। ऑफिस कैंटीन या फिर किसी कैफेटेरिया या पिज्जा हाउस से जंक मंगवाकर खाने के बजाए आप अपनी डेस्क में ही कुछ ऐसी चीजें रखें जिनसे पेट भी भरे और आपकी सेहत पर खराब प्रभाव भी न पड़े।

बीज : जी हां, बीज.... ! तरबूज, खरबूज के बीज या फिर मूंगफली के दाने आप अपनी डेस्क की ड्रॉवर में हमेशा रखें। एक तो ये चीजें जल्दी खराब नहीं होतीं, दूसरे ये प्रोटीन का अच्छा स्रोत होती हैं।

सूखे फल: सूखे फल जैसे किशमिश, खुबानी, खजूर या सूखे सेब जैसी चीजें भी आप अपने पास रख सकते हैं। ये फाइबर के स्रोत हैं और न्यूट्रिशियस भी हैं। ध्यान यह रहे कि आप इनके साथ शकर न लें।

क्रैकर्स : क्रैकर्स भी स्नैक्स टाइम में खाने लायक चीजें हैं। भारतीय खाने में मठरी, खाखरे, रोस्टेड पापड़ आदि आप अपने साथ रखें। रोस्टेड धान जैसे ज्वार, गेहूं आदि भी आप इसमें शामिल कर सकते हैं। बस, इन्हें ज्यादा मात्रा में न खाएं।

पॉपकॉर्न: पॉपकॉर्न भी आप अपने साथ रख सकते हैं। पॉपकॉर्न बनाते हुए इसमें थोड़ा नमक, काली मिर्च, हल्दी, जीरा आदि डाल लें। इससे यह

आपके नमकीन खाने की इच्छा को भी संतुष्ट करेगा।

डार्क चॉकलेट : यदि आपको पसंद है तो आप अपने स्नैक्स टाइम में एक-दो क्यूब्स डार्क चॉकलेट भी ले सकते हैं। कोको मैग्निशियम का बड़ा सोर्स है और मैग्निशियम एक स्वाभाविक स्ट्रैस रिलीवर है।

भुना चना: आप चाहे जो अपनी डेस्क के ड्रॉवर में रखें लेकिन जो बात भुने हुए चने में है, वह किसी और में नहीं होगी। ये प्रोटीन का पंच हुआ करते हैं।

मसाला परमल: ये विशुद्ध देसी स्नैक है, जिसे आप अपने साथ रख सकते हैं। सूखा व हल्का होने से यह रखने में आसान है। मसाला परमल आपकी हर तरह के स्वाद की इच्छा को पूरा करने की क्षमता रखता है। इसमें तेल नहीं होने से यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

नट्स: नट्स आप अपनी डेस्क की ड्रॉवर में रख सकते हैं। ये सूखे रहते हैं और एनर्जी सोर्स होने के साथ ही जल्दी भूख मिटाने वाले भी होते हैं। आप बादाम, काजू, अखरोट और चिलगोजे अपने साथ रख सकते हैं। स्नैक्स टाइम में या फिर जब भी भूख लगे, आप इन्हें खा सकते हैं। ये भी प्रोटीन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

कभी भी कलीग्स के साथ शेयर न करें ये बातें..

चाहे आप ऑफिस में नए हों या पुराने, कलीग्स के साथ हमेशा सीमित बातें ही करनी चाहिए। आपको अपने ऑफिस के दोस्तों को क्या और कितनी बातें बतानी हैं ये आपको पहले से ही पता होना चाहिए। कुछ लोगों की आदत होती हैं कि वे दूसरों की निजी जिंदगी के बारे में सब जानना चाहते हैं जिस वजह से वह आपसे आपकी पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सवाल पूछते हैं÷

आपको ऐसे लोगों से बच कर रहना चाहिए क्योंकि यही लोग आगे चलकर छोटी छोटी बातों का बतंगड़ बनाने में देरी नहीं करते, इसलिए कभी भी अपनी निजी जिंदगी की यह बातें दूसरों से सांझा करने से पहले एक बार जरूर सोचें । आइए जानते हैं वे कौन- सी बातें हैं जो कभी अपने कलीग्स से सांझा नहीं करनी चाहिए।

हंस कर टाल दें: आपकी सैलरी कितनी है यह पूछने का हक किसी को नहीं होता, पर फिर भी कुछ लोग मानते नहीं हैं। अगर आपसे भी कोई यह सवाल पूछे तो हंस कर टाल दें। ज्यादा पूछने पर आप यह भी कह सकते हैं की जितनी सैलरी मिल रही हैं आप उसी में खुश हैं और इससे ज्यादा क्या चाहिए।

भविष्य की योजनाओं के बारे में: अगर आपका अपनी वर्तमान कंपनी को जल्द ही छोड़ने का इरादा हो या आपके पास कोई अच्छा ऑफर आया हो, आगे बढ़ने के लिए कुछ टाइम का ब्रेक चाहिए हो या आप विदेश जाने की सोच रहे हों, तो इन बातों को अपने तक ही सीमित रखें। किसी भी कलीग से इन बातों को शेयर करना सही नहीं होगा। फिर चाहे आप दोनों के रिश्ते कितने भी अच्छे क्यों न हों।

निजी जिंदगी के बारे में चर्चा: अपने पारिवारिक रहन-सहन, रिलेशनशिप और विवाद के बारे में ऑफिस में ना बताएं। पर्सनल बातें जैसे प्रॉपर्टी, इन्वेस्टमेंट जैसी बातें किसी को न बताएं। अगर आप अपनी परिवार के साथ नहीं रहते, अकेले रहते हैं और आपको किसी की सलाह चाहिए तो आप ऑफिस के कलीग से पूछने की जगह अपने विश्वसनीय दोस्त से पूछें जिससे आपको फायदा होगा।

सौंदर्य

ये है फटे होंठों की परेशानी को खत्म करने का सबसे आसान तरीका

सर्दियों में त्वचा नमी खोने लगती है, इस वजह से होंठ भी फटने लग जाते हैं. फटे होंठ जहां चेहरे पर बदसूरती का अहसास कराते हैं. वहीं, दूसरी ओर काफी दर्द भी देते हैं. ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज हुसैन का मानना है कि नारियल तेल और ऑर्गन तेल से बने लिप बाम और लिपिस्टिक के प्रयोग से होठों को फटने से बचाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में नमी की कमी के अलावा शरीर में पोषाहार तत्वों की कमी की वजह से भी होंठ फट जाते हैं. शरीर में विटामिन-ए, सी तथा बी-2 की कमी से कई बार होठों में दरारें आ जाती हैं और खून बहना शुरू हो जाता है.

उन्होंने कहा कि सर्दियों में अगर आपके होंठ लगातार फट रहे हैं और सामान्य घरेलू उपचारों से राहत नहीं मिल रही है, तो आप महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की बजाय अपने खान-पान पर ज्यादा ध्यान दें. खट्टे फल, पका पपीता, टमाटर, हरी पत्तों वाली सब्जियां, गाजर और दूध वाले पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करें, लेकिन आप अगर डायबिटिज या हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से भी जूझ रहे हों तो डॉक्टर की सलाह से अपनी डाइट में बदलाव करें.

शहनाज हुसैन ने कहा कि सर्दियों में अपने होठों को जीभ से ना छुएं. इससे होठ ड्राय होने लगते हैं और फिर फटने लगते हैं. होठों की स्किन पतली तथा संवेदनशील होती है, जिससे यह सर्दियों में फट जाती है. सर्दियों में चेहरे को धोने के बाद होठों को मुलायम तौलिए से हल्के से पोंछना चाहिए, ताकि डेड स्किन को हटाया जा सके. रोज़ाना रात में एक घंटे तक होठों पर मलाई लगाकर रखें, इससे होंठ मुलायम और गुलाबी हो जाएंगे.

उन्होंने कहा कि रात में शुद्ध बादाम तेल और ऑर्गन तेल होंठों पर लगाना चाहिए. ऑर्गन आयल अनसैचुरेटेड फैटी एसिड से भरपूर होता है. इसका प्रयोग क्रीम, लोशन, फेश पैक और हेयर ऑयल जैसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में किया जाता है. यह त्वचा के लचीलेपन जैसे गुणों को बनाए रखकर बुढ़ापे के लक्षणों को रोकता है. आर्गन आयल की बूंदों को आप सीधे होठों पर मालिश कर सकते हैं.

उन्होंने कहा कि नारियल तेल को पोषक तथा नमी बनाए रखने के गुणों से भरपूर माना जाता है. यह त्वचा को मुलायम तथा कोमल बनाता है. इसे होठों पर लगाने से सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों के नुकसान को रोका जा सकता है और यह त्वचा की क्रीम से बेहतर सुरक्षा कवच प्रदान करता है. इसे चेहरे का मेकअप हटाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है.

होंठों को फटने से बचाने के लिए इश रूटीन को फॉलो करें

1. अपने होठों पर साबुन या पाउडर के प्रयोग से परहेज करें. होठों पर बाम लगाएं और ड्राय लिपस्टिक लगाने से बचें.
2. होठों पर रोज़ाना रात में बादाम तेल या क्रीम लगाकर सोएं.
3. लिपस्टिक क्लीजिंग मिल्क से हटाएं.
4. सर्दियों में अपने होठों को जीभ से कभी टच ना करें.

खतरनाक है अगरबत्ती का धुआं

भारतीय लोग पूजा-पाठ में काफी विश्वास रखते हैं तो ऐसे में हर घर में सुबह-शाम अगरबत्ती और धूपबत्ती का इस्तेमाल किया जाता है। लोगों के अनुसार शाम के समय अगरबत्ती जलाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है लेकिन कुछ घरों में इसका ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है जिससे कई बार शरीर को बीमारी होने का खतरा रहता है। अगरबत्ती के धुएं से सांस की परेशानी हो जाती है। इसके अलावा अगरबत्ती या धूपबत्ती के धुएं से और भी कई समस्याएं हो सकती हैं जिसके बारे में लोगों को जरूर पता होना चाहिए।

कफ जिन घरों में अगरबत्ती का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है वहां कई बीमरियां होने का खतरा रहता है। अगरबत्ती के धुएं से कार्बनमोनोऑक्साइड निकलती है जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है। इस धुएं में सांस लेने से कफ और छींकने की समस्या हो जाती है और छाती में रेशा और बलगम जम जाती है जिससे काफी परेशानी होती है।

अस्थमा अगरबत्ती या धूपबत्ती के धुएं में अधिक देर तक सांस लेने से सांस की समस्या हो जाती है। इसमें मौजूद नाइट्रोजन और सल्फर डाईऑक्साइड गैस शरीर में चली जाती है जिससे अस्थमा और सीओपीडी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

त्वचा और आंखें

ज्यादा देर तक अगरबत्ती के धुएं में रहने से स्किन प्रॉब्लम हो जाती है और आंखों में भी जलन होने लगती है। अगरबत्ती के धुएं में मौजूद केमिकल के संपर्क में आने से त्वचा और आंखों में जलन और खुजली होने लगती है जिससे आंखे खराब हो जाती हैं।

मस्तिष्क

अगरबत्ती के धुएं की वजह से दिमाग की कोशिकाएं प्रभावित होती है जिससे सिरदर्द और माइग्रेन जैसी समस्या हो सकती है।

दिल

स्वस्थ शरीर के लिए दिल का तंदुरुस्त होना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में जब रोजाना अगरबत्ती का धुआं सांस के साथ शरीर में जाता है तो इससे दिल की कोशिकाएं सिकुड़ना शुरू हो जाती हैं जिससे हार्ट अटैक होने का खतरा बना रहता है।

बने रहना है जवान तो, रोज खाइए बस एक आंवला

आंवला को हर मर्ज की दवा भी कहा जाता है. कहते हैं, बुजुर्गो की बात का और आंवले के स्वाद का पता बाद में चलता है. आंवला को प्राचीन आयुर्वेदिक प्रणाली में कई तरह के रोगों के इलाज के लिए लगभग पांच हजार साल से इस्तेमाल किया जा रहा है. इसका नियमित सेवन दिल की बीमारी, डायबिटीज, बवासीर, अल्सर, दमा, ब्रॉन्काइटिस और फेफड़ों की बीमारी में राम बाण का काम करता है. पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आंवला के सेवन से बुढ़ापा दूर रहता है, यौवन बरकरार रहता है, पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, आंखों की रोशनी, स्मरण शक्ति बढ़ती है, त्वचा और बालों को पोषण मिलता है.

आंवले के 10 ऐसे फायदे जिन्हें जानना आपके लिए है बेहद जरूरी

आचार्य बालकृष्ण के मुताबिक लंबी उम्र के लिए आंवला चूर्ण रात के समय घी, शहद

या पानी के साथ सेवन करना चाहिए. इसी तरह आंवला चूर्ण 3 से 6 ग्राम लेकर आंवले के स्वरस और 2 चम्मच शहद और 1 चम्मच घी के साथ दिन में दो बार चटाकर दूध पीयें, इससे बुढ़ापा जाता है, आप जवान बने रहते हैं.

उन्होंने कहा कि आंवला, रीठा, शिकाकाई तीनों का काथ बनाकर सिर धोने से बाल मुलायम, घने और लंबे होते हैं. सूखे आंवले 30 ग्राम, बहेड़ा 10 ग्राम, आम की गुठली की गिरी 50 ग्राम और लोह चूर्ण 10 ग्राम रातभर कढ़ाई में भिगोकर रखें और बालों पर इसका लेप लगाने से छोटी उम्र में सफेद हुए बाल कुछ ही दिनों में काले पड़ जाते हैं.

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आंवले के 20 मिलीलीटर रस में 5 ग्राम शक्कर और 10 ग्राम शहद पीने से योनिदाह में अत्यंत आराम होता है. इसी तरह आंवले के बीज 3 से 6 ग्राम जल में ठंडाई की तरह पीस-छानकर उसमें शहद और मिश्री मिलाकर पिलाने से तीन दिन में ही श्वेतप्रदर यानी कि ल्यूकोरिआ में खास फायदा होता है.

इन बीमारियों में ऐसे करें आंवले का इस्तेमाल

नेत्ररोग: 20-50 ग्राम आंवलों को जौकुट कर दो घंटे तक आधा किलोग्राम पानी में औटाकार उस जल को छानकर दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र रोगों में लाभ मिलता है.

नकसीर: जामुन, आम और आंवले को बारीक पीसकर माथे पर लेप करने से नाक से खून आना बंद हो जाता है.

रेसिपी

गुड़ का हलवा

सामग्री

3/4 कटोरी आटा, 1/4 कटोरी रवा, 1/2 कटोरी घी, 1 1/2 कटोरी गुड़ या गुड़ का बूरा (बाज़ार में उपलब्ध), पानी, आवश्यकतानुसार, 2 टेबलस्पून कटे हुए ड्राय फ्रूट्स + सजाने के लिए अतिरिक्त

विधि

एक पैन में घी डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. अब इसमें रवा डालकर दो मिनट भूनें। फर आटा डालकर धीमी आंच पर आटे के रंग बदलने और ख़ुशबू आने तक (लगभग 15 मिनट) भूनें। जब यह अच्छी तरह भुन जाए तो इसमें ड्राय फ्रुट्स डालकर एक मिनट और भूनें। अब इसमें पानी डालें (लगभग 3 कटोरी) और अच्छी तरह चलाएं, ताकि गांठें न बनने पाएं। फिर गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। चलाती रहें, जब हलवा तली से अलग होने लगे आंच से उतार लें। ड्रायफ्रूट्स से सजाकर गर्म-गर्म परोसें।

काजू-मक्खनवाला पनीर

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 40 ग्राम काजू का पेस्ट, 3 टेबलस्पून मगज पेस्ट (बाजार में उपलब्ध), 2 टीस्पून कसूरी मेथी, 2 टीस्पून मक्खन, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टेबलस्पून जीरा पाउडर, 1 टेबलस्पून गरम मसाला पाउडर, 20 मिली क्रीम + 10 मिली सजाने के लिए, 2 टेबलस्पून मक्खन, 400 ग्राम पनीर, चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ।

विधि

एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालें। अब काजू और मग़ज पेस्ट डालकर कुछ मिनट तक चलाएं। बचे हुए मसाले डालकर कुछ देर और चलाएं। 20 मिली क्रीम और मक्खन डालें। अच्छी तरह मिलाएं। सर्व करने से पहले पनीर के टुकड़े डालें। क्रीम से सजाएं और सर्व करें।

संपादकीय

ग्लोबल साउथ की आवाज

ग्लोबल साउथ की आवाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पर्यावरण संतुलित, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और सामाजिक रूप से एकजुट जीवन शैली को संरक्षित करने के लिए जी-20 के तहत एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार बनाने का प्रस्ताव रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे विषय पर आयोजित सत्र में कहा कि अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सयागत मूल्य, विशेष रूप से एकात्ममानववाद का सिद्धांत, आगे बढ़ाने का मार्ग प्रदान करता है। दरअसल जी-20 का 2023 का सम्मेलन जब नई दिल्ली में आयोजित हुआ तो भारत ने अफ्रीका संघ के सदस्य देशों को शामिल कर लिया। इससे हुआ यह कि जिन्हें कभी उम्मीद भी नहीं थी कि उन्हें इस मंच पर बैठने का सौभाग्य मिल पाएगा उनका यह सपना पूरा होने से भारत के प्रति एक उम्मीद दिखी। इस संगठन में दुनिया के समृद्ध देश तो पहले से ही शामिल थे अब ग्लोबल साउथ यानि विकासशील देश भी शामिल हो गए। सच तो यह है कि जिस वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा की कि अफ्रीकी देश और तमाम विकासशील देशों को जी-20 में सदस्यता मुहैया करा दी गई है, मंच पर मौजूद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन भौचक्का रह गए थे। चीन को इस बात की भनक पहले ही लग गई थी और चीन को इस बात का एहसास भी हो गया था कि अफ्रीकी देशों में कर्ज बांटकर ब्याज वसूलने के उसके धंधे पर प्रहार की स्थाई व्यवस्था कर दी भारत ने। निति रूप से विकसित देश कभी भी नहीं चाहते थे कि विकासशील देशों को कोई मंच मिले। इंदिरा जी ने बिखरे विकासशील देशों को 1980 में जब एकत्र करके गुटनिरपेक्ष आंदोलन का मंच बनाया तो अमेरिका और उसके मित्र देशों को लगा कि अब तो तीसरी दुनिया का नेता बनना चाहता है भारत। वास्तविकता यह है भारत सदियों से लोकतांत्रिक चेतना का जागृत स्वरूप है। भारत कभी भी न तो किसी देश की दादागिरी बर्दाश्त करता और न तो ऐसे किसी विश्व व्यवस्था को स्वीकार करता जिसमें असमानता के भाव का संस्थाकरण हो। पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने भी वसुधैव कुटुम्बकम की बात की और नासिर व टीटो के साथ मिलकर विश्व की महाशक्तियों के एकाधिकारवादी नीतियों का जमकर विरोध करते थे। वैदेशिक नीतियों में भारत के किसी भी नेता का कोई मतभेद नहीं रहा। अटल जी और नरेन्द्र मोदी भी उन्हीं का अनुसरण कर रहे हैं। आज विश्व व्यवस्था बड़ी तेजी से बदल रही है। कोई भी देश किसी दूसरे देश के साथ सहयोग से रहेगा तो दोनों का विकास होगा किन्तु यदि चाहे कि धमका कर यह सब कुछ करवा ले जो उसके पक्ष में हो, यह संभव नहीं है। जी-20 में विकासशील देशों के शामिल होने का मतलब है कि सदस्य देश अब सही मायने में समावेशीकरण की बात करेंगे। सच तो यह है कि वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दे पर चर्चा करने के लिए दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का यह समूह विश्व की लगभग 85 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद यानि जीडीपी, 75 प्रतिशत से अधिक वैश्विक व्यापार और दो तिहाई जनसंख्या शामिल है। बहरहाल भारत का मान बढ़े और विश्व में शांति रहे, कोई किसी को धमकाए नहीं, यदि कोई किसी देश के खिलाफ भेदभाव पूर्ण अपनी नीतियों को थोपता है तो वह उस देशवासियों के प्राति शोषण का अपराध करता है। जी-20 में जब इस तरह के विमर्श बनेंगे जाहिर सी बात है कि जी-20 का चरित्र और ज्यादा लोकतांत्रिक बनेगा और विश्व की लगभग 6 अरब जनता की आवाज बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे विषय पर आयोजित सत्र में कहा कि अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सयागत मूल्य, विशेष रूप से एकात्ममानववाद का सिद्धांत, आगे बढ़ाने का मार्ग प्रदान करता है। दरअसल जी-20 का 2023 का सम्मेलन जब नई दिल्ली में आयोजित हुआ तो भारत ने अफ्रीका संघ के सदस्य देशों को शामिल कर लिया। इससे हुआ यह कि जिन्हें कभी उम्मीद भी नहीं थी कि उन्हें इस मंच पर बैठने का सौभाग्य मिल पाएगा उनका यह सपना पूरा होने से भारत के प्रति एक उम्मीद दिखी। इस संगठन में दुनिया के समृद्ध देश तो पहले से ही शामिल थे अब ग्लोबल साउथ यानि विकासशील देश भी शामिल हो गए। सच तो यह है कि जिस वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा की कि अफ्रीकी देश और तमाम विकासशील देशों को जी-20 में सदस्यता मुहैया करा दी गई है, मंच पर मौजूद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन भौचक्का रह गए थे। चीन को इस बात की भनक पहले ही लग गई थी और चीन को इस बात का एहसास भी हो गया था कि अफ्रीकी देशों में कर्ज बांटकर ब्याज वसूलने के उसके धंधे पर प्रहार की स्थाई व्यवस्था कर दी भारत ने। निति रूप से विकसित देश कभी भी नहीं चाहते थे कि विकासशील देशों को कोई मंच मिले। इंदिरा जी ने बिखरे विकासशील देशों को 1980 में जब एकत्र करके गुटनिरपेक्ष आंदोलन का मंच बनाया तो अमेरिका और उसके मित्र देशों को लगा कि अब तो तीसरी दुनिया का नेता बनना चाहता है भारत। वास्तविकता यह है भारत सदियों से लोकतांत्रिक चेतना का जागृत स्वरूप है।

कुछ अलग

सम्यक् बोध का जीवन

दुःख -नाश के लिए राजकुमार सिद्धार्थ ने कठोर तपस्या का मार्ग चुना। कई दिनों तक अनशन करने के कारण उनकी काया अत्यधिक कृश हो गई थी। सुजाता नाम की एक ग्रामबाला नित्य उनके लिए कुछ खाद्य पदार्थ तैयार करके लाया करती थी, परंतु राजकुमार ने कभी उस खीर की ओर देखा भी नहीं। एक दिन पूर्णिमा के अवसर पर भी सुजाता खीर लेकर आई, लेकिन राजकुमार मौन बैठे रहे। इसी बीच, पांच-सात ग्रामबालाएं एक लोकगीत गाती हुई वहां से निकलीं, जिसका आशय था : 'वीणा के तार को न इतना खींचो कि वह टूट जाए और न इतना ढीला छोड़ो कि वह बजे ही नहीं।' यह गीत सुनकर राजकुमार ने जीवन के अनुभव पर विचार किया और उन्हें यह समझ में आया कि वे जीवन की वीणा के तार को अत्यधिक कस रहे हैं, जिससे वह नष्ट हो सकता है। यह विचार उनके मन में गहरे रूप से बसा, और उन्होंने निर्णय लिया कि शरीर की रक्षा के लिए उन्हें कुछ अधिक संतुलित और मध्यम मार्ग अपनाना चाहिए। उसी दिन से उन्होंने सुजाता द्वारा लाई हुई खीर को ग्रहण किया। सम्यक् बोध प्राप्त करने के बाद, वे सम्पूर्ण ज्ञान के साथ बुद्ध बने और 'मध्यम मार्ग' को उपास्य मानते हुए जीवन को अपनाया।

बिहार राज्य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीदियां स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं

बिहार विधान सभा चुनाव दे रहे हैं कुछ संकेत

प्रहलाद सबनानी

बिहार राज्य की विधान सभा के चुनाव परिणाम आ गए हैं एवं भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। कुल 243 विधायकों में से एनडीए गठबंधन के 202 प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधायक बन गए हैं। विधान सभा स्तर के किसी भी चुनाव में सामान्यत : राज्य स्तर की स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर ही राज्य के नागरिक अपना वोट देते हैं। परंतु, हाल ही के समय में कई राज्यों के चुनावों में स्थानीय नागरिकों के बीच यह प्रवृत्ति घर करती जा रही है कि जो राष्ट्रीय अथवा स्थानीय दल उन्हें मुफ्त की आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत कर रिझाने का प्रयास करता है, उस दल को उस राज्य में अधिक सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है। इस प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत दिल्ली राज्य में वर्ष 2013 में सम्पन्न हुए राज्य विधानसभा के चुनावों में, केवल एक वर्ष पूर्व गठित नए दल, आम आदमी पार्टी के इस विधान सभा चुनाव में 28 सीटों की जीत पर दिखाई दिया था।

हाल ही में सम्पन्न हुए बिहार राज्य की विधान सभा के चुनाव परिणाम आ गए हैं एवं भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। कुल 243 विधायकों में से एनडीए गठबंधन के 202 प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधायक बन गए हैं। विधान सभा स्तर के किसी भी चुनाव में सामान्यतः राज्य स्तर की स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर ही राज्य के नागरिक अपना वोट देते हैं। परंतु, हाल ही के समय में कई राज्यों के चुनावों में स्थानीय नागरिकों के बीच यह प्रवृत्ति घर करती जा रही है कि जो राष्ट्रीय अथवा स्थानीय दल उन्हें मुफ्त की आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत कर रिझाने का प्रयास करता है, उस दल को उस राज्य में अधिक सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है। इस प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत दिल्ली राज्य में वर्ष 2013 में सम्पन्न हुए राज्य विधानसभा के चुनावों में, केवल एक वर्ष पूर्व गठित नए दल, आम आदमी पार्टी के इस विधान सभा चुनाव में 28 सीटों की जीत पर दिखाई दिया था। उस समय आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के समर्थन से अपनी सरकार बनाई थी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली निवासियों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का वायदा इन चुनावों के दौरान किया था, जिसे बाद में पूरा भी किया गया था। इसके बाद तो दिल्ली विधान सभा चुनाव में वर्ष 2025 तक आम आदमी पार्टी का ही लगभग पूर्ण कब्जा रहा, क्योंकि मुफ्त में प्रदान की जाने वाली इसी प्रकार की कुछ और घोषणाओं को भी आम आदमी पार्टी समय समय पर लागू करती रही और दिल्ली के पढ़े लिखे नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रही। हालांकि, इस बीच दिल्ली की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती रही और दिल्ली का "बचत का बजट" – "घाटे के बजट" में परिवर्तित हो गया था। इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई। बाद में जब पुरानी पेंशन योजना को हिमाचल प्रदेश में लागू किया गया तो हिमाचल प्रदेश के पहिले से ही दबाव में चल रहे बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ा एवं राज्य की आर्थिक स्थिति लगभग पूर्णतः डावांडोल हो गई है एवं राज्य को अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान करने एवं राज्य के सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है। इसी चलन को कायम रखते हुए हाल ही में सम्पन्न बिहार राज्य में भी विधान सभा चुनाव के समय नीतीश कुमार की राज्य सरकार ने राज्य की 1.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपए की राशि सीधे जमा करवाई है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की घोषणा 29 अगस्त 2025 को की गई थी एवं केवल एक माह के अंदर इस योजना को लागू कर दिया गया तथा राज्य की महिलाओं के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित कर दी गई। हालांकि, राज्य में

लागू की गई इस योजना को महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी पहल के रूप में देखा गया क्योंकि राज्य सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित करना था। ऐसा बताया गया है कि राज्य की कुछ महिलाओं ने इस राशि से अपनी छोटी छोटी उत्पादन इकाईयों को प्रारम्भ करने में सफलता पाई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बिहार सरकार उन महिलाओं को रुपए 2 लाख तक की सहायता राशि उपलब्ध कराएगी जिनका व्यवसाय सफल रहेगा, इस छोटे निवेश से पूरा परिवार लाभान्वित होगा। बिहार राज्य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीदियां स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं। आज देश के सबसे बड़े राज्यों में बिहार राज्य में गरीब वर्ग के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं बिहार राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से सबसे अधिक पलायन करते हुए दिखाई देते हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य की भी लगभग यही स्थिति थी, परंतु, हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य में रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित हुए हैं जिससे इस राज्य में नागरिकों का रोजगार के लिए पलायन रुका है। यदि बिहार राज्य भी अपने नागरिकों का पलायन रोकने में सफल रहता है एवं अपने राज्य के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में सफलता प्राप्त करता है तो यह देश के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगा। परंतु, लाख टके का प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार की आर्थिक स्थिति उक्त प्रकार की योजनाओं को चलाने की स्थिति में है? इसी प्रकार, मध्य प्रदेश राज्य भी लाड़ली बहिना योजना को लागू कर चुका है एवं इसी तर्ज पर हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, आदि राज्यों में भी नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं प्रारम्भ की गई। तमिलनाडु में तो मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने का पुराना इतिहास रहा है। कुछ राज्यों में तो टीवी, लैपटॉप, स्कूटी, साइकल, आदि जैसे महंगे उत्पाद भी चुनावों के समस्त राज्य के नागरिकों को मुफ्त में उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों द्वारा यदि चुनाव जीतने के लिए राज्य के नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का क्रम यदि जारी रहता है तो यह प्रचलन इन राज्यों एवं देश के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं। अब यदि चुनाव जीतने के लिए विभिन्न राज्य सरकारें क्या इसी तरह की योजनाओं को लागू करती रहेंगी। यदि हां, तो इन राज्यों को अपने दिवालिया होने के लिए बहुत लम्बा इन्तजार नहीं करना होगा। क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विशेष रूप से पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यदि समय पर इन राज्यों के आर्थिक ढांचे को सुधारने के प्रयास नहीं किया गए तो यह राज्य दिवालिया होने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा सहायता की राशि उपलब्ध कराकर कई राज्यों की वित्तीय कठिनाईयों को हल करने का प्रयास किया जाता है परंतु, केंद्र सरकार भी लम्बे समय तक यह कार्य नहीं कर सकती है क्योंकि अंततः इससे केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी दबाव बनता है। विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समस्त परिवारों को 300/400 यूनिट बिजली मुफ़्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं।

देश दुनिया से

अपराध के अनुपात से ज्यादा सजा अनुचित और अनैतिक

बसंत वुमार प्रायः हम सुनते रहते हैं कि जस्टिस डिलेयड इस जस्टिस डिनाइड, पर जब एक व्यक्ति को मात्र 100 रूपये की रिश्वत के आरोप में लगातार 39 वर्षों तक यातनाएं झेलनी पड़े और 39 वर्षो की कानूनी लड़ाईं के बाद 84 वर्ष की आयु में न्याय मिले तो प्रश्न यह उठता है कि क्या अब हमारी न्यायिक प्रणाली पर विचार किया जाना चाहिए, अभी एक मामले में एक सरकारी कर्मचारी को 1986 में 100 रुपए की रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया गया, एक साल की सजा हुईं, 15 साल निलंबित रहे फिर नौकरी से बर्खास्त कर दिए गए, समाज में रिश्वत खोर की जिल्लत झेली, दवा के अभाव में पत्नी की मृत्यु हो गईं परिवार बिखर गया और अब बाइज्जत बरी हो गए तो क्या कोईं भी न्यायालय उनके 39 वर्ष लौटा पाएगा इस परिप्रेक्ष्य में हमारे न्यायालयों की कार्यं प्रणाली पर चर्चा करना जरूरी हो जाता है। अविभाजित मध्य प्रदेश के स्टेट रॉड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन में लिपिक के रूप में काम करने वाले जागेश्वर प्रसाद अवधिया को 1986 में मात्र 100 रु. रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था, अब उन्हें 39 वर्ष की कानूनी लड़ाईं के बाइज्ज बरी कर दिया गया है। 84 वर्ष की आयु में न्यायाल से मिली इस राहत पर जागेश्वर प्रसाद अवधिया कहते हैं कि अब मेरे लिए इस पैसले का कोईं महत्व नहीं रह गया है। इस केस के कारण मुझे जेल हुईं, नौकरी चली गईं समाज ने मेरा बहिष्कार कर दिया, बच्चों की पढ़ाईं छूट गईं, बच्चों की शादी नहीं कर पाया, इलाज के अभाव में मेरी पत्नी की मौत हो गईं अब बस मै अकेला बचा हू। क्या इस पैसले के बाद कोईं मेरे बीते हुए दिन लौटा सकता है। जब मैं चिल्ला चिल्लाने कर कहता था कि मैं बेकसूर हूं मुझे साजिश के तहत पंसाया गया है पर कोईं विश्वास नहीं करता था। जागेश्वर के 52 वषाय बेटे नीरज ने बताया कि मेरी उम्र 13वर्ष थी हमें यह पता नहीं था कि रिश्वत क्या होती है लेकिन लोग मुझे कहते थे कि रिश्वत खोर का बेटा है बच्चे चिढ़ाते थे और स्वूल में कोईं बच्चा हमसे कोईं दोस्ती नहीं करना चाहता था, मोहल्ले में हमारे लिए लोगो के दरवाजे बंद हो गए और रिश्तेदारों ने संपर्व बंद कर दिया था हमें दुख है कि जब पिताजी गिरफ्तार हुए मै 13 वर्ष का था पर पिताजी की लड़ाईं में हमारा सारा बचपन अदालत की सीढ़ियों में छूट गया। 1986 में जागेश्वर की गिरफ्तारी के दो वर्ष बाद 1988 में अदालत में चार्ज शीट दाखिल होते ही उसे नौकरी से निलंबित कर दिया गया और वे दशकों तक निलंबित रहे और 50™ गुजारा भत्ता से उनका गुजारा मुश्किल हो गया था, इलाज के अभाव में उनकी पत्नी की मृत्यु हो गईं, एक एक करके उसके चारों बच्चों की पढ़ाईं छूट गईं, 16 वर्ष के ट्रायल के बाद वर्ष 2004 में ट्रायल कोर्ट ने उन्हें दोषी करार कर दिया परिणाम यह हुआ कि ट्रायल कोर्ट के पैसले के विरुद्ध उनकी अपील पर पैसला आने से पहले ही उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया और सरकारी मकान खाली कराने के साथ साथ सरकारी चिकित्सा सुविधाएं भी बंद कर दी गईं। यह मामला सिर्प जगेश्वर का ही नहीं है यह हाल छोटे मोटे आरोपों में पकड़े गए सभी निम्न कोटि के कर्मचारियों का है। जागेश्वर प्रसाद की कहानी सिर्प एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं है अपितु यह हमारी न्याय व्यवस्था के उस चेहरे को उजागर करती है जो न्याय की देरी को अन्याय मानता है, किसी की जवानी अदालत में गुजर जाती है और जब पैसला आती है तब तक उसका सब वुछ समाप्त हो चुका होता है। अदालतों में ट्रायल 20 वर्ष और अपीलीय न्यायालय में अगले 20 वर्ष लग जाते हैं तो व्यक्ति के जीवन के कितने वर्ष बचते ही है यह विचारणीय प्रश्न है। वुछ वर्ष पूर्व एक खबर छपी थी कि उत्तर प्रदेश के हरदोईं जिले में लखन पासी नाम के व्यक्ति को एक मामले में 48 साल जेल में रहने के बाद 104 वर्ष की आयु में न्यायाल द्वारा बाईंज्जत बरी किया गया इस प्रकार के निर्णय भारत के कछुए की चाल चलने वाले न्यायिक प्रणाली की कहानी कहते हैं। देश में हर समय चुनाव होते रहते हैं और चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक दल तरह तरह की लुभावनी घोषणाएं करते हैं कि हम सत्ता में आए तो ये करेंगे कोईं लाडली बहना के नाम पर पैसे बांटता है पर कोईं अपनी लाडली बहना के उस तकलीफ की ओर ध्यान नहीं देता जहां उनके शौहर, बेटे बिना कसूर के जेलो में सड़ रहे है या वर्षो तक अदालतों के चक्कर लगा रहे हैं और महिलाएं ही घर और बच्चों की शिक्षा का बोझ उठा रही हैं। कोईं भी राजनीतिक दल इन असहाय गरीबों विषय में कभी आवाज नहीं उठाता, वास्तविकता यह है कि भारत में न्याय पाना तो बड़े धनाढा लोगों का ही एकाधिकार रह गया है। अगर किसी गरीब या छोटे व्यक्ति ने अज्ञानता वश या मजबूरी में कोईं छोटा मोटा अपराध कर लिया तो उसकी पूरी उम्र जेल की सलाखों या फिर अदालतों का चक्कर लगाते लगाते कट जाएगी। पर बड़े लोगों के लिए तो यह कहावत चरितार्थ होती है जहां पैसे के लिए अपराध करो और पकड़े जाओ तो पैसे देकर छूट जाओ। उनके लिए अपराध करना और बेल मिलना मानो रोज की दिनचर्यां है पर जब एक गरीब से अपराध हो जाए तो उसका ये जन्म इसी को निपटाने में निकल जायेगा। सरकार ने सरकारी कार्यांलयों में भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट बनाया और सरकारी कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार की जांच के लिए सी बी आईं जैसी जांच एजेंसी बनाईं, पर दुर्भाग्य से दोनों को अस्तित्व में लाने का मकसद पूरा नहीं हुआ, प्रिवेंशन ऑफ करप्शन की जद में छोटे मोटे कर्मचारी व अधिकारी आते है क्योंकि बड़े अधिकारी तो पैसे के बल पर बड़े से बड़ा वकील करके या फिर जजों से सेटिग करके छूट जाते है, जहां भ्रष्टाचार में आरोपित छोटे कर्मचारी न्याय की आस में तीस-तीस साल तक कोर्ट का चक्कर लगाते लगाते भगवान को प्यारे हो जाते है वहीं बड़े आरोपियों केसीनियर वकील मेंशन करके घंटों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में केस लिस्ट करवा लेते हैं। सब को याद होगा कि फिल्म अभिनेता सलमान खान को ब्लैक बक मामले में हाईं कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद मात्र वुछ घंटे में सर्वोच्च न्यायालय में बेल मिल गईं थी, जहां तक सी बी आईं की बात है तो उसे सर्वोच्च न्यायालय के एक जज ने पैरट इन ए केज कह दिया था। सीबीआईं के पूर्व निदेशक जोगिंदर सिह ने सीबीआईं की जांच के बारे में अपनी किताब में लिखा था कि सीबीआईं की जांच में सिर्प छोटी मछली आती है जब इसमें किसी बड़ी मछली के पकड़े जाने का अंदेशा होता है तो जांच की दिशा दूसरी तरफ मोड़ दी जाती है। रायपुर के जागेश्वर प्रसाद का मामला यह बताता है कि 100 रुपए की रिश्वत के आरोप में उनका गिरफ्तार होना और उनको साल दो साल की सजा होना तो ठीक है पर उसका 15 साल तक सस्पेंड रहना फिर नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाना और वर्षो तक रिश्वत खोर के विशेषण के साथ समाज के सामने जिल्लत उठाना कहा तक सही है अब समय आ गया है कि सरकार और सर्वोच्च न्यायालय किसी भी आरोप में पकड़े गए आरोपी के विरूद्ध न्यायिक प्रव्रिया उन धाराओं जिससे उस पर मुकदमा चल रहा है।

आप का नजरिया

त्रासदी की जवाबदेही

यह खबर विचलित करने वाली है कि दिल्ली में एक सोलह वर्षीय छात्र और जयपुर में एक नौ साल की छात्रा ने स्कूल की असहज स्थितियों के चलते आत्महत्या कर ली है। निस्संदेह, ये आत्महत्या की घटनाएं एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती हैं। भारत के स्कूल, जिनका उद्देश्य बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करना है, तेज़ी से ऐसे स्थानों में बदल रहे हैं जहां क्रूरता, उपेक्षा और अनियंत्रित अधिकार बच्चों के जीवन को बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां कोई असामान्य बात नहीं हैं; ये एक असफल व्यवस्था के लक्षण हैं। तीसरी भयावह घटना महाराष्ट्र के वसई की है जहां एक तेरह साल की छात्रा को किसी कारणवश स्कूल देर से पहुंचने पर शिक्षक ने अमानवीय सजा दी। छात्रा को स्कूल बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगाने को बाध्य किया गया। यह तथ्य नजरअंदाज करते हुए कि वह एनीमिया से पीड़ित है। छात्रा कुछ देर के बाद बेहोश हो गई और कालांतर में उसकी मौत हो गई। निस्संदेह, एक छात्र व एक छात्रा की आत्महत्या और महाराष्ट्र के वसई में छात्रा की उठक-बैठक लगाने से हुई मौत एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती है। स्कूल जिनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पालन-पोषण और सुरक्षा करना था, वे बच्चों के जीवन पर संकट की वजह बन रहे हैं। वहां शिक्षकों की संवेदनहीनता, उपेक्षा और सख्त व्यवहार कई बच्चों का जीवन बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां असामान्य बात नहीं, ये हमारी शिक्षा व्यवस्था की असफलता की कहानी कहती है। दिल्ली में, मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाने वाले किशोर ने अपने शिक्षकों के हाथों अपमान का हृदय विदारक वर्णन करते हुए एक पत्र छोड़ा है। उसके माता-पिता ने छात्र के उत्पीड़न का आरोप शिक्षकों पर लगाया है। उनका आरोप है कि उसे छोटी-छोटी बात पर डांटा गया, निष्कासन की धमकी दी गई और सहपाठियों के सामने मजाक उड़ाया गया। आत्महत्या करने वाले छात्र के अभिभावकों द्वारा प्राथमिकी में बताया गया कि छात्र ने मन में आने वाले आत्महत्या के विचार से काउंसलर को अवगत कराया था। लेकिन शिक्षकों ने न तो माता-पिता को सूचित किया और न ही उसे इस दिशा में सोचने से रोकने के लिये कोई सलाह दी गई। निश्चित रूप से जब कोई छात्र अपनी किसी गंभीर समस्या का जिक्र करता है तो ऐसे में उदासीनता हिंसा का एक रूप ही कही जाएगी। वहीं दूसरी ओर जयपुर में नौ वर्षीय छात्रा की मौत के मामले में सीबीएसई की जांच में संस्थागत उदासीनता का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि पिछले 18 महीने से छात्रा अन्य छात्राओं द्वारा परेशान की जा रही थी। जिस दिन छात्रा ने आत्महत्या की, उस दिन वह अपनी सहपाठियों द्वारा लिखी गई, अश्लील सामग्री से स्पष्ट रूप से व्यथित होकर 45 मिनट में पांच बार अपनी शिक्षिका के पास शिकायत लेकर गई थी। शिक्षिका ने उसकी दलीलों को खारिज कर दिया और उलटा उसे ही डांटा। निश्चित रूप से शिक्षिका ने छात्रा की देखभाल के अपने कर्तव्य का उल्लंघन किया। कमोबेश वसई की घटना भी शिक्षक की घोर संवेदनहीनता को ही दर्शाती है, जिसने एनीमिया से पीड़ित छात्रा से बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगवाई। हालांकि, शिक्षक को गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन छात्रा का जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। निश्चित रूप से तीन राज्यों में तीन विद्यार्थियों की मौत हमारी संवेदनहीन व्यवस्था को ही दर्शाती है। दरअसल, आज स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के लिये कारगर कानून के अलावा भावनात्मक संकट की रिपोर्टिंग अनिवार्य करने की जरूरत है। स्कूलों में प्रशिक्षित परामर्शदाता होने चाहिए। साथ ही किसी बच्चे के भावनात्मक व शारीरिक शोषण रोकने के लिये सख्त दंड की व्यवस्था भी होनी चाहिए। ताकि भविष्य में किसी संभावना का यूं दुखद अंत न हो। इक्कीसवीं सदी के बच्चे नये दौर में नये सपनों की उड़ान लिए हुए हैं, वे अपनी अस्मिता व सम्मान के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। एकाकी परिवार में वे मां-बाप के लाड-प्यार से पलते हैं। जब भी उनके अहम को ठेस लगती है वे असहज हो जाते हैं। ऐसे में शिक्षकों का सतर्क व संवेदनशील व्यवहार जरूरी है।

भारत के स्कूल, जिनका उद्देश्य बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करना है, तेज़ी से ऐसे स्थानों में बदल रहे हैं जहां क्रूरता, उपेक्षा और अनियंत्रित अधिकार बच्चों के जीवन को बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां कोई असामान्य बात नहीं हैं; ये एक असफल व्यवस्था के लक्षण हैं। तीसरी भयावह घटना महाराष्ट्र के वसई की है जहां एक तेरह साल की छात्रा को किसी कारणवश स्कूल देर से पहुंचने पर शिक्षक ने अमानवीय सजा दी। छात्रा को स्कूल बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगाने को बाध्य किया गया। यह तथ्य नजरअंदाज करते हुए कि वह एनीमिया से पीड़ित है। छात्रा कुछ देर के बाद बेहोश हो गई और कालांतर में उसकी मौत हो गई। निस्संदेह, एक छात्र व एक छात्रा की आत्महत्या और महाराष्ट्र के वसई में छात्रा की उठक-बैठक लगाने से हुई मौत एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती है। स्कूल जिनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पालन-पोषण और सुरक्षा करना था, वे बच्चों के जीवन पर संकट की वजह बन रहे हैं। वहां शिक्षकों की संवेदनहीनता, उपेक्षा और सख्त व्यवहार कई बच्चों का जीवन बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां असामान्य बात नहीं, ये हमारी शिक्षा व्यवस्था की असफलता की कहानी कहती है। दिल्ली में, मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाने वाले किशोर ने अपने शिक्षकों के हाथों अपमान का हृदय विदारक वर्णन करते हुए एक पत्र छोड़ा है। उसके माता-पिता ने छात्र के उत्पीड़न का आरोप शिक्षकों पर लगाया है।

दृष्टि कोण

एआई से मुकाबले के लिए जरूरी मानवीय क्षमताएं

आज हम ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन, कामकाज और सोचने के तरीके को बदल रही है। एआई आज हर क्षेत्र—शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, उद्योग, मीडिया—में अपनी पैठ बना चुकी है। जहां एक ओर यह तकनीक कार्यक्षमता बढ़ा रही है, वहीं दूसरी ओर यह चिंता भी बढ़ा रही है कि भविष्य में क्या मनुष्य के रोजगार छिन जाएंगे? यह सवाल बेहद प्रासंगिक है। क्या इंसान एआई से मुकाबला कर पाएगा? जवाब है—हां, बिल्कुल कर सकता है। लेकिन इसके लिए ज़रूरी है कि हम ऐसी क्षमताएं विकसित करें जिनकी बराबरी एआई कभी नहीं कर सके। एआई तेज़ी से डेटा को प्रोसेस कर सकता है, पैटर्न पहचान सकता है, और जटिल निर्णय भी ले सकता है। लेकिन यह एक सच्चाई है कि एआई में मानवीय भावनाएं, नैतिकता, रचनात्मकता और सहानुभूति नहीं होती। एआई 'सोचता' नहीं, बल्कि 'सीखाए गए पैटर्न' पर काम करता है। यह वही कर सकता है जो उसे सिखाया गया है; नई परिस्थितियों में मानवीय समझ या संवेदनशीलता नहीं दिखा सकता। इसलिए, भविष्य उन्हीं लोगों का होगा जो अपनी मानवीय क्षमताओं को निखारेंगे और तकनीक को अपना सहयोगी बनाएंगे, प्रतिस्पर्धी नहीं। एआई से आगे रहने के लिए विकसित की जाने वाली मुख्य क्षमताएं मानवीय पूंजी है। एआई के पास भावनाएं नहीं हैं, लेकिन इंसानों के पास यह सबसे बड़ी ताकत है। नेतृत्व, टीम वर्क, ग्राहक सेवा, या लोगों के साथ जुड़ने की क्षमता—ये सब भावनात्मक समझ से ही संभव हैं। अपनी सहानुभूति, संवाद शैली और दूसरों की भावनाओं को समझने की क्षमता को बढ़ाएं। भविष्य में जो व्यक्ति 'लोगों को समझना' जानता है, वही 'मशीनों को चलाना' भी बेहतर कर पाएगा। रचनात्मक सोच वह क्षेत्र है जहां एआई अभी भी पीछे है। एआई मौजूदा डेटा के आधार पर सुझाव देता है, लेकिन नई और मौलिक अवधारणा गढ़ने की क्षमता केवल मनुष्य के पास है। कलाकार, डिजाइनर, लेखक, उद्यमी और इनोवेटर—इन सभी को भविष्य में बड़ा स्थान मिलेगा। रचनात्मक

सोच का अभ्यास करें: पेंटिंग, कहानी लेखन, संगीत, डिजाइन थिंकिंग या किसी समस्या के नए समाधान निकालना। सिर्फ़ जानकारी याद कर लेना काफी नहीं है। ज़रूरी है सवाल करना, 'ये बात सच में सही है या नहीं? इसके पीछे कौन-सी धारणाएं छिपी हैं? इसका दूसरा पहलू क्या है?' मशीन आपको बहुत जवाब दे सकती है, लेकिन सही को चुनना और गहराई से समझना इंसान ही कर सकता है। आपके सामने कोई अख़बार की ख़बर आती है कि 'यह दवा हर बीमारी का इलाज है।' मशीन उस खबर को हज़ारों तरीकों से कॉपी कर सकती है, लेकिन एक इंसान ही यह सवाल पूछ सकता है, 'क्या यह सच है? इसके पीछे किसका लाभ छिपा है? क्या इसके प्रमाण हैं?' जैसे किसी समझदार किसान की तरह, जो बीज बोने से पहले मिट्टी को परखता है। वह आंख बंद करके नहीं बोता। उसी तरह, सोचने वाला इंसान भी हर बात को परखता है। यही आदत आपको धोखे से बचाती है और सच्चाई तक ले जाती है। जिम्मेदार और अनुशासन आदत है अपने वचन निभाने की। वह काम पूरा करना जो आपने तय किया, चाहे मन न हो, चाहे थकान हो। मशीन को मेहनत करने की ज़रूरत नहीं होती, लेकिन इंसान जब मुश्किल होने पर भी टिकता है, तभी असली ताक़त पैदा होती है। थॉमस एडिसन, बल्ब बनाने वाला वैज्ञानिक, उसने हज़ारों बार प्रयोग किया और असफल हुआ। अगर वह बीच में छोड़ देते तो आज अंधेरा ही रहता। एआई किसी समस्या का समाधान डेटा के आधार पर करता है, लेकिन जटिल मानवीय या सामाजिक समस्याओं का समाधान केवल इंसान ही सोच सकता है।

शिकागो लूप में दंगा, ट्रंप बोले– गवर्नर और मेयर का मदद लेने से इनकार

वाशिंगटन, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि शिकागो के लोग बढ़ते अपराध से परेशान हैं। वह डेमोक्रेट राज से आजिज आ चुके हैं और 'उनको (ट्रंप) 'लाने की मांगकर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डाउनटाउन सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट शिकागो लूप में दंगा भड़कने के बाद शुक्रवार को कम से कम छह किशोरों को गोली मार दी गई। इनमें से एक की मौत हो गई,और कई पुलिस ऑफिसर्स पर हमला किया गया। ट्रंप ने कहा कि हद तो यह है कि गवर्नर और मेयर संघीय सरकार की मदद लेने से मना कर रहे हैं।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पोस्ट में लिखा, 'शिकागो लूप एरिया में बड़े पैमाने पर दंगे हुए। कई पुलिस अधिकारियों पर हमला किया गया। हमले में पुलिस अपराधी घायल हुए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि 300 लोगों दंगा किया। इस दौरान छह लोगों को गोली लगी। एक की हालत गंभीर है और एक की मौत हो गई है।'

उन्होंने कहा, ' गवर्नर प्रिट्ज़कर और शिकागो के मंद बुद्धि वाले मेयर ब्रैंडन जॉनसन संघीय सरकार की मदद लेने से मना कर रहे हैं। लोग नारे लगा रहे हैं ट्रंप को लाओ।' फॉक्स की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिसमस ट्री लाइटिंग सेरेमनी के बाद दंगा शुक्रवार रात करीब 10 बजे स्टेट और रैंडोल्फ स्ट्रीट के पास शुरू हुआ। बुजुर्ग ब्रायन हॉपकिंस ने कहा कि कम से कम 300 नाबालिगों के हाथ में बंदूकें थीं। इन लोगों ने अधिकारियों पर हमला किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कम से कम छह बच्चों को गोली लगी।

ट्रंप ने कहा कि इलिनोइस के गवर्नर 'नाकाबिल' हैं, और शिकागो के मेयर को मदद के लिए उन्हें फोन करना चाहिए। बताते हैं कि गुरुवार को एक अपराधी ने शिकागो में ट्रेन में सफर कर रही एक महिला को आग लगा दी। दंगे की वजह इसी घटना को बताया जा रहा है। 50 वर्षीय लॉरेंस रीड पर महिला को आग लगाने का आरोप है। मेयर ब्रैंडन जॉनसन कहते हैं कि दंगों का इस घटना से संबंध नहीं है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपित रीड को 2017 से कम से कम एक दर्जन बार गिरफ्तार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में प्रसाई समर्थकों ने आंदोलन वापस लिया

काठमांडू। नेपाल में दुर्गा प्रसाई के राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म और संस्कृति बचाओ अभियान ने राजशाही की पुनर्स्थापना की मांग को लेकर से आहूत अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल को वापस ले ली। शनिवार रात वार्ता के बाद दोनों पक्षों में इस बात पर सहमति बनी कि मांगों के समर्थन में अगली वार्ता जल्द ही आयोजित की जाएगी। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार खनाल ने यह जानकारी दी। दुर्गा प्रसाई फिलहाल काठमांडू जिला पुलिस की हिरासत में हैं। बालुवाटार में सरकार के साथ हुई वार्ता के बाद अभियान के अन्य नेताओं ने आंदोलन वापस लेने पर सहमति जताई। वार्ता में सरकार की ओर से गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल, प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार अजयभद्र खनाल और सलाहकार गोविन्दनारायण तिमिल्सिना आदि उपस्थित रहे। खनाल ने बताया कि वार्ता में अभियान की 27 सूत्री मांगों पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता में अभियान की ओर से सचिव प्रेमदीप लिम्बु के नेतृत्व में एक टीम शामिल हुई। साथ में अधिवक्ता विनोदमणि भट्टराई, लवण न्यौपाने और डॉ. निरंजन प्रसाई भी उपस्थित रहे।

कुछ खास फलों का सेवन कर सुधार सकते हैं दिल की सेहत

वाशिंगटन। डॉक्टरों और न्यूट्रिशन विशेषज्ञों का मानना है कि दवाओं के साथ–साथ सही खान–पान भी कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेषकर कुछ फल ऐसे हैं, जिन्हें नियमित रूप से खाने पर खराब एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने और दिल को मजबूत रखने में काफी फायदा मिलता है। सबसे पहले बात करें सेब की। इसमें पाया जाने वाला पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। यह शरीर में मौजूद अतिरिक्त वसा को अवशोषित होने से रोकता है और पाचन को भी बेहतर बनाता है। रोजाना एक सेब का सेवन पेट भरा रखने के साथ वजन नियंत्रण में भी मदद करता है। इसी तरह अंगूर भी दिल के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। अंगूर में पाए जाने वाले पॉलीफेनॉल्स एलडीएल को ऑक्सीडाइज होने से बचाते हैं और धमनियों में प्लाक बनने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। इससे दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा काफी हद तक कम होता है। नींबू भी कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए एक प्रभावी फल माना जाता है। विटामिन सी और सिट्रिक एसिड से भरपूर नींबू शरीर में जमा वसा को कम करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ नींबू का सेवन लीवर को डिटॉक्स करता है और कोलेस्ट्रॉल स्तर को संतुलित बनाए रखता है। पपीता भी फाइबर से भरपूर होता है और इसमें मौजूद पपाइन एंज़ाइम पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हुए शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद करता है। संतरा भी ऐसा ही एक फल है, जिसमें सोल्यूबल फाइबर और फ्लैवोनॉयड्स पाए जाते हैं। ये तत्व न सिर्फ एलडीएल को कम करते हैं, बल्कि एचडीएल यानी अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में भी मदद करते हैं। संतरे का सेवन शरीर को ऊर्जा देता है और धमनियों में जमा वसा को घटाने में असरदार होता है। वहीं, अनानास में मौजूद ब्रोमेलिन वसा को तोड़ने में सहायक होता है।

जंक फूड से मस्तिष्क में होने लगते हैं बदलाव, नया अध्ययन दिखा रहा गंभीर खतरा

लंदन। एक नए वैज्ञानिक अध्ययन ने चेतावनी दी है कि अत्यधिक प्रोसेस्ड और जंक फूड का लगातार सेवन न सिर्फ शरीर, बल्कि मस्तिष्क पर भी गहरा प्रभाव डाल सकता है। ब्रिटेन में किए गए इस शोध में 30,000 वयस्कों का विश्लेषण किया गया, जिसमें यह सामने आया कि ऐसे खाद्य पदार्थ मस्तिष्क के उन हिस्सों में बदलाव ला सकते हैं, जो भूख, स्वाद और खाने से जुड़ी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं। अध्ययन के अनुसार पैकेज्ड स्नैक्स, इंस्टेंट नूडल्स, बिसकिट, सोडा, ऊर्जा पेय, प्रोसेस्ड मीट जैसे सॉसेज और नगेट्स तथा फ्रोजन रेडी–टू–ईट फूड्स जैसे अल्ट्रा–प्रोसेस्ड उत्पाद हाइपोथैलेमस, एमीग्डाला और न्यूक्लियस अक्कम्बेन्स जैसे महत्वपूर्ण हिस्सों पर असर डालते हैं। ये वही हिस्से हैं, जो शरीर को भूख लगने का संकेत देते हैं, तृप्ति का अहसास कराते हैं और खाने से जुड़ी भावनाओं को नियंत्रित करते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड में पाए जाने वाले रसायन, कृत्रिम स्वाद, प्रिजर्वेटिव और एडिटिव्स मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को धीरे–धीरे प्रभावित कर सकते हैं।

अमेरिका की वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को जन्मदिन पर युद्ध की चेतावनी देने की योजना, काराकस में गिराए जा सकते हैं पर्चे

वाशिंगटन, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। इस बार हालात बेहद गंभीर लग रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने शनिवार को वेनेजुएला की राजधानी काराकस पर युद्ध की चेतावनी संबंधी पर्चे गिराने की संभावना पर चर्चा की। अमेरिका वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि रविवार को मादुरो का 63वां जन्मदिन है। सभी चाहते हैं कि इसी अवसर पर काराकस में पर्चे गिराए जाएं।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में अमेरिका ने कई तरीकों से मादुरो पर दबाव बढ़ाया है। इलाके में बड़े पैमाने पर सेना की तैनाती की गई है। कैरिबियन और ईस्टर्न पैसिफिक में कथित ड्रग बोट्स पर हमले किए गए हैं। ट्रंप ने पिछले सोमवार को कहा था कि वेनेजुएला में अगर सैनिकों को भेजने की जरूरत होगी तो वह इसमें पीछे नहीं हटेंगे। इसके बाद मादुरो ने कहा था कि वह सामना करने के लिए तैयार हैं। पिछले महीने ट्रंप ने पुष्टि की थी उन्होंने सीआईए (सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी) को वेनेजुएला में जाकर गोपनीय अभियान शुरू करने की इजाजत दी है।

पेंटागन ने सितंबर की शुरुआत से अब तक कम से कम 21 हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 80 लोग मारे गए हैं। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा है कि ये हमले कार्टेल और ड्रग तस्करों पर किए गए। अभी इस इलाके में करीब 15,000 अमेरिकी सैनिक हैं। एक अधिकारी ने पिछले हफ्ते कहा था कि पश्चिमी अटलांटिक में अमेरिका के चार मिलिट्री जहाज हैं, जिनमें दुनिया का सबसे एडवांस्ड एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड और तीन गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर शामिल हैं। इस अधिकारी ने कहा कि कैरिबियन में सात और मिलिट्री जहाज हैं। प्यूर्टो रिको में भी कई दर्जन यूएस फाइटर जेट तैनात हैं।

साल 2013 से वेनेजुएला का नेतृत्व कर रहे मादुरो को उस समय वैश्विक आलोचना का सामना करना पड़ा, जब उन्होंने जुलाई 2024 के चुनाव में जीत का ऐलान किया। सनद रहे नतीजों में वह भारी मतों के अंतराल से अपने प्रतिद्वंद्वी से चुनाव हार गए थे। अमेरिका मादुरो को राष्ट्रपति के तौर पर मान्यता नहीं देता। ट्रंप प्रशासन का उन पर एक कार्टेल चलाने का आरोप है। अमेरिका उनकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले को 50 मिलियन डालर का इनाम देने की पेशकश कर चुका है।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच बढ़ते सैन्य और राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी फेडरल एविएशन प्रशासन ने वेनेजुएला के ऊपर उड़ान भरने को खतरनाक बताते हुए सावधानी बरतने की चेतावनी दी है। इस चेतावनी के तुरंत बाद तीन अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने शनिवार को वेनेजुएला से अपनी उड़ानें रद्द कर दीं। इससे संकेत मिलता है कि वेनेजुएला में अस्थिरता और तनाव बढ़ रहा है। मादुरो का कहना है कि अमेरिका उन्हें सत्ता से हटाना चाहता है और वेनेजुएला की जनता और सेना इसका जवाब देगी।

नेपाल : विवाह पंचमी महोत्सव में धनुष यज्ञ संपन्न, तिलकोत्सव की तैयारी

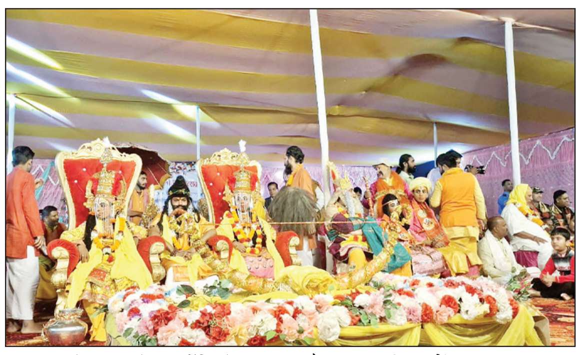

काठमांडू, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

जनकपुरधाम में जारी सप्ताह भर चलने वाले सीताराम विवाह पंचमी महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को धनुष यज्ञ का आयोजन किया गया। चौथे दिन तिलकोत्सव की तैयारी है। धार्मिक मान्यता के अनुसार त्रेता युग में भगवान श्रीराम ने धनुष यज्ञ में भाग लेते हुए वह शिव धनुष तोड़ा था, जिसे कोई भी उठाने में सक्षम नहीं था। इसके बाद ही मिथिला के राजा जनक की पुत्री सीता का विवाह भगवान राम से संपन्न हुआ था।

इसी मान्यता के आधार पर शनिवार रात विवाह पंचमी के तीसरे दिन जनकपुर के ऐतिहासिक रंगभूमि मैदान, बाह्रबिघा में धनुष यज्ञ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान राम के स्वरूप में सजे बालकों द्वारा धनुष भंग कर धनुष यज्ञ की परंपरा निभाई गई।

रामायण के वर्णन अनुसार, त्रेता युग में राजा जनक को यह शिवधनुष भगवान परशुराम ने प्रदान किया था। राजा जनक ने यह संकल्प लिया था कि जो पुरुष इस धनुष को उठा सकेगा, उसी के साथ वे अपनी पुत्री सीता का विवाह करेंगे। कहा जाता है कि कोई भी इस धनुष को हिला तक नहीं सका लेकिन अयोध्या से आए भगवान राम ने इसे उठाया और धनुष टूट गया। इसके बाद राम–सीता का विवाह संपन्न हुआ, ऐसी धार्मिक आस्था रही है।

सप्ताहव्यापी विवाह पंचमी महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को फूलबारी लीला मनाई गई थी, जबकि पहले दिन गुरुवार को नगरदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

चौथे दिन तिलकोत्सव होगा। पाँचवें दिन सोमवार को राम और जानकी की मटकोर, छठे दिन मंगलवार को मुख्य विवाह दिवस–विवाह पंचमी और सातवें दिन बुधवार को रामकलेवा के साथ विधिवत रूप से महोत्सव का समापन किया जाएगा।

पाकिस्तान के पंजाब में 13 सीटों पर उपचुनाव, 20 हजार जवान तैनात

लाहौर (पंजाब) पाकिस्तान। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में होने वाले उपचुनाव के मद्देनजर सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया गया है। पुलिस ने छह नेशनल असेंबली और सात पंजाब असेंबली सीटों पर होने वाले मतदान के लिए 20 हजार से ज्यादा जवान तैनात किए हैं। संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों के आसपास सुरक्षा का कड़ा घेरा तैयार किया गया है। दुनिया न्यूज और एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव ड्यूटी में 20,000 से ज्यादा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक डॉ. उस्मान अनवर ने कहा कि पंजाब पुलिस मतदाताओं को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि 2,792 मतदान केंद्रों में 408 सर्वाधिक संवेदनशील और 1,032 को संवेदनशील घोषित किया गया है। इन पर खास निगरानी रखी जाएगी। चुनाव अधिकारियों का कहना है कि नेशनल असंबेली–18 हरिपुर, फैसलाबाद की दो सीटें (नेशनल असंबेली–104 और नेशनल असंबेली–96), नेशनल असंबेली–129 लाहौर, नेशनल असंबेली–143 सरगोधा, और नेशनल असंबेली–185 डेरा गाजी खान के अलावा प्रांतीय असेंबली की की सात सीटों पीपी–203 साहीवाल और पीपी–269 मुजफ्फरगढ़, पीपी –73 सरगोधा, पीपी–87 मियांवाली, और फैसलाबाद की तीन सीटें पीपी–15,पीपी–98, और पीपी–116 में मतदान की पूरी तैयारी कर ली गई है।

प्रधानमंत्री मोदी का जलवायु परिवर्तन पर विश्व से मजबूत सहयोग का आह्वान

जोहान्सबर्ग, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां जी–20 शिखर सम्मेलन के दूसरे सत्र में जलवायु परिवर्तन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि आपदा की तैयारी और उसका सामना करने के लिए विश्व को मजबूत सहयोग के साथ हाथ बढ़ाना चाहिए।

प्रधानमंत्री के आधिकारिक एक्स हैंडल पर यह जानकारी दी गई। उन्होंने आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर सारी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, '' जोहान्सबर्ग में जी–20 सम्मेलन के दूसरे सत्र में आपदाओं और जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एक मजबूत दुनिया बनाने और एनर्जी ट्रांज़िशन पक्का करने पर फोकस किया गया। यह मजबूत खाद्यान योजना के साथ–साथ जरूरी भी हों। भारत इन सभी मोर्चों पर सक्रियता से काम कर रहा है और एक ऐसा भविष्य बना रहा है जो इंसानों पर केंद्रित और सबको साथ लेकर चलने वाला हो।'' प्रधानमंत्री मोदी ने जी–20 के नेताओं को याद दिलाया कि भारत ने 2023 इस संगठन की अध्यक्षता के दौरान डिजास्टर रिस्क रिडक्शन वर्किंग ग्रुप बनाया था। उन्होंने कहा कि भारत ने इस मसले को प्राथमिकता देने के लिए दक्षिण अफ्रीका की तारीफ की थी। मोदी ने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं इंसानियत के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। इनसे निपटने के लिए वैश्विक सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि वक्त आ गया है कि अंतरिक्ष तकनीक मनुष्यता के काम आए। प्रधानमंत्री ने जी–20 ओपन सैटेलाइट डेटा पार्टनरशिप का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने विकसित देशों से समय पर सस्ती दर पर जलवायु परिवर्तन के लिए आर्थिक सहयोग देने का भी आह्वान किया। उन्होंने नई दिल्ली में तय हुए डेक्कन प्रिंसिपल्स के आधार पर एक जी–20 रोडमैप बनाने की भी अपील की।

मोसाद का दावा: बड़ी तैयारी कर रहा हमास, कमांड मिलते ही कभी भी कर सकता है धमाका

तेलअवीव, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

इजराइल की खुफिया सेवा मोसाद ने बड़ा दावा किया है। ऐजेंसी का कहना है कि हमास यूरोप में गुप्त सेल्स के माध्यम से एक ऑपरेशनल नेटवर्क तैयार कर रहा है। जो कमांड मिलते ही कभी भी धमाका करने की क्षमता रखेगा। जर्मनी और ऑस्ट्रिया जैसे देशों में संयुक्त कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और नागरिकों के खिलाफ कमांड पर उपयोग के लिए तैयार किए गए हथियारों के जखीरे को जब्त किया गया।मोसाद ने कहा कि यूरोपीय सुरक्षा सेवाओं के साथ सहयोग के चलते हथियारों की खोज हुई है, संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है और कई नियोजित हमलों को रोका गया है। मोसाद के बयान के अनुसार, यूरोपीय सहयोगियों ने इजरायली और यहूदी समुदायों को निशाना बनाने की साजिशों को विफल करने में मदद की।जांच एजेंसियों को एक प्रमुख सफलता पिछले सितंबर में वियना में मिली। मोसाद ने जोर दिया कि हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमले के बाद अपनी विदेशी गतिविधियों को तेज कर दिया है, जो ईरान और उसके प्रॉक्सी द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीतियों के समान, विदेशों में गुप्त सेल और परिचालन क्षमताएं बनाने की कोशिश कर रहा है। मोसाद ने कहा कि वह वर्तमान में दुनिया भर में दर्जनों हमलावर साजिशों को विफल करने के लिए काम कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायली और यहूदी समुदायों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। ऑस्ट्रिया की डीएसएन सुरक्षा सेवा को हैंडगन और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे हुए मिली, जिसे बाद में हमास राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी बासेम नईम के बेटे मोहम्मद नईम से जोड़ा गया। मोसाद ने हमास के विदेशी नेतृत्व पर चुपचाप इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया। मोसाद ने कहा, संगठन के कतर स्थित नेतृत्व का आतंकी ऑपरेशनों को आगे बढ़ाने में शामिल होना पहली बार सामने नहीं आया है। मोसाद ने सितंबर में मोहम्मद नईम और उसके पिता बासेम नईम के बीच कतर में हुई मुलाकात का भी जिक्र किया, जो यूरोप में हमास के औपचारिक समर्थन को दर्शाता है। जांचकर्ता तुर्की से काम कर रहे हमास–समर्थित व्यक्तियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जर्मन अधिकारियों ने नवंबर में बुरहान अल–खतीब को गिरफ्तार किया।

अधिकारियों का कहना है कि वह पहले तुर्की में सक्रिय था। मोसाद ने चेतावनी दी कि वरिष्ठ नेताओं द्वारा चल रहे इनकार दुष्ट गुर्गों पर नेतृत्व के नियंत्रण खोने का संकेत दे सकते हैं। यूरोपीय खुफिया सेवाओं ने अब सीधे सुरक्षा हस्तक्षेपों से परे कार्रवाई का विस्तार किया है। जर्मनी में अधिकारियों ने फंड जुटाने या चरमपंथी विचारधारा फैलाने में हमास की मदद करने वाली चैरिटी और धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाया है, उन्हें महाद्वीप पर संगठन के बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

जनवरी में फाइनल होगी टी20 विश्व कप 2026 की भारतीय टीम, अफ्रीका सीरीज चयन के लिए आखिरी मौका

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम का चयन जनवरी में लगभग तय हो जाएगा। बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज और आगामी विश्व कप के लिए लगभग एक जैसी टीम चुन सकती है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आईसीसी नियमों के तहत किसी भी टीम को टूर्नामेंट शुरू होने से एक महीने पहले अंतिम 15 खिलाड़ियों की सूची भेजनी होती है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन यह टूर्नामेंट सात फरवरी से शुरू होना तय माना जा रहा है। ऐसे में जनवरी में चुनी गई टीम ही भारत की विश्व कप स्क्वॉड का आधार होगी। यदि जरूरत पड़ी तो समयसीमा के भीतर अंतिम बदलाव किए जा सकते हैं।

भारत को विश्व कप से पहले केवल 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं, इसलिए चयनकर्ता टीम में बड़े बदलाव करने के मूड में नहीं हैं, बशर्ते कोई खिलाड़ी चोटिल न हो। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी, जबकि बाकी मैच रायपुर (23 जनवरी), गुवाहाटी (25 जनवरी), विशाखापत्तनम (28 जनवरी) और त्रिवेंद्रम (31 जनवरी) में खेले जाएंगे। यह सीरीज विश्व कप से पहले टीम इंडिया की आखिरी टी20 चुनौती होगी।

इससे पहले भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 9 दिसंबर से 19 दिसंबर तक खेले जाएगी। पहला मुकाबला कटक में आयोजित होगा। यह श्रृंखला भी चयन प्रक्रिया का अहम हिस्सा है, क्योंकि कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव कुछ खिलाड़ियों को परखने का अंतिम मौका यही पर पाएंगे। दोनों के लिए यह सीरीज विश्व कप की तैयारी और अंतिम टीम संरचना तय करने का 'ड्रेस रिहर्सल' मानी जा रही है। वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित 2024 विश्व कप में रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब जीतने के बाद अब भारत का लक्ष्य 2026 में घर में ट्रॉफी बरकरार रखने का होगा। भारत और श्रीलंका इस टूर्नामेंट की संयुक्त मेजबानी करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

एशेज सीरीज : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को जीत के बाद भी करोड़ों का नुकसान हुआ, रिकार्ड संख्या में दर्शक पहुंचे थे

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया ने एशेज के पहले टेस्ट में इंग्लैंड को दो दिनों में ही हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इस मैच में जीत के बाद भी ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड को करोड़ों का नुकसान हो गया। इस नुकसान का कारण बने ट्रेविस हैड। हैड की आक्रामक पारी से ही मैच पूरे पांच दिन नहीं चला और इस कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को काफी नुकसान हुआ है।सीए को दो दिन के अंदर ही कई लाखों डॉलर का नुकसान हुआ है। पर्थ टेस्ट के सभी पांच दिनों की टिकटें पहले ही बिक गयी थीं। अब सीए को तीन दिनों के टिकट गे पैसे दर्शकों को लौटाने होंगे। इस तरह सीए को तीसरे और चौथे दिन टिकट से होने वाली कमाई से लगभग 3 लाख अमेरिकी डॉलर तकरीबन 25 से 30 करोड़ का नुकसान होने की आशंका है। वहीं गत वित्त वर्ष में भी बोर्ड को काफी नुकसान हुआ था। अगर ट्रैविस आक्रामक पारी नहीं खेलते तो मैच तीसरे दिन तक पहुंच जाता। पर्थ टेस्ट में रिकॉर्ड 101514 लोग आए। शुक्रवार को 51,531 और फिर शनिवार को 49,983 दर्शक पहुंचे। यह पिछले साल पर्थ में बने 96,463 के रिकॉर्ड से अधिक है। जब भारतीय टीम ने चार दिन में जीत हासिल की थी। तीसरे दिन के भी लगभग सभी टिकट पहले ही गिर गये थे।

साउथ अफ्रीका को झटका : कगिसो रबाडा भारत दौरे से बाहर

नई दिल्ली। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में भारत पर 30 रन से यादगार जीत हासिल करने के

बाद साउथ अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा पसलियों की चोट के कारण न केवल गुवाहाटी में होने वाला दूसरा टेस्ट बल्कि पूरी व्हाइट-बॉल सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। पहले टेस्ट की कठिन पिच और लंबे स्पेल के बाद रबाडा की चोट बढ़ गई, जिससे उनकी उपलब्धता पर संकट गहरा गया। यह स्थिति उस समय आई है जब साउथ अफ्रीका भारतीय सरज़मीं पर ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज़ जीतने की दहलीज़ पर खड़ा है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने आधिकारिक बयान जारी कर रबाडा की स्थिति स्पष्ट की। बयान के अनुसार, उनकी पसलियों में लगातार दर्द बना हुआ है और मेडिकल टीम ने उन्हें तत्काल आराम की सलाह दी है। सीएसए ने कहा कि रबाडा को शेष भारत दौरे से हटाया जा रहा है और वह साउथ अफ्रीका लौटकर मेडिकल टीम की देखरेख में चार सप्ताह के रिहैब प्रोग्राम की शुरुआत करेंगे। टीम मैनेजमेंट किसी भी कीमत पर उनकी लंबी अवधि की फिटनेस से समझौता नहीं करना चाहता, खासकर भविष्य की महत्वपूर्ण सीरीज़ को ध्यान में रखते हुए। इस चोट के चलते साउथ अफ्रीका का गेंदबाज़ी आक्रमण मुश्किल में जरूर आया है, लेकिन टीम ने पहले ही रबाडा के विकल्प के रूप में लुंगी एनगिडी को शामिल कर लिया था। अब एनगिडी की भूमिका निर्णायक हो सकती है। कोलकाता टेस्ट जीतने वाली प्लेइंग इलेवन काफी संतुलित थी, इसलिए दूसरे टेस्ट में बड़े बदलाव की संभावना कम है, लेकिन गुवाहाटी की पिच और मैच की परिस्थितियों को देखते हुए एनगिडी को मौका मिलना तय माना जा रहा है।

मध्य प्रदेश के अर्जुन, समवर्ध और समवेद फाइनल क्वालीफाइंग राउंड में

इंदौर। मध्य प्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित ऑल इंडिया चैम्पियनशिप

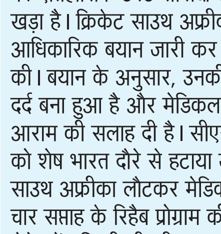

सीरीज़ जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में आज बालक अंडर-12 वर्ग के रोमांचक क्वालीफाइंग मुकाबले खेले गए। मेजबान मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने कोर्ट पर अपना दबदबा बनाए रखा, जिसमें अर्जुन बिंद्रा, समवर्ध सोनी और समवेद जोशी ने सीधे जीत दर्ज कर फाइनल क्वालीफाइंग राउंड में अपनी जगह पक्की की। अर्जुन बिंद्रा ने रिधान थोरा को और समवर्ध सोनी ने अवनीश पाटिल को 9-0 के एकतरफ़ा स्कोर से हराया, जबकि समवेद जोशी ने वंश खंडेलवाल के खिलाफ 9-5 से जीत हासिल की। हालांकि, कुछ मुकाबले बेहद कड़े और संघर्षपूर्ण रहे, जिन्होंने दर्शकों का रोमांच बढ़ा दिया। अत्यंत संघर्षपूर्ण मुकाबलों में, मध्य प्रदेश के रियान सुराना ने वंश मेहता को टाई-ब्रेकर तक खींचे गए एक कठिन मैच में 9-8 (6) से हराया। इसी तरह, यथार्थ शर्मा भी विहान कलानी के खिलाफ संघर्ष के बाद 9-8 (6) के स्कोर से विजयी रहे। एक अन्य नजदीकी मैच में जियान दुर्गानी ने भी अर्जुन कछोलिया को कड़े टाई-ब्रेकर 9-8 (1) में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

ओमान, फ्रांस और स्विट्ज़रलैंड की टीमें हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप के लिए चेन्नई पहुंचीं

चेन्नई,23 नवंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में हो रहे एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 से पहले रविवार को तीन और टीमों ओमान, फ्रांस और स्विट्जरलैंड के चेन्नई पहुंचने से उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। यह टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होगा। 24 टीमों की भागीदारी के साथ यह संस्करण इतिहास का सबसे बड़ा जूनियर विश्व कप है। इन टीमों के आगमन से इस वैश्विक प्रतियोगिता से पहले उत्साह और बढ़ गया है।

ओमान ऐतिहासिक शुरुआत के लिए तैयार – ओमान एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में पहली बार भाग ले रहा है, जो देश के हॉकी कार्यक्रम के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। मेजबान भारत, स्विट्जरलैंड और चिली के साथ पूल बी में शामिल ओमान अपने अभियान की शुरुआत 28 नवंबर को चेन्नई में स्विट्जरलैंड के खिलाफ करेगा।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में ओमान के कोच मोहम्मद बैत जंदाल ने कहा, 'हम इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पहली बार भाग ले रहे हैं। हमारा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और इस अनुभव का पूरा लाभ उठाना है। हम जानते हैं कि हम भारत जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलेंगे और हमें उम्मीद है कि हम इन उच्च-स्तरीय मैचों से सीखेंगे और आगे आने वाले मैचों में उन सीखों को लागू करेंगे। हममें से कई लोग भारतीय हॉकी के प्रशंसक हैं और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनका बारीकी से अनुसरण करते हैं, इसलिए उनका सामना करना हमारे खिलाड़ियों के लिए निश्चित रूप से एक चुनौतीपूर्ण क्षण होगा। वे मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने, अपने कौशल और संरचना में निखार लाने के लिए दृढ़ हैं। जहां तक हमारे पूल की अन्य टीमों की बात है, हमने अपनी रणनीति तैयार कर ली है और हम उन्हें अपनी पूरी क्षमता से लागू करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'

हाल के मजबूत प्रदर्शन के बाद फ्रांस का लक्ष्य खिताब जीतना – जूनियर विश्व कप के हालिया संस्करणों में फ्रांस लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक के रूप में उभरा है। वे 2013 और 2023 में उपविजेता रहे और 2021 में तीसरे स्थान पर रहे, जिससे जूनियर स्तर पर एक टीम के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई। एक कदम और आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध फ्रांस इस साल प्रतिष्ठित खिताब जीतने का लक्ष्य रखेगा। ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और कोरिया के साथ पूल एफ में शामिल फ्रांस टीम अपने अभियान की शुरुआत 29 नवंबर को कोरिया के खिलाफ करेगी।

अपनी तैयारी पर टिप्पणी करते हुए फ्रांस के कोच मैथियास डिएरकेन्स ने कहा, 'हाल के संस्करणों में कांस्य और फिर रजत पदक जीतने के बाद हमारी महत्वाकांक्षा स्वाभाविक रूप से इस बार सर्वोच्च पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने की है। यह टूर्नामेंट हमारे लिए बहुत प्रतिष्ठा रखता है। हालांकि, हम जानते हैं कि यह टीम पिछली टीम की तुलना में युवा है। वे समान रूप से प्रतिभाशाली हैं, लेकिन शायद अभी उतने अनुभवी या पूरी तरह से विकसित नहीं हैं। फिर भी, हम जानते हैं कि अपने सर्वश्रेष्ठ दिनों में हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं। हमारी पहली प्राथमिकता ग्रुप चरण में सफलतापूर्वक आगे बढ़ना है। मैंने खिलाड़ियों को इस अवसर का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। खासकर जब वे दुनिया के महान हॉकी देशों में से एक में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं'

स्विट्जरलैंड ने जूनियर विश्व कप में पदार्पण किया – स्विट्जरलैंड भी इस टूर्नामेंट में पहली बार उतर रहा है और विश्वकप मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। भारत, ओमान और चिली के साथ पूल बी में शामिल स्विट्जरलैंड अपना पहला मैच 28 नवंबर को चेन्नई में ओमान के खिलाफ खेलेगा। स्विट्जरलैंड के कोच जेयर लेवी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े हॉकी खेलने वाले देशों में से एक में आना हमारे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव है। जूनियर हॉकी विश्व कप में पदार्पण करना स्विट्जरलैंड के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

शुभमन गर्दन की चोट के कारण एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हुए

मुम्बई, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के नए युवा कप्तान शुभमन गिल गर्दन की अकड़न से अब तक नहीं उबर पाये है। इसी कारण वह गुवाहाटी टेस्ट से भी बाहर हैं। अब शुभमन 30 नवंबर से होने वाली 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। माना जा रहा है कि शुभमन की गर्दन की अकड़न सामान्य नहीं है और उन्हें अभी आराम करना होगा। टीम प्रबंधन उन्हें जल्दबाजी में मैदान में उतारकर जोखिम नहीं लेना चाहता। शुभमन की अभी एमआरआई सहित कई अन्य जांच चल रही है। इसमें पता लगाया जा रहा था कि उनकी चोट मांसपेशियों की चोट है या नस से संबंधित समस्या है, जिसे अधिक आराम की जरूरत है। चयनकर्ताओं को उनके टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। ' प्राप्त जानकारी के अनुसार

टी20 सीरीज में भी खेलना संदिग्ध

शुभमन ने मुंबई के एक विशेषज्ञ डॉ. अभय नेने से परामर्श किया है। ये भी कहा गया है कि मेडिकल रिपोर्ट के परिणाम चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को भेजे गए हैं। वहीं ये भी कहा गया है कि शुभमन अगले माह 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20आई सीरीज में भी शायद ही खेल पायें।

बीसीसीआई के अनुसार शुभमन को उनके लक्षणों को कम करने के लिए एक इंजेक्शन दिया गया है और उन्हें रिहैब, ट्रेनिंग और मैदान पर लौटने से पहले आराम करने को कहा गया है। शुभमन को पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते समय गर्दन में अकड़न आ गयी थी इसी कारण वह दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे।

3000 मीटर रिले फाइनल

पोलैंड में महिलाओं के 3000 मीटर रिले फाइनल में जीत के बाद अवार्ड के साथ नजर आयीं नीदरलैंड, अमेरिका और जापानी की खिलाड़ी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 नितीश राणा बने दिल्ली के कप्तान

इशांत-सैनी फिटनेस टेस्ट पर निर्भर

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज़ नितीश राणा को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025-26 के लिए टीम की कप्तानी सौंप दी गई है। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा स्पिनर दिग्वेश राठी को इस बार टीम में जगह नहीं मिल पाई है। टूर्नामेंट 26 नवंबर से शुरू होगा और दिल्ली अपने सभी मुकाबले अहमदाबाद में खेलेगी। इस बार दिल्ली को एलीट ग्रुप डी में रखा गया है, जिसमें कर्नाटक, झारखंड, तमिलनाडु, राजस्थान, सौराष्ट्र, उत्तराखंड और त्रिपुरा जैसी टीमें शामिल हैं। दिल्ली ने अब तक इस ट्रॉफी को केवल एक बार, वर्ष 2017-18 में जीता है, जब टीम का नेतृत्व प्रदीप सांगवान कर रहे थे। नितीश राणा पहली बार दिल्ली की ओर से एसएमएटी में उतरेंगे। इससे पहले वह उत्तर प्रदेश की ओर से घरेलू सर्किट में खेलते रहे हैं।

रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में भी उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी। एसएमएटी में कप्तानी के अलावा राणा आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स का भी हिस्सा होंगे, जहां वे राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड होकर आए हैं। हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग में उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहाँ उन्होंने 134, 45 और 79* रनों की पारियों के साथ वेस्ट दिल्ली लायंस को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

फास्ट बॉलिंग विभाग में दिल्ली ने वरिष्ठ गेंदबाज इशांत शर्मा और नवदीप सैनी को टीम में शामिल किया है, लेकिन दोनों का अंतिम चयन फिटनेस पर निर्भर करेगा, क्योंकि वे हाल की चोटों से उबर रहे हैं। वहीं, तेज़ गेंदबाज हर्षित राणा का चयन भारत की दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए संभावित चयन पर आधारित होगा। बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल हारने के बाद इंडिया ए टीम के सदस्य प्रियांश आर्य और सुव्यश शर्मा अब दिल्ली की टीम से जुड़ेंगे। दिल्ली अपने संतुलित स्क्वॉड और नए कप्तान के साथ इस सीजन में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

दिल्ली की एसएमएटी 2025-26 टीम

नितीश राणा (कप्तान), प्रियांश आर्य, सार्थक रंजन, आयुष बडोनी, अर्पित राणा, आयुष दोसेजा, मयंक रावत, तेजस्वी (कीपर), अनुज रावत (कीपर), हिम्मत सिंह, यश ढुल्ल, सिमरजीत सिंह, राहुल दागर, यश भाटिया, अंकित राजेश कुमार, हर्ष त्यागी, सुव्यश शर्मा, प्रिंस यादव, मनी ग्रेवाल, रोहन राणा, ध्रुव कौशिक, आर्यन राणा और वैभव कंडपाल।

एशिया की नई स्क्वॉश क्वीन अनाहत ने दिग्गज जोशना को 3-2 से हराकर इंडियन ओपन का खिताब जीता

17 वर्षीय सनसनी ने सीज़न का तीसरा पीएसए ख़िताब जीता; 54 मिनट के महासंग्राम में भारत को मिला स्वर्ण और रजत

मिस्र के मोहम्मद ज़कारिया बने पुरुष चैंपियन

इंदौर, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय स्क्वॉश की युवा प्रतिभा अनाहत सिंह ने शनिवार को इंदौर के डेली कॉलेज में आयोजित एसआरएफआई इंडियन ओपन 2025 पीएसए चैलेंजर ख़िताब जीतकर इतिहास रच दिया है। महिला एकल के 'ऑल-इंडियन' फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त 17 वर्षीय अनाहत ने अपनी अनुभवी सीनियर और दो बार की एशियाई चैंपियन जोशना चिनप्पा (39 वर्ष) को 54 मिनट तक चले एक कड़े संघर्षपूर्ण मुकाबले में 3-2 (11-8, 11-13, 11-9, 6-11, 11-9) से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा किया। इस जीत ने घरेलू धरती पर भारत के लिए स्वर्ण और रजत दोनों पदक सुनिश्चित कर दिए। यह अनाहत के करियर का 12वां पीएसए खिताब और इस सीजन का तीसरा खिताब है।

अनुभव बनाम युवा ऊर्जा : रोमांच से भरपूर फाइनल – यह फ़ाइनल मुकाबला अनुभव (जोशना) बनाम युवा उत्साह (अनाहत) का शानदार प्रदर्शन था। अनाहत ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन अनुभवी जोशना ने तत्काल पलटवार किया और दूसरा गेम 13-11 से अपने नाम किया। अनाहत ने तीसरा गेम 11-9 से जीतकर 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त बनाई। हालांकि, जोशना ने चौथे गेम में अपनी नियंत्रण क्षमता का उपयोग करते हुए 11-6 से स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। अंतिम और निर्णायक गेम अत्यंत तनावपूर्ण रहा। दबाव के क्षणों में अनाहत की बेहतरीन फिटनेस और आक्रामकता भारी पड़ी। उन्होंने निर्णायक गेम 11-9 से जीतकर न केवल खिताब जीता, बल्कि खुद को एशिया की नई स्क्वॉश क्वीन के रूप में स्थापित किया।

पुरुष वर्ग में ज़कारिया बने चैंपियन – पुरुष एकल फ़ाइनल मुकाबला भी मिस्र के दो शीर्ष खिलाड़ियों के बीच हुआ। तीसरी वरीयता प्राप्त मोहम्मद ज़कारिया ने शीर्ष वरीयता प्राप्त यूसुफ सोलिमान को 46 मिनट तक चले मुक़ाबले में 3-1 (11-3, 6-11, 2-0) से हराकर खिताब जीता। यूसुफ सोलिमान को चोट के कारण तीसरे गेम में 2-0 (रिटायर्ड) से ज़कारिया के पक्ष में स्कोर होने के बाद मुकाबला छोड़ना पड़ा।

अनाहत की अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां – कनाडा महिला ओपन में विश्व की शीर्ष 20 खिलाड़ियों को हरा चुकी अनाहत ने इस साल एशियाई सीनियर महिला एवं मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता है। 2024 में रिकॉर्ड 9 पीएसए चैलेंजर खिताब जीतने वाली अनाहत की यह जीत भारतीय स्क्वॉश के लिए एक नए और स्वर्णिम युग की शुरुआत है।

संसद के शीतकालीन सत्र में होगा पेश प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक 2025

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए बड़ी खबर है। सरकार 3 बड़े पुराने कानूनों को खत्म कर नया और आसान कानून लाने जा रही है। इसका नाम प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक 2025 है, जिसे सरकार 1 दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में पेश करने जा रही है।

सरकार ने प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक शीतकालीन सत्र के लिए सूचीबद्ध किया

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक सरकार ने 01 दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र के लिए प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक-2025 को सूचीबद्ध किया है। यह एकीकृत प्रतिभूति बाजार संहिता देश के वित्तीय बाजारों में कारोबार करने को आसान बनाएगा। इस नए विधेयक का मकसद सेबी कानून 1992, डिपॉजिटरीज कानून 1996 और प्रतिभूति लेन-देन (नियमन) कानून 1956 के प्रावधानों इन तीनों को मिलाकर एक कानून बना दिया जाएगा।

एकीकृत प्रतिभूति बाजार संहिता का प्रस्ताव सबसे पहले वित्त वर्ष 2021-22 के आम बजट में किया गया था, जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सेबी कानून 1992, डिपॉजिटरीज कानून 1996, प्रतिभूति करार (नियमन) कानून 1956 और सरकारी प्रतिभूति कानून 2007 को एक तर्कसंगत एकीकृत प्रतिभूति बाजार संहिता में लाने की घोषणा की थी।

आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना कि एकीकृत प्रतिभूति बाजार संहिता से अनुपालन की लागत कम होगी और पूंजी बाजार नियामक सेबी, डिपॉजिटरी तथा सरकार द्वारा बनाए नियमों के बीच टकराव कम होगा। आम निवेशकों के लिए इससे बहुत फायदा होने वाला है। कंपनियों को कानून मानने में जो करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, वो बहुत हद तक कम हो जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

पीयूष गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को व्यापार बोर्ड निर्यात बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को व्यापार बोर्ड (बीओटी) की बैठक होगी। इस बैठक में अमेरिका के लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ के बीच भारत के निर्यात को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ ट्रेड एक्सपोर्ट को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा। प्राप्त सूचना के मुताबिक इस बैठक में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के प्रतिनिधि, दूसरे पार्टिसिपेंट्स के साथ, एक्सपोर्ट सेक्टर पर अपने विचार पेश करेंगे। व्यापार बोर्ड की 25 नवंबर को होने जा रही यह बैठक इसलिए जरूरी है क्योंकि अक्टूबर में देश का निर्यात अमेरिका के ज्यादा टैरिफ के असर से 11.8 फीसदी फिसल कर 34.38 अरब डॉलर रह गया है, जबकि व्यापार घाटा बढ़कर 41.68 अरब डॉलर के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया, जिसका मुख्य कारण सोने के आयात में उछाल था। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की अध्यक्षता वाले इस बोर्ड में विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं।

अगले हफ्ते ये दो बड़ी कंपनियां निवेशकों को बांटेगी बोनस

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेशकों के लिए अगले सप्ताह एक खास मौका आ रहा है। कंपनियां अपने मौजूदा शेयरधारकों को बोनस शेयर देंगी, यानी बिना किसी अतिरिक्त निवेश के उन्हें नए शेयर मिलेंगे। इससे शेयरधारकों की हिस्सेदारी बढ़ती है और पोर्टफोलियो में सुधार होता है। हालांकि, हर शेयर का मूल्य एडजस्ट हो जाएगा। एचडीएफसी एएमसी अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। इसका मतलब है कि जिनके पास एक शेयर है, उन्हें एक नया शेयर मुफ्त मिलेगा। कंपनी का एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट 26 नवंबर 2025 तय किया गया है। इस दिन या इससे पहले शेयर खरीदने वाले निवेशक बोनस पाने के योग्य होंगे। थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अपने निर्धारित है। यह कदम कंपनी की बढ़ती सफलता और शेयरधारकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बोनस इश्यू से निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ती है, बाजार में लिक्विडिटी बेहतर होती है और लंबी अवधि की निवेश रणनीति मजबूत होती है। छोटे निवेशकों के लिए यह अवसर खास तौर पर लाभकारी है, क्योंकि वे बिना अतिरिक्त निवेश के अपने शेयर बढ़ा सकते हैं।

यूनिसन मेटल्स ने की 1:10 शेयर स्प्लिट करने की घोषणा, शेयर स्प्लिट का फैसला और रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील निर्माता यूनिसन मेटल्स लिमिटेड ने अपने शेयरों को 1:10 के रेशियो में स्प्लिट करने का बड़ा फैसला लिया है। यानी, अब जो शेयर 10 रुपए फेस वैल्यू के थे, उन्हें 10 नए शेयरों में बांट दिया जाएगा, प्रत्येक का फेस वैल्यू केवल 1 रुपए होगा। यह प्रस्ताव 29 सितंबर 2025 को हुई वार्षिक आम बैठक में शेयरहोल्डर्स द्वारा पास किया गया। कंपनी ने रिकॉर्ड डेट 28 नवंबर तय की है। इस तारीख तक जिनके पास शेयर होंगे, उन्हें पुराने शेयरों के बदले नए शेयर मिल जाएंगे। शेयर स्प्लिट के बावजूद निवेशकों की कुल राशि में कोई बदलाव नहीं होगा। केवल शेयरों की संख्या 10 गुना बढ़ जाएगी और कीमत अपने आप एडजस्ट हो जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी निवेशक के पास 100 शेयर थे, तो स्प्लिट के बाद उन्हें 1000 नए शेयर मिलेंगे। इस कदम का उद्देश्य छोटे निवेशकों के लिए शेयर खरीदना आसान बनाना और बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाना है। यूनिसन मेटल्स यूसीएम ग्रुप का हिस्सा है और यह हॉट-कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील शीट्स, किचनवेयर, बर्तन-कटलरी और स्टोरेज टैंक्स बनाती है। कंपनी ने यूनाइटेड नेशंस इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के साथ विभिन्न प्रोडक्ट्स में कोलैबोरेशन के लिए भी नामांकित किया गया है। बीएसई के अनुसार, कंपनी का वर्तमान मार्केट कैप 66.62 करोड़ रुपये है।

साप्ताहिक समीक्षा : लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा शेयर बाजार

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के बाद लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। शेयर बाजार के साप्ताहिक प्रदर्शन में आई ये तेजी इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि यूएस-इंडिया ट्रेड डील में हो रही देरी, रुपये की कमजोरी और कमजोर मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई डाटा के कारण घरेलू शेयर बाजार पूरे सप्ताह उतार-चढ़ाव का सामना करता रहा। इस उतार-चढ़ाव के बावजूद शुक्र को खत्म हुए सप्ताह में बीएसई का सेंसेक्स 669.14 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 85,231.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 158.10 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ 26,068.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल भारती एयरटेल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, आयशर मोटर्स, सीमेंस और हीरो मोटोकॉर्प के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, वोडाफोन आइडिया, हिंदुस्तान जिंक, वेदांता, डीएलएफ, टाटा मोटर्स पेसेंजय व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी) टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

लार्जकैप के विपरीत बीएसई का मिडकैप इंडेक्स सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के बाद साप्ताहिक आधार पर 1 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

इस इंडेक्स में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, एलटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, जीएमआर एयरपोर्ट्स, पीबी फिनटेक, 360 वन वैम और हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, केंस टेक्नोलॉजी इंडिया, स्टार हेल्थ केयर एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी, भारत डायनामिक्स, सुप्रीम इंडस्ट्रीज, कन्साई नैरोलैक पेंट्स और ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

इसी तरह 17 से 21 नवंबर तक के कारोबारी सप्ताह के बाद बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर दो प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इस इंडेक्स में शामिल एस्टेक लाइफ साइंसेज, 5 पैसा कैपिटल, नारायण हृदयालय, वीएल ई-गवर्नेंस एंड आईटी सॉल्यूशंस, श्री अधिकारी ब्रदर्स टेलीविजन और वीएएयस फाइनेंस के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, जय बालाजी इंडस्ट्रीज, डेक्कन सीमेंट्स, आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेक्ट्रम इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, वैबसोल एनर्जी सिस्टम और फिशर मेडिकल वेंचर्स के शेयर 15 से 30 प्रतिशत तक की साप्ताहिक गिरावट के साथ टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें, तो निफ्टी का आईटी इंडेक्स 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी का ऑटोमोबाइल इंडेक्स 1 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी हासिल करने में सफल रहा। इसके अलावा निफ्टी का बैंक इंडेक्स भी साप्ताहिक आधार पर 0.60 प्रतिशत उछल कर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी का रियल्टी इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार में 3.70 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इसी तरह निफ्टी का मेटल इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 3.30 प्रतिशत टूट गया, जबकि निफ्टी का मीडिया इंडेक्स पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद 2.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

अमेरिकी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर पर 1 अरब डॉलर की डिफॉल्ट जजमेंट जारी की

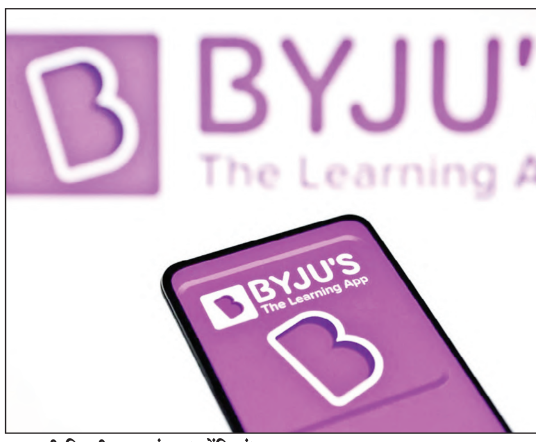

नयी दिल्ली,23 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट जजमेंट जारी करते हुए उन्हें 1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया है। यह मामला बायजू की अमेरिकी कंपनी बायजू अल्फा और अमेरिकी लेंडर जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलआईसी की याचिका से जुड़ा है।

1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का

बायजू रवींद्रन के नेतृत्व में टीएलपीएल ने अमेरिकी लेंडर्स से 1 बिलियन डॉलर का टर्म लोन बी लिया था। बाद में आरोप लगे कि बायजू अल्फा ने लोन की शर्तों का उल्लंघन किया और 533 मिलियन डॉलर अवैध रूप से अमेरिका से बाहर ट्रांसफर किए। जीएलएएस ट्रस्ट ने डेलावेयर कोर्ट में केस दायर किया और बायजू अल्फा पर नियंत्रण हासिल किया। डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने पाया कि रवींद्रन डिस्कवरी ऑर्डर का पालन नहीं कर रहे थे और कई बार जानकारी देने से बचते रहे। पहले ही उन्हें प्रतिदिन 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था, जिसे उन्होंने अदा नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि रवींद्रन विदेश में रहते हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि वे कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करना चाहते। कोर्ट ने रवींद्रन को बायजू अल्फा से जुड़े सभी फंड्स और उनके ट्रांसफर की पूरी जानकारी देने का आदेश दिया। इसमें कम्सहाफ एलपी इंट्रेस्ट जैसे एसेट्स और उनसे जुड़े हर लेन-देन की जानकारी शामिल है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा कि केवल आर्थिक दंड पर्याप्त नहीं है, इसलिए डिफॉल्ट जजमेंट जैसी कठोर कार्रवाई जरूरी थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विश्व में क्रिटिकल ...

विश्वास को प्रभावित करती है, उन्हें जिम्मेदार होना चाहिए, और सबसे अहम है कि एआई मानव क्षमताओं को बढ़ाए, लेकिन निर्णय लेने की अंतिम जिम्मेदारी हमेशा मनुष्य के पास ही रहे।

फरवरी 2026 में भारत एआइंपैक्ट समिट की मेजबानी करेगा, जिसका थीम है सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय। इसमें हम जी20 देशों को साझेदारी का आमंत्रण देते हैं।

उन्होंने कहा कि एआई के इस युग में हमें अपनी अप्रोच को ङ्खआज की नौकरियांफ से ङ्खकल की क्षमताएंफ की ओर तेजी से चेंज करना होगा। रैपिड इनोवेशन के लिए टैलेंट की मोबिलिटी को अनलॉक करना अत्यंत आवश्यक है। इस विषय पर हमने दिल्ली जी20 में प्रगति की थी। हमें आशा है कि अगले कुछ वर्षों में जी20 एक प्रतिभा मोबिलिटी का वैश्विक ढांचा डेवलप करेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि कोविड काल ने ग्लोबल सप्लाई की कमजोरियां उजागर कर दीं। उस कठिन समय में भी भारत ने 150 से अधिक देशों को वैक्सीन और दवाइयां पहुंचाईं। देशों को केवल बाजार के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। हमें एक संवेदनशील औरॉन्ग-टर्म अप्रोच अपनानी होगी।

भारत का संदेश स्पष्ट है कि विकास ऐसा हो जो टिकाऊ हो, व्यापार ऐसा हो जो भरोसेमंद हो, वित्त ऐसा हो जो फेयर हो, और प्रगति ऐसी हो जिसमें सर्व-समावेशी समृद्धि हो। इसी सेहमक सभी के लिए एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भविष्य बना सकते हैं।

हमें धर्म की...

भारत की परम्परा में धर्म के साथ शांति और सौहार्द की व्यवस्था है। भारत में सत्य के निकट बैठकर ज्ञान प्राप्त करने का निचोड़ भगवत गीता में है।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने सभी जन मानस का स्वागत करते हुए गीता से जुड़ने का आह्वान किया। महाराज जी ने कहा कि धर्म रिलीजियस नहीं है, बल्कि धर्म का अर्थ है कर्तव्य विशेष। आज कर्तव्य से अधिक अधिकार की बात होती है। कर्त्तव्य से हम स्वयं को समर्पित करते हैं। आपने कहा कि दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव के माध्यम से समाज का जागरण किया जा रहा है।

पहले आर्मी सैल्यूट...

इस गहरे दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़ी है। उनकी हिम्मत, लगन और सम्मान की विरासत का सम्मान करती है।

नमांश स्याल का पारिवारिक पृष्ठभूमि भी गौरतलब है। उनके पिता जगननाथ एयरफोर्स में कार्यरत रहे और बाद में हिमाचल शिक्षा विभाग में शिक्षक के रूप में सेवा दी। उनकी मां का नाम बीना देवी है।

एससी और एसटी आरक्षण...

आरक्षण के दायरे से बाहर करे। कॉलिजियम में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर अक्सर आरोप लगते हैं कि रिश्तेदारों को तरजीह दी जाती है। इस पर सीजेआई गवई ने कहा कि ऐसे मामले कुल नियुक्तियों के 10% से भी कम होते हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई उम्मीदवार योग्य है तो सिर्फ इसलिए उसे नहीं रोका जा सकता कि वह किसी जज रिश्तेदार है।

सीजेआई ने कहा कि एक गलत सोच यह है कि जज तभी स्वतंत्र माना जाता है जब वह सरकार के खिलाफ फैसला दे। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता किसी एक फैसले से नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की मजबूती से तय होती है। साथ ही, हाई कोर्ट जजों के ट्रांसफर पर हो रही आलोचना पर उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लिया जाता है।

सीजेआई गवईने कहा कि रिटायरमेंट के बाद कुछ समय आराम करेंगे और फिर सामाजिक कार्यों से जुड़ेंगे, खासकर आदिवासी समुदायों के लिए काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे किसी भी प्रकार का पोस्ट-रिटायरमेंट पद स्वीकार नहीं करेंगे। कल जस्टिस सूर्यकांत नए सीजेआई बनेंगे।

वकील ने फेंका था जूता

हाल ही में एक वकील ने सुनवाई के दौरान उन पर जूता फेंका था। इस पर उन्होंने कहा, मैंने तुरंत तय किया कि कोई कार्रवाई नहीं करूंगा। माफी अपने आप आ गई। दिल्ली प्रदूषण मामले पर उन्होंने कहा कि अदालत लगातार कोशिश कर रही है और अब सरकारें लंबे समय के समाधान पर ध्यान दे रही हैं।

चंडीगढ़ पर...

पहले अफवाह उड़ी कि चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के अंतर्गत ले आया जाएगा। अगर ऐसा होता तो यहाँ अलग प्रशासक यानी एलजी की नियुक्ति की जाती। अभी तक पंजाब के राज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में चंडीगढ़ आता है। संविधान संशोधन के जरिए चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के अंतर्गत लाने पर ये खत्म हो जाता। सीधे राष्ट्रपति को कानून बनाने का अधिकार मिल जाता।

चंडीगढ़ पूरी तरह केन्द्र शासित प्रदेश बन जाता, जैसा अंडमान निकोबार, दादर नागर हवेली और लक्षद्वीप है। इन क्षेत्रों में विधानसभा नहीं है और ये केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

आरोप लगाया गया कि लोकसभा और राज्यसभा की बुलेटिन के मुताबिक, विधेयक 1 दिसंबर 2025 को संसद के पटल पर रखा जाएगा। इसके बाद चंडीगढ़ उन केन्द्र शासित प्रदेशों में लाया जाएगा, जो पहले से अनुच्छेद 240 के अंतर्गत आते हैं।

चंडीगढ़ पूरी तरह केन्द्र शासित प्रदेश बन जाता, जैसा अंडमान निकोबार, दादर नागर हवेली और लक्षद्वीप है। इन क्षेत्रों में विधानसभा नहीं है और ये केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

आरोप लगाया गया कि लोकसभा और राज्यसभा की बुलेटिन के मुताबिक, विधेयक 1 दिसंबर 2025 को संसद के पटल पर रखा जाएगा। इसके बाद चंडीगढ़ उन केन्द्र शासित प्रदेशों में लाया जाएगा, जो पहले से अनुच्छेद 240 के अंतर्गत आते हैं।

चंडीगढ़ फिलहाल पंजाब और हरियाणा दोनों की राजधानी है। इस पर हक जताने की वजह से दोनों राज्य एक-दूसरे से भिड़ते रहते हैं।

पंजाब के राज्यपाल ही अभी चंडीगढ़ के प्रशासक के तौर पर काम करते हैं। यानी राजधानी भले ही हरियाणा-पंजाब दोनों की हो, लेकिन प्रशासनिक शक्ति पंजाब के पास है।

अगर 131संशोधन विधेयक पारित होता, तो चंडीगढ़ में बड़ा बदलाव आ जाता। केन्द्र को चंडीगढ़ का एलजी नियुक्त करना पड़ता और केन्द्र के पास चंडीगढ़ की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी होती।

पंजाब का कहना है कि चंडीगढ़ में पंजाबी भाषा बोलने वाले ज्यादा है। इसे पंजाब के क्षेत्र को खाली कर बसाया गया और विकसित किया गया था। इसलिए आज भी यह पंजाब का ही पार्ट है।

वहीं, हरियाणा का कहना है कि इस क्षेत्र में गैर पंजाबियों की संख्या काफी है। जब हरियाणा बना तो उसे हरियाणा में शामिल होना चाहिए।

भारत विभाजन के वक्त 1947 में लाहौर पर पाकिस्तान का अधिकार हो गया। इस वक्त पंजाब के पास अपनी राजधानी नहीं थी।

इसको देखते हुए 1950 के दशक में नई आधुनिक राजधानी बनाने का निर्णय लिया गया। इनमें से ही एक है चंडीगढ़, जिसे प्लान सिटी भी कहते हैं।

1966 में पंजाब पुनर्गठन अधिनियम लाया गया। इसके तहत पंजाब का विभाजन हुआ।

पंजाबी भाषा भाषी क्षेत्र को पंजाब में रखा गया जबकि हिन्दी या हरियाणवी भाषा भाषी क्षेत्र को हरियाणा में रखा गया। उस वक्त हरियाणा की राजधानी भी चंडीगढ़ को बना दिया गया।

श्री गुरु तेग बहादुर सारे सृष्टि की चादर

प्रकट भए गुरु तेग बहादुर ।
सगल सृष्टि पर ढाकी चादर ।।

उपरोक्त पवित्र वचन कवि चंद्र सेन सेनापति जी के हैं जो श्री गुरु तेग बहादुर जी के पुत्र गुरु गोविंद सिंह जी के 52 कवियों में से एक दरबारी कवि थे। यह वचन श्री गुरु शोभा से लिए गए हैं। इसका अर्थ श्री गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म ,आस्था और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन बलिदान कर दिया जिससे पूरी मानवता की रक्षा हुई । आज सारे विश्व में शायद ही ऐसा कोई बिरला व्यक्ति होगा जिसने अपने अंतर्मन से श्री गुरु तेग बहादुर जी को याद कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित न किए हो ।आज सारी सृष्टि श्री गुरु तेग बहादुर जी के महान बलिदान, उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद कर उनके समक्ष नतमस्तक हो रही है। श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश माता नानकी जी एवं गुरु हरगोबिंद साहिब जी के घर गुरु के महल अमृतसर में 1 अप्रैल सन 1621 में हुआ। बचपन में उनका नाम त्यागमल था ।वास्तव में अपने नाम पर खरे उतरने वाले गुरुजी ने अपना संपूर्ण जीवन औरों के लिए त्याग में ही बिताया। 26 वर्षों तक एकान्त में रहकर प्रभु स्मरण करने वाले गुरु तेग बहादुर जी में अपार सहनशीलता, अद्वितीय साहस एवं अतुल्य शौर्य था। केवल13 वर्ष की आयु में मुगलों के साथ लड़े गए युद्ध में अपार साहस का परिचय कराकर गुरुजी ने मुगलों को हराया था। जिस कारण उनके पिता ने उनका नाम तेग बहादुर अर्थात तलवार के धनी रखा।

विश्व के इतिहास में धर्म तथा मानवता के आदर्श मूल्यों के लिए तथा उनके रक्षणार्थ स्वयं के प्राणों का बलिदान करने वाले श्री गुरु तेग बहादुर जी का योगदान कभी भूलाया नहीं जा सकता। गुरुजी ने केवल मात्र धर्म पालन के लिए ही नहीं ,अपितु संपूर्ण मानवता एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, मानवीय उच्च मूल्यों की रक्षा के लिए अपना प्राणोत्सर्ग किया। स्वयं के धर्म के लिए बलिदान करने वाले बहुत मिलेंगे, परंतु संपूर्ण मानव धर्म की आस्था की रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले गुरुजी का जीवन ना भूतो ना भविष्यति है।श्री गुरु तेग बहादुर जी ने ना केवल हिंदू धर्म की रक्षा की अपितु संपूर्ण मानवता, मानव धर्म एवं मानव अधिकारों की रक्षा की ।उन्होंने सभी प्रकार के मानव अधिकार चाहे सामाजिक ,राजनीतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों का महत्व स्पष्ट किया। मनुष्य को अपने अधिकारों को स्वतंत्र एवं संपूर्ण रूप से पाने का पूरा हक है। गुरुजी के विचार अत्यंत स्पष्ट थे। उनकी कथनी और करनी में एकसाम्यता थी। उन्होंने अपने जीवन को दूसरों के सुख-दुख के लिए अर्पित कर दिया था। उनके लिए मानवता ही एकमात्र धर्म था। सबके लिए उनकी एक ही शिक्षा थी ।प्रभु पर प्रेम और अपार श्रद्धा थी। मनुष्य जन्म दुर्लभ है। जन्म लेने पर मानवता की संभाल करना प्रत्येक मनुष्य का परम दायित्व है। तथा व्यवहार में सत्यता आवश्यक है ऐसा उनका कहना था। अपने एक श्लोक में वह कहते हैं भै काहू को देत नहि नहि भै मानत आन।।कहू नानक सुनी रे मना गियानी ताहि बखान अर्थात् जब मनुष्य किसी को डराता,भय बताता नहीं ,ना ही किसी से डरता है ,वही ज्ञानी विवेकी कहलाता है। गुरुजी का सारा जीवन इस बात का साक्षात प्रमाण रहा है कि उन्होंने सदा डरना तथा डराना इन दोनों प्रवृत्तियों को अनैतिक माना।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के समय अत्याचारी औरंगजेब ने सारे हिंदुस्तान पर अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए हिंदुओं को धर्म परिवर्तन करने के लिए बाध्य किया। उसने अपने पूर्वज मुगल शासको की हिंदुओं के प्रति संवेदनाओं को शून्य कर धार्मिक कट्टरता को वास्तविक धर्म समझ देश में ऐसी स्थिति उत्पन्न कर दी जो संसार कभीभूला नहीं सकता। उसने हिंदुओं के मंदिर तुड़वाने आरंभ किए। सरे आम गौहत्या को प्रोत्साहित किया। विधर्मियों पर कर लगाए।इतने पर ही उसे शांति ना मिली। संपूर्ण भारत पर अपने एकाधिकार तथा अपने धर्म के वर्चस्व की स्थापना की पूर्ति के लिए उसने जो सबसे कठोर निर्णय लिया वह था जबरदस्ती अमानवीय तरीके से हिंदुओं का धर्म परिवर्तन करना। यह कार्य उसने कश्मीर के पंडितों से आरंभ किया।

औरंगजेब ने यह सोचा कि यदि कश्मीर के पंडित उससे डर कर धर्म परिवर्तन कर लेंगे तब सामान्य हिंदू उसके विरुद्ध नहीं जा पाएंगे। उस समय उत्तर भारत में श्री गुरु तेग बहादुर जी को मानने वाले बहुत अधिक जन थे ।कश्मीर के सूबेदार शेर अफगान खान के अत्याचार से पीड़ित 500 कश्मीरी ब्राह्मणों का एक समूह श्री गुरु तेग बहादुर जी से मिलने आनंदपुर आया। उनके द्वारा हिंदुओं पर होने वाले अत्याचारों को सुनकर श्री गुरु तेग बहादुर जी चिंतित हो गए।उन्हें लगा इस समय धर्म रक्षा के लिए किसी बड़े धर्मात्मा का बलिदान समय की मांग है।उस समय उनके पुत्र गुरु गोविंद सिंह जी जो केवल 9 वर्ष के थे उन्होंने अपने पिता से यह कहा कि आप से बढ़कर दूसरा धर्मात्मा पुरुष इस समय कौन हो सकता है ? स्थिति की गंभीरता देखकर पिता गुरु तेग बहादुर जी ने कश्मीरी पंडितों से औरंगजेब को यह कहलवाया कि अगर औरंगजेब श्री गुरु तेग बहादुर जी से इस्लाम धर्म स्वीकार करवा लेगा तब कश्मीरी पंडितों को धर्म परिवर्तन में संकोच नहीं होगा। यहां श्री गुरु तेग बहादुर जी ने न केवल हिन्दुओं के जनेऊ और तिलक की रक्षा करने का बीड़ा उठाया अपितु उन्होंने संपूर्ण मानवता की रक्षा एवम् मानवाधिकारों के संरक्षण को भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना। श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने पिता के अतुलनीय बलिदान के संबंध में लिखा है तिलक जंवू राखा प्रभ ता का। किनो बड़ो कलू महि साका।धर्म हेत साका जिनि कीआ सीसु दीया पर सिररु न दीया।गुरुजी का मानना था कि धर्म प्रेम का रास्ता है जबरदस्ती का नहीं। प्रत्येक मनुष्य को अपने धर्म का पालन बिना किसी के दबाव में, बिना किसी से भयभीत हुए करना उसका प्राथमिक अधिकार है ।अपने-अपने धर्म के अनुसार श्रेष्ठ आचरण करने के साथ ही दूसरे धर्म के प्रति उदासीन ना रहते हुए उनके प्रति भी सम्मान प्रकट करना श्रेष्ठ मानवता है। मानव अधिकारों का संबंध व्यक्ति की गरिमा से है एवं आत्म सम्मान का भाव जो व्यक्तिगत पहचान को रेखांकित करता है तथा मानव समाज को आगे बढ़ाता है ।मानव अधिकार मनुष्य के जीवन, उसके अस्तित्व एवं व्यक्तित्व के विकास के लिए अनिवार्य है ।जिसके बिना मनुष्य का अस्तित्व ,स्वतंत्रता एवं अस्मिता बरकरार नहीं रह पाती।श्री गुरु तेग बहादुर जी शास्त्र एवं शस्त्र विद्या में पारंगत थे, परंतु अपने अंतिम समय में उन्होंने केवल तथा केवल अकाल पूरख परमात्मा का नाम स्मरण किया, गुरबाणी का पाठ किया एवं शांत चित्त रहकर शहादत पाई।उन्होंने ऐसा करके अकाल पूरख परमात्मा पर अपना संपूर्ण विश्वास,प्रेम एवं संपूर्ण मानव जाती के कल्याण की भावना को सर्वश्रेष्ठ माना ।अपने धर्म ,अपने अधिकार ,अपने दायित्वों का अक्षरशःपालन किया। बिना किसी का दिल दुखाए अथवा स्वयं आहत हुए ,अडोल अवस्था में रहकर ,बिना डरे अथवा भयभीत हुए समस्त मानवता के उत्थान एवं संरक्षण के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। गुरुजी के मन में भय पैदा करने के लिए उनके समस्त उनके शिष्य भाई मतीदास जी को आरे से चीरकर ,भाई सतीदास जी को रूई में लपेटकर तथा भाई दयाला जी को देग़ में उबालकर शहीद कर दिया गया ।इस प्रकार मानवता को मर्दित करने वाला कुकृत्य संसार कभी भुला नहीं सकेगा ।यह सब कर औरंगजेब को लगा कि वह गुरुजी को डरा धमकाकर उन्हें धर्म परिवर्तन करने के लिए विवश कर देगा। परंतु गुरुजी अपने निर्णय पर अडिग रहे ।शांति के पुंज श्री गुरु तेग बहादुर जी शांत चित्त रहकर प्रभु का नाम स्मरण करते रहे। अंततः 11 नवंबर सन 1675 ईस्वी में श्री गुरु तेग बहादुर जी को दिल्ली की चांदनी चौक में शहीद किया गया। दिल्ली के चांदनी चौक में जहां गुरुजी को शहीद करवाया गया वहां पर आज गुरुद्वारा शीशगंज साहिब सुशोभित है। जहां सभी जाति, धर्म के लोग आकर श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। इतिहास सदा साक्षी रहा है कि सदा ही सत्य की जीत हुई और सत्य ही स्थापित हुआ है।जिस लाल किले से अत्याचारी औरंगजेब ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का सर धड़ से अलग करने का फरमान जारी किया था आज वही लाल किला अपने स्थान से लिए गए इस प्रकार के मानवता को शर्मनाक करने वाले निर्णय पर शर्मसार हो रहा है ।परंतु जहां गुरुजी को शहादत दी गई ,आज उस पवित्र पावन स्थान गुरुद्वारा शीशगंज साहिब एवं जहां उनके धड़ का मक्खन शाह लुभाना जी ने अपनी झोपड़ी में संस्कार किया वह पवित्र स्थान गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब एवं भाई जैता जी ने गुरुजी का शीश आनंदपुर साहिब ले गए और उनके पुत्र गुरु गोविंद सिंह जी ने उनके शीश का अंतिम संस्कार श्री आनंदपुर साहिब में किया ।साथ ही जहां-जहां गुरुजी के पवित्र चरण स्पर्श हुए उन सभी स्थानों, गुरुद्वारों में आज गुरुजी के समस्त सभी मानव जाति नतमस्तक हो उनकी शहादत को नम आंखों से श्रद्धा-पूर्वक याद कर रही है। शांति के पुंज ,महान शहीद, अधर्म, अन्याय एवं अत्याचार के विरुद्ध अविराम संघर्ष के जनक, संपूर्ण मानवता एवं मानव जाति के रक्षक श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत की संपूर्ण मानव जाति एवं सृष्टि सदा ऋणी रहेगी। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 वे महान शहादत ,बलिदान दिवस पर गुरुजी को कोटि-कोटि नमन।

डॉ.राजेंद्र कौर महाजन
हैदराबाद
मो. 8639810368

ब्रह्म मुहूर्त में कर लें ये चार काम, कमाई होगी दोगुना, कष्टों से मिलेगा छुटकारा

हिंदू धर्म में ब्रह्म मुहूर्त का बहुत खास महत्व होता है। इसे शास्त्रों में बहुत शुभ माना गया है। सूर्योदय से ठीक पहले का समय यानी सुबह 4 बजे से लेकर 5 बजकर 30 मिनट तक का समय ब्रह्म मुहूर्त का होता है। वास्तुशास्त्र, कथाओं, शास्त्रों और यहां तक की आयुर्वेद में भी ब्रह्म मुहूर्त में उठना बेहद लाभकारी माना गया है। यह समय जागने, योग करने और ईश्वर का ध्यान करने के लिए सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त में उठकर कुछ उपाय कर लेने से जातक को जीवन के कष्टों से छुटकारा मिल सकता है और कमाई दोगुनी होती है। श्रद्धापूर्वक इस अवधि में ध्यान, मंत्र जाप और उपाय करने से जातक को जीवन में खुशियां और सफलता प्राप्त हो सकती है।

मंत्रों के जाप के साथ करें ये काम

ब्रह्म मुहूर्त में जागना सबसे उत्तम माना गया है। साथ ही, इस समय उठकर गायत्री मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए और अपने इष्ट देवता का भी ध्यान करें। अगर ज्यादा वक्त के लिए ऐसा करना संभव न हो तो कम से कम 10 से 15 मिनट ईश्वर का ध्यान और मंत्रों का जाप अवश्य करना चाहिए। साथ ही, अगर आप अपनी कोई मनोकामना पूरी करना चाहते हैं तो उसके लिए अपनी कामना को मन में रखकर ब्रह्म मुहूर्त में मंत्रों का जाप करें और श्रद्धा पूर्वक ईश्वर का ध्यान करें। ऐसा करने से जातक की मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं और भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, आपको जीवन के दुखों से छुटकारा मिल सकता है।

ब्रह्म मुहूर्त में करें स्नान

मान्यता है कि ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कहा जाता है कि ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना दूध से स्नान करने के समान होता है। इससे आरोग्य की प्राप्ति होती और जातक के जीवन में खुशहाली आती है। स्नान से एक नई ऊर्जा महसूस होती है और मानसिक शांति प्राप्त होती है। साथ ही, कहा जाता है की ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करने से बल और बुद्धि की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में सुबह उठकर यह काम जरूर करना चाहिए।

तुलसी को दिखाएं दीपक

ब्रह्म मुहूर्त में मंत्रों का जाप और ईश्वर का ध्यान करने के बाद तुलसी के पास एक दीपक जरूर जलाना चाहिए। साथ ही, तुलसी में जल भी अर्पित करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से साधक के कई जन्मों के पापों का नाश होता है और मुक्ति प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होता है। ऐसे में सुबह तुलसी के पास एक दीया जरूर जलाना चाहिए। इससे जातक को जीवन में चल रही समस्याओं का समाधान मिल सकता है और करियर में आने वाली बाधाएं भी दूर होती हैं। साथ ही, कमाई दोगुनी होती है और सफलता के मार्ग खुलते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में करें योग साधना

सुबह 4 बजे उठकर एक शांत स्थान पर बैठें और ध्यान लगाकर योग साधना करें। मान्यता है की मन को एकाग्र करके ध्यान करने से मानसिक शांति महसूस होती है और तनाव दूर होता है। अपने मन में चल रहे विचारों को शांत करके नियमित रूप से ऐसा करने से बेहद उत्तम फल की प्राप्ति होती है। ब्रह्म मुहूर्त में उठने से सुंदरता, बुद्धि, स्वास्थ्य और सफलता की प्राप्ति होती है। इससे हर दिन की शुरुआत में नई ताजगी के साथ होती है और जीवन में पॉजिटिविटी बनी रहती है।

दक्षिण दिशा भी होती है शुभ, इन आसान वास्तु उपायों से घर में बनी रहेगी सुख-समृद्धि

वास्तुशास्त्र में हर दिशा का खास महत्व होता है। घर बनवाते समय, फर्नीचर रखते समय या कोई पेंटिंग लगाते वक्त दिशा का ख्याल रखना बहुत जरूरी माना जाता है। इससे घर में कभी भी वास्तुदोष नहीं लगता है। लेकिन अगर किसी के घर का मेन गेट दक्षिण दिशा में हो तो इसे एक बड़ा वास्तुदोष माना जाता है। हालांकि, वास्तुशास्त्र में दक्षिण दिशा को भी बहुत शुभ माना गया है। इस ओर कुछ चीजों को बनवाने, रखने और छोटे-छोटे उपाय करने से दक्षिण मुखी घर में भी सुख-समृद्धि, शांति, स्वस्थ और संपन्न जीवन व्यतीत किया जा सकता है।

घर की दक्षिण दिशा में क्या रखें और क्या न रखें?

वास्तुशास्त्र में दक्षिण दिशा से जुड़े कुछ नियम बताए गए हैं, जिनका ख्याल रखने से अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। दक्षिण दिशा में भूलकर भी घड़ी नहीं रखना चाहिए। इससे घर के मुखिया की आयु पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, फ्रिज भी इस दिशा में नहीं रखना चाहिए क्योंकि, यह दिशा अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करती है। अलमारी या तिजोरी दक्षिण दिशा में रखने से धन की हानि हो सकती है। हालांकि, अपने घर के भीतर दक्षिण दिशा में आप भारी सामान रख सकते हैं। इस स्थान पर स्टोर रूम, बेड की सिरहाना, भारी वजन वाली वस्तुएं आदि रख सकते हैं। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

घर के बुजुर्ग सदस्यों के लिए बनाएं बेडरूम

माना जाता है कि दक्षिण दिशा में घर के बड़े-बुजुर्गों के लिए शयनकक्ष बनाना शुभ होता है। साथ ही, बेड का सिरहाना कमरे में दक्षिण दिशा में ही होना चाहिए। ऐसा करने से अच्छी नींद आती और अनिद्रा की समस्या से राहत मिल सकती है। साथ ही, दक्षिण दिशा में सिरहाना रखने से आसपास का माहौल भी सकारात्मकता बना रहता है और रात में सोते समय शांति महसूस होती है।

दक्षिण मुखी मकान में कर सकते हैं ये काम

वास्तुशास्त्र के अनुसार, अगर कोई मकान दक्षिण मुखी हो तो उसमें होटल, टायर, रसायन, हार्डवेयर, ब्यूटी पार्लर, तेल आदि की दुकान की जा सकती है। इन चीजों के लिए दक्षिण दिशा शुभ साबित हो सकती है। लेकिन इसके लिए वास्तु के कुछ अन्य नियमों का ख्याल भी जरूर रखना चाहिए। अगर आप वास्तु उपाय के साथ यहां कोई काम शुरू कर सकते हैं, तो इससे उत्तम फल की प्राप्ति हो सकती है और वास्तुदोष भी नहीं लगता है।

दक्षिण मुखी घर में जरूर करें ये उपाय

इस दिशा में आप पत्थरों की दीवार खड़ी करवाने के बाद उस पर लाल फूलों की बेल रख सकते हैं। इसके अलावा, दीवार को लाल रंग से पेंट करना भी शुभ रहेगा। दक्षिण मुखी घर होने पर आप इस दिशा की भूमि के अंदर तांबे का तार बिछा सकते हैं। साथ ही, दक्षिण दिशा में भगवान हनुमान या कालभैरव की तस्वीर लगाई जा सकती है। इससे घर से नकारात्मक ऊर्जा और शक्तियां दूर होती हैं। इसके अलावा, तांबे पर मंगल यंत्र बनवाकर दक्षिणी दीवार या दरवाजे पर लगाया जा सकता है। साथ ही, इस दीवार पर कम से कम खिड़की या दरवाजे बनवाने चाहिए। वास्तु के ये उपाय करने से घर में बरकत होती है और तिजोरी हमेशा धन से भरी रह सकती है।

दक्षिण दिशा के इन नियमों का ध्यान रखने से होगा लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार, दक्षिण मुखी घर होने पर पानी की टंकी, रसोई घर, टॉयलेट, बाथरूम और पानी की टंकी सही स्थान पर सही दिशा में होने चाहिए। साथ ही, पूर्व और उत्तर दिशा का ज्यादा से ज्यादा खाली रखने का प्रयास करना चाहिए। वास्तु के इन नियमों का ध्यान रखने से घर में हमेशा सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम देखने को मिलता है और जीवन में तरक्की के नए मार्ग खुलते हैं।

हंसने के तरीके से जानें जीवन के कई रहस्य

हर किसी की मुस्कान बेहद खूबसूरत होती है। लेकिन हर व्यक्ति के हंसने का तरीका अलग-अलग होता है। कोई खुलकर हंसता है, कोई आंखें बंद करके हंसता है, इसी प्रकार सभी की मुस्कान अलग होती है। हस्तरेखा शास्त्र और सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार हमारी मुस्कान हमें अपने जीवन और व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बताती है। तो आइए विस्तार से जानते हैं कि हमारे हंसने का तरीका व्यक्तित्व और भविष्य के बारे में क्या-क्या बताता है।

ऐसी हंसी होती है सबसे उत्तम

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, हंसते वक्त जिन लोगों के दांत बाहर की ओर नहीं आते हैं उन्हें बहुत उत्तम माना जाता है। ऐसे लोगों का व्यक्तित्व बहुत अच्छा होता है और इनका स्वभाव भी बहुत सरल होता है। इन लोगों को विश्वास योग्य भी माना जाता है। ये लोग किसी का भी विश्वास नहीं तोड़ते हैं और हमेशा साथ खड़े रहते हैं। जिन लोगों के दांत हंसते वक्त न दिखाई दे उन्हें बहुत सौभाग्यशाली माना जाता है।

ऐसी हंसी वाले मन की बात नहीं करते जाहिर

माना जाता है कि जो व्यक्ति हंसते वक्त अपनी आंखें बंद कर लेता है, ऐसे लोग अपने मन की बात खुलकर किसी के सामने नहीं रखते हैं। आंखें बंद करके हंसने वाले लोग कई बातों को अपने मन में छिपाकर रखते हैं। कोई परेशानी आने पर भी ये बात को अंदर ही रखते हैं और समस्या का सामना अकेले करते हैं। ये लोग अपने तरीके से जीवन जीना पसंद करते हैं।

ऐसे लोग जीवनभर करते हैं उन्नति

आपने कई लोगों को देखा होगा कि वे हमेशा मुस्कुराते हुए नजर आते हैं और उनके चेहरे पर एक हल्की हंसी जरूर रहती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिनका मुख हमेशा मुस्कुराता हुआ रहता है वह जीवन में खूब उन्नति करते हैं। इन्हें कभी भी किसी चीज की कमी महसूस नहीं होती है। साथ ही, अपनी मेहनत से हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हैं और बेहतर जीवन व्यतीत करते हैं।

स्त्री की ऐसी हंसी होती है सौभाग्यशाली

हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक, जिन महिलाओं के हंसते वक्त दांत नहीं दिखाई देते हैं और वे थोड़ा सा मुख खोलकर हंसे, ऐसी स्त्रियों को बहुत सौभाग्यशाली माना जाता है। ऐसी महिलाएं अपने मन की प्रसन्नता को खुलकर व्यक्त करती हैं। साथ ही, ये शांति पसंद करती हैं और किसी भी परिस्थिति में धैर्य रखती हैं। यही कारण है कि ये मुश्किल परिस्थिति से भी आसानी से निकल जाती हैं और जीवन में भी खूब तरक्की करती हैं।

खुलकर जीवन जीती हैं ऐसी महिलाएं

आपने कई स्त्रियों को एकदम खुलकर यानी ठहाका मारकर ऊंचे स्वर में हंसते हुए देखा होगा। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जो महिलाएं ठहाका मारकर हंसती हैं वे अपने तरीके से जीवन जीना पसंद करती हैं और दुनिया की परवाह नहीं करती हैं। इन्हें खुलकर जीना पसंद होता है। चाहें लोग इन्हें अहंकारी ही क्यों न समझें, ये जिंदादिली से जीवन जीना पसंद करती हैं।

इन्हें उठानी पड़ती हैं परेशानियां

हस्तरेखा विज्ञान में बताया गया है कि जो हंसते वक्त तेज आवाज निकालते हैं, उनका व्यवहार थोड़ा बदलने वाला होता है। ये परिस्थिति के अनुसार अपने आप को बदल लेते हैं। साथ ही, ये बहुत बुद्धिमान और चतुर भी होते हैं। इसी के चलते अपना काम भी बहुत आसानी से पूरा कर लेते हैं। लेकिन कहा जाता है कि तेज हंसने वालों को जीवन में कठिनाइयों और बाधाओं का सामना भी करना पड़ता है।

सन्नी अग्रवाल और अमिताभ बच्चन निभाएंगे फ़िल्म 'महाराजा अग्रसेन' में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ

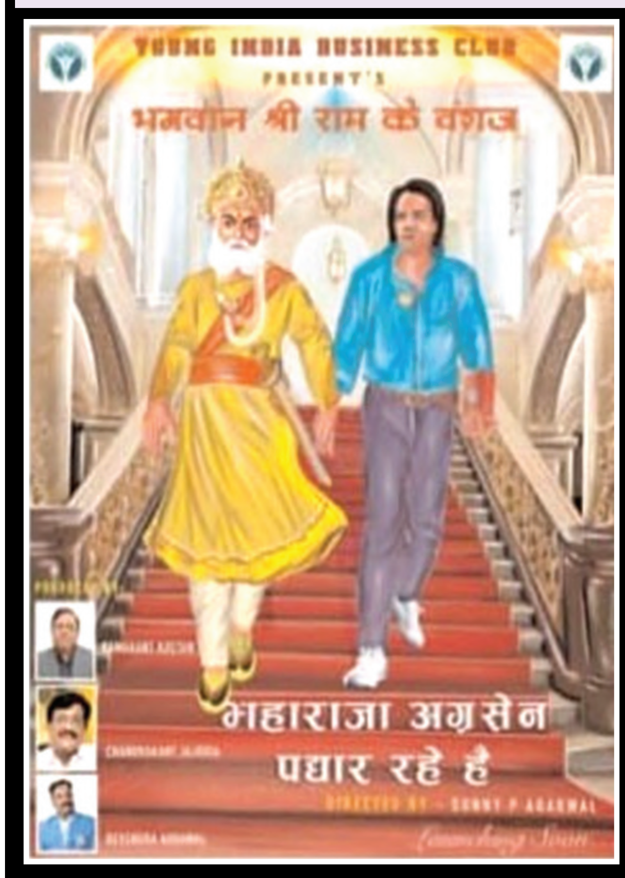

राजस्थानी फिल्मों के चर्चित अभिनेता और निर्देशक सन्नी अग्रवाल जल्द ही बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन के साथ बड़े पर्दे पर नज़र आएंगे। दोनों कलाकार आगामी फ़िल्म 'महाराजा अग्रसेन' में अहम किरदार निभाने जा रहे हैं। फ़िल्म में अमिताभ बच्चन महाराजा अग्रसेन की मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। राजस्थानी सिनेमा का यह चमकता सितारा सन्नी अग्रवाल किसी परिचय का मोहताज नहीं है। राजस्थानी फ़िल्मों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बचपन से ही फ़िल्म इंडस्ट्री में नाम कमाने का सपना देखने वाले सन्नी ने राजस्थानी, भोजपुरी, गुजराती और हिंदी फिल्मों में अभिनय कर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया है।

उनकी राजस्थानी भाषा में बनी धार्मिक और सामाजिक फिल्मों–भक्त धन्ना जाट, म्हारा श्यामधणी दातार, जय जीणमाता, जीवती रै बेटी, माटी हेलो पाड़े रै–ने दर्शकों के दिल में एक खास जगह बनाई है।

फ़िल्म इंडस्ट्री में अपने योगदान और उत्कृष्ट अभिनय के लिए सन्नी अग्रवाल को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें मरुधरा गौरव पुरस्कार, राजस्थानी रत्न पुरस्कार, अग्रवाल रत्न पुरस्कार, समाज रत्न पुरस्कार, और राजस्थानी भाषा व संस्कृति पुरस्कार शामिल हैं। इसके अलावा भक्त धन्ना जाट में शानदार अभिनय के लिए उन्हें राजस्थान सरकार का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार भी मिल चुका है।

जल्द ही रिलीज़ होने वाली फ़िल्म महाराजा अग्रसेन में सन्नी अग्रवाल और अमिताभ बच्चन की जोड़ी दर्शकों को एक नई ऐतिहासिक कथा से रूबरू कराने जा रही है।

जिंदगी के सफर में... किशोर दा के गाने को गुनगुनाते नजर आए रोहित रॉय

टीवी और फिल्म अभिनेता रोहित रॉय सोशल मीडिया पर अक्सर फैंस के साथ कुछ न कुछ खास शेयर करते रहते हैं। लेटेस्ट पोस्ट में अभिनेता दिवंगत गायक किशोर कुमार के सदाबहार गाने 'जिंदगी के सफर में...' को गुनगुनाते नजर आए। रोहित ने इसे अपना पसंदीदा ट्रैक बताया। इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए रोहित रॉय ने बताया कि पैक-अप के बाद का खाली समय अपने सबसे पसंदीदा शौक में बिता रहे हैं और वह है संगीत। उन्होंने कराओके ट्रैक के साथ गाना गाया और शानदार अंदाज में परफॉर्म किया। पोस्ट के कैप्शन में रोहित ने कराओके इंटरैक्टिव एंटरटेनमेंट का जिक्र करते हुए लिखा, ज्यादातर पैक अप करने के बाद कुछ काम नहीं था, तो मैंने वो किया जिससे मुझे खुशी मिलती है! कराओके ट्रैक कभी-कभी तेज होते हैं और गाने का फील खराब कर देते हैं। किशोर दा के मेरे सबसे पसंदीदा ट्रैक में से एक! सुरीले और मतलब वाले आखिर तक देखें। रोहित रॉय ने इस गाने को अपना सबसे पसंदीदा ट्रैक बताया और कहा कि किशोर कुमार के गाने न सिर्फ सुरीले होते हैं बल्कि उनमें गहरा मतलब भी छुपा होता है। अभिनेता की पोस्ट पर कमेंट्स में तारीफ भी मिली। अभिनेता नील नितिन मुकेश ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए गाने को अपना भी पसंदीदा गाना बताया, उन्होंने लिखा, मेरे पसंदीदा गीतों में से एक। रोहित कई सफल टीवी शोज और फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। टेलीविजन की सफलता के बाद रोहित ने बॉलीवुड का रुख किया और अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया। 'शूटआउट एट लोखंडवाला,' 'काबिल,' और 'मुंबई सागा' जैसी फिल्मों में उनके काम को दर्शकों ने सराहा।

रोहित रॉय सलमान खान के 'बिग बॉस' और रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे रियलिटी शोज में भी हिस्सा ले चुके हैं। रोहित एक्टर के साथ ही निर्माता-निर्देशक भी हैं।

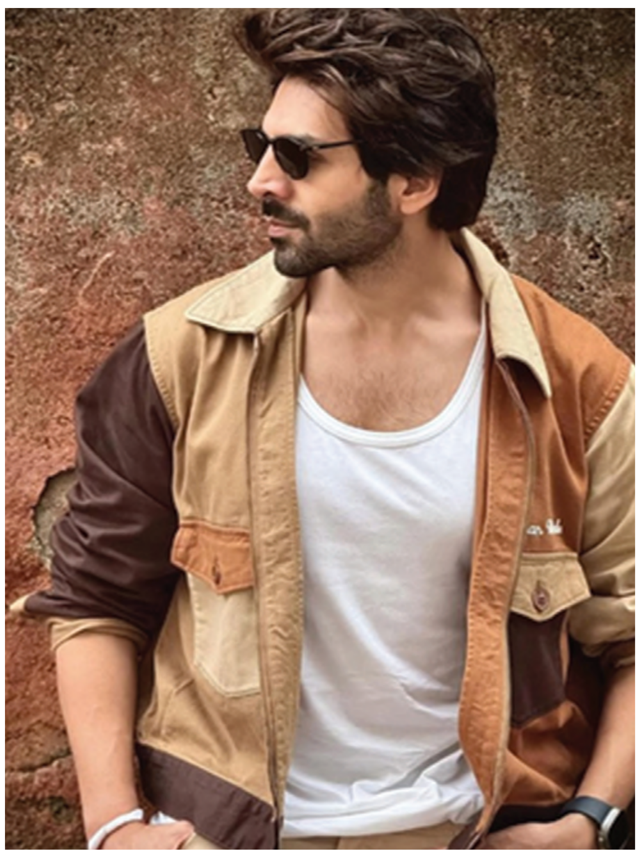

कार्तिक आर्यन : कॉमिक टाइमिंग के जादूगर, जानें कैसे बने बॉलीवुड के रोम-कॉम किंग

बॉलीवुड में कुछ ऐसे कलाकार होते हैं जो अपने चेहरे की मासूमियत, हंसी और स्क्रीन पर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। कार्तिक आर्यन ऐसे ही एक कलाकार हैं, जिन्होंने रोमांस और कॉमेडी से बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया है। उनकी फिल्में दर्शकों का लंबे समय से मनोरंजन करती आई हैं। उनकी फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ ह्यूमर का जबरदस्त मेल देखने को मिलता है, जिसके चलते उन्हें आज 'बॉलीवुड का रोम-कॉम किंग' कहा जाता है। कार्तिक आर्यन का जन्म 22 नवंबर 1990 को मध्य प्रदेश के शहर ग्वालियर में हुआ। उनका असली नाम कार्तिक तिवारी है, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में आने के लिए अपना सरनेम बदलकर आर्यन रख लिया। उनके माता-पिता दोनों डॉक्टर हैं, इसलिए उनके परिवार की पहली इच्छा थी कि कार्तिक भी डॉक्टर बने। लेकिन कार्तिक के दिल में फिल्मी दुनिया का सपना था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे एक्टिंग की ओर भी आकर्षित होते गए।

2011 में कार्तिक आर्यन ने बॉलीवुड में कदम रखा और 'प्यार का पंचनामा' फिल्म से डेब्यू किया। इस फिल्म में उनका किरदार 'रजत' नाम के लड़के का और उन्होंने एक सीन में लगभग पांच मिनट का लंबा मोनोलॉग बिना रुके कहा। यह मोनोलॉग आज भी बॉलीवुड की यादगार पलों में गिना जाता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और कार्तिक की प्रतिभा को खूब सराहा गया। इस मूवी ने उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में दरवाजे खोल दिए।

इसके बाद उन्होंने कई रोमांटिक फिल्मों में काम किया, लेकिन उनकी असली पहचान तब बनी जब उन्होंने 'प्यार का पंचनामा 2', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', और 'लुका छुपी' जैसी फिल्में की। इन फिल्मों में उन्होंने अपने कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया। 'सोनू के टीटू की स्वीटी' में उनका किरदार ऐसा था जो दर्शकों के दिलों में तुरंत उतर गया। 'लुका छुपी' में उनकी मासूमियत और मजेदार अंदाज ने फिल्म को और भी हिट बनाया। इन फिल्मों के जरिये कार्तिक ने साबित किया कि वह सिर्फ रोमांटिक हीरो नहीं, बल्कि कॉमेडी में भी माहिर हैं।

कार्तिक आर्यन ने इसके अलावा 'पती-पत्नी और वो' जैसी फिल्मों में भी शानदार प्रदर्शन किया। कॉमेडी के साथ-साथ कार्तिक ने 'भूल भुलैया 2' और 'भूल भुलैया 3' जैसी हॉरर-कॉमेडी फिल्में भी की, जो सुपरहिट रहीं। इसके अलावा, उन्होंने 'धमाका' और 'फ्रेडी' जैसी फिल्में कर करके अपने अभिनय की सीमा को और बढ़ाया। 'धमाका' में उन्होंने एक जर्नलिस्ट का किरदार निभाया, जबकि 'फ्रेडी' में वह एक शर्मीले और शांत डेंटिस्ट बने, जिसमें उनका डार्क और सस्पेंस से भरा अंदाज देखने को मिला।

करियर में अपनी मेहनत और अभिनय से उन्होंने कई पुरस्कार भी जीते। उन्हें स्टारडस्ट अवार्ड, जी सिने अवाड्र्स, आईफा, और फिल्मफेयर आदि में नामांकन और पुरस्कार मिल चुके हैं। हाल ही में उन्हें 'भूल भुलैया 3' और 'चंदू चैंपियन' के लिए भी कई पुरस्कार मिले।

धुरंधर टैलेंटेड लोगों की जबरदस्त टीम : यामी गौतम

सच्ची घटना पर आधारित हाई-ऑक्टेन फिल्म 'धुरंधर' अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में फिल्म मेकर्स ने ट्रेलर जारी किया, जो जमकर धमाल मचा रहा है। एक्ट्रेस यामी गौतम ने भी ट्रेलर को शानदार और कभी न भूलने वाला बताया। एक्ट्रेस यामी गौतम ने बताया कि ट्रेलर को वह कई बार देख चुकी हैं। बार-बार देखकर हैरान हैं और अपने पति, फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर की तारीफ करते नहीं थक रही हैं। यामी ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर की तारीफ में एक लंबा पोस्ट लिखा। यामी ने लिखा, मैंने इस ट्रेलर को कई बार देख लिया है और अभी भी इसे भूल नहीं पा रही हूं। आप ऐसे ही कमाल करते हो। पागलपन असली है हाइप बिल्कुल रियल है उड़ान सबसे ऊंची हो 'धुरंधर'। अपने पति और डायरेक्टर आदित्य धर को खास अंदाज में बधाई देते हुए यामी ने लिखा, मैं आपकी सबसे बड़ी फैन हूं आदित्य धर। पूरी ओजी टीम और मेरे 'वंडर बॉय' को ढेरों बधाई। इस बेहद टैलेंटेड टीम ने जो बनाया है, वह सचमुच जबरदस्त है। अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' हाई-ऑक्टेन स्पाई एक्शन थ्रिलर है, जो रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के गुप्त ऑपरेशन्स पर बनी है। असली घटनाओं से प्रेरित कहानी में अंडरवर्ल्ड, देशभक्ति, धोखे और जासूसी का तड़का है। फिल्म को डायरेक्ट करने के साथ ही आदित्य धर ने इसे लिखा और को-प्रोड्यूस भी किया है। ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी प्रोड्यूसर हैं। फिल्म के म्यूजिक को शाश्वत सचदेव ने कंपोज किया है। फिल्म के स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें रणवीर सिंह एक एजेंट के किरदार में नजर आएंगे।रणवीर के साथ फिल्म में आर माधवन, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, सारा अर्जुन जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं। 'धुरंधर' की शूटिंग देश के कई हिस्सों के साथ ही लद्दाख में भी हुई है।

दो टांगों पर स्टंट करते-करते पता नहीं चला, अजय देवगन ने पूरे किए अपने करियर के 34 साल

एक्शन और रोमांस से भरी 'फूल और कांटे' अजय देवगन के करियर की पहली फिल्म थी, जो एक बड़ी हिट भी साबित हुई थी। इस फिल्म के लिए अजय को बेस्ट न्यूकमर एक्टर के खिताब से नवाजा गया। देखते ही देखते आज एक्टर ने अपने करियर के 34 साल पूरे कर लिए हैं और अपनी जर्नी को लेकर खुद से सवाल भी किए हैं और उनके जवाब भी दिए हैं। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर करियर के 34 साल पूरे होने की खुशी में एक वीडियो पोस्ट की है। वीडियो में अजय देवगन के दो रूप दिख रहे हैं। एक तरफ युवा अजय दिख रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ आज के फिट अजय दिख रहे हैं। दोनों के बीच सवाल-जवाब का सिलसिला शुरू होता है। यंग अजय सवाल करते हैं कि पता है आज क्या है? सामने से जवाब आता है, क्यों, आज 2 अक्टूबर तो नहीं है? अरे, आज मेरी पहली फिल्म रिलीज हुई थी। यंग अजय दूसरा सवाल करते हैं, और तुम अपनी दो बाइक वाली एंट्री आज भी करते हो। सामने से जवाब आता है, दो-दो बाइक, दो घोड़े, दो टैंक सब ट्राई कर लिया है। इन सवाल-जवाब में मस्ती के अलावा एक्टर के करियर की मेहनत भी झलकती है।

अजय देवगन ने वीडियो को शेयर कर लिखा, दो टांगों पर स्टंट करते-करते 34 साल कब निकल गए पता नहीं चला। 'फूल और कांटे' फिल्म पर्दे पर हिट रही थी, लेकिन इसी फिल्म में दो बाइक पर, दो टांगों के सहारे अजय देवगन का स्टंट काफी वायरल हुआ था। ऐसे सीन एक्टर ने एक ही फिल्म में नहीं, बल्कि कई फिल्मों में अलग-अलग तरीकों से अपनाए थे।

अपनी हर फिल्म के एंट्री सॉन्ग में अजय नए ही स्टंट के साथ नजर आते थे, लेकिन आज वे ब्लैक स्कॉर्पियो हवा में ब्लास्ट कर रोहित शेट्टी के साथ खतरनाक लेवल का स्टंट करते हैं। 'फूल और कांटे' के बाद एक्टर 1992 में आई 'जिगर', 1993 में आई 'दिव्य शक्ति', 'संग्राम', 'शक्तिमान', 'दिल है बेताब', 1994 में आई 'विजयपथ', और 'सुहाग' में दिखे। एक्टर ने अपने करियर में तकरीबन 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और आज भी ओटीटी और सिनेमाघर दोनों में अपनी एक्टिंग से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं।

हरिद्वार में गंगा स्नान करने पहुंची खुशबू पाटनी, माथे पर चंदन लगाकर किया भगवान शिव का ध्यान

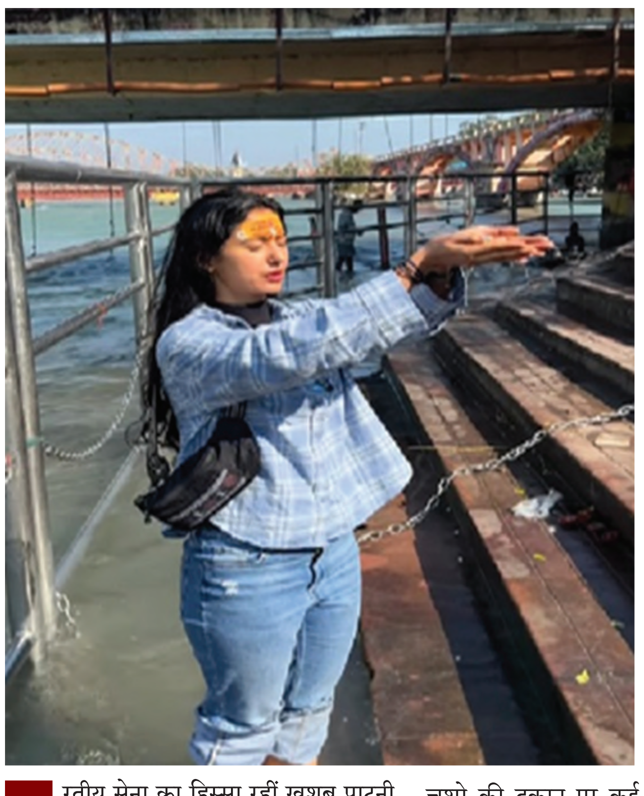

भारतीय सेना का हिस्सा रहीं खुशबू पाटनी सोशल मीडिया का बड़ा चेहरा हैं। वे भले ही अपनी बहन दिशा पाटनी की तरह मीडिया की चकाचौंध से दूर हैं, लेकिन सामाजिक कार्य कर लोगों की मदद करने में सबसे आगे हैं। अब खुशबू को हरिद्वार में गंगा स्नान के बाद वहां के लोकल बाजार का आनंद लेते हुए देखा गया। खुशबू पाटनी ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की है। वीडियो में वे खुद अपने आस-पास के बाजार का एक्सपीरियंस शेयर कर रही हैं। वीडियो में वे कहती हैं कि हम हरिद्वार आए हुए हैं, वैसे तो हम यहां सिर्फ जल लेने आए थे। तभी उनकी नजर वहां खड़े चश्मे वाले पर पड़ती है। खुशबू चश्मे की दुकान पर कई चश्मे ट्राई करती हैं और उन्हें फाइनली एक चश्मा पसंद भी आ जाता है। जिसके बाद वे एक छोटी बच्ची के साथ दिखती हैं, जो उनके माथे पर चंदन लगाकर त्रिपुंड बनाती हैं, और प्यार से बच्ची को गले भी लगाती हैं। वीडियो में खुशबू हरिद्वार के सुंदर नजारे दिखाती हैं और मां मनसा देवी मंदिर के दर्शन भी कराती हैं। उन्हें हरिद्वार का माहौल काफी अच्छा लगा है क्योंकि वे खुद को आध्यात्म के करीब पा रही हैं। इससे पहले उन्होंने गंगा स्नान की फोटोज भी पोस्ट की थी। बता दें कि खुशबू सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस जर्नी और लोगों की मदद करने के लिए जानी जाती है।

कुछ महीने पहले ही उन्होंने बरेली में अपने घर के पास से एक साल की बच्ची को रेस्क्यू किया था। उन्होंने बच्ची को बचाया, उसकी देखभाल की, और पुलिस को मामले की सूचना देने के बाद, बच्ची के माता-पिता को भी पुलिस की मदद से ढूंढ निकाला था। उनके इस काम के लिए सोशल मीडिया पर उन्हें बहुत सराहा गया था। हालांकि, प्रेमानंद महाराज को लेकर दिए एक कथित बयान की वजह से वे विवादों में भी घिर गई थीं।

खुशबू ने साफ कर दिया था कि उनका बयान अनिरुद्धाचार्य महाराज को लेकर था, जो महिलाओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। इनके बयान को प्रेमानंद महाराज के साथ न जोड़ा जाए। दरअसल सोशल मीडिया पर प्रेमानंद महाराज और खुशबू की वीडियो को साथ जोड़कर वायरल किया जा रहा था।

कल्याणी प्रियदर्शन ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

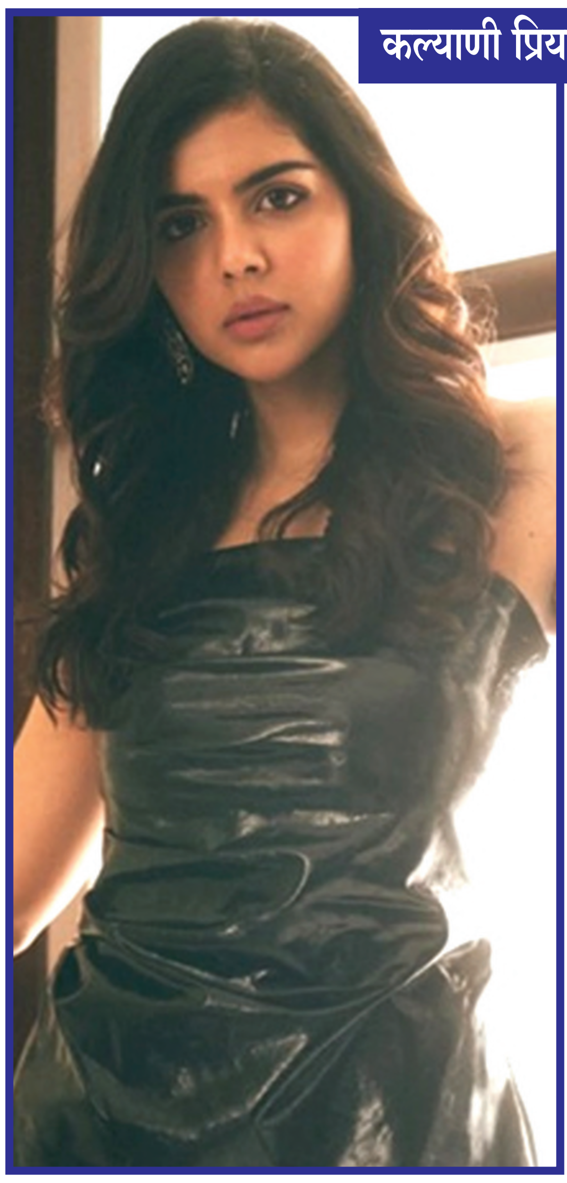

तमिल अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'लोका' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और उन्हें पैन-इंडिया स्टार के रूप में मजबूती भी दी। इस सफलता के बाद दर्शक और फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। इस कड़ी में उनकी नई फिल्म की आधिकारिक जानकारी सामने आई है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म की खास बात यह है कि यह महिला-प्रधान कहानी है। फिल्म की पूरी कहानी एक महिला पात्र के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसकी भावनाओं, संघर्षों और सफर को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का निर्देशन थिरियम एस. एन. कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण पोटेंशियल स्टूडियोज कर रहा है। यह फिल्म उनका सातवां प्रोजेक्ट है और इससे पहले वे 'माया', 'मानगरम', 'मॉन्स्टर', 'तानक्करन', 'इरुगापत्रु' और 'ब्लैक' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इन सफल फिल्मों के चलते दर्शकों का विश्वास इस बैनर पर पहले से ही बना हुआ है, और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह नई फिल्म भी उसी गुणवत्ता को आगे बढ़ाएगी।

कल्याणी प्रियदर्शन की कामयाबी और पोटेंशियल स्टूडियोज की लगातार सफल फिल्मों की सीरीज ने इस नए प्रोजेक्ट को पहले ही एक बड़े स्तर पर पहुंचा दिया है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कल्याणी इस बार किस तरह का किरदार निभाएंगी। फिल्म में कल्याणी के साथ देवदर्शिनी और 'नान महान अल्ला' फेम विनोद किशन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे।फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायलॉग्स प्रवीण भास्कर, श्री कुमार और खुद निर्देशक थिरवियम ने मिलकर लिखे हैं। संगीत की कमान तमिल फिल्म जगत के उभरते हुए संगीतकार जस्टिन प्रभाकरन ने संभाली है, जिनकी धुनें हमेशा दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं।

टोंक में सचिन पायलट के समर्थक सउद सईदी बने जिलाध्यक्ष

टोंक, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की ओर से शनिवार को 45 कांग्रेस जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई। पार्टी की ओर से जारी लिस्ट में टोंक के कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा को भी बदल दिया है। टोंक में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के समर्थक सैय्यद सउद सईदी को कांग्रेस का नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इसी के साथ मुस्लिम समुदाय की लंबे समय से कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद पर मुस्लिम समुदाय के नेता को नियुक्त करने की मांग भी पूरी हों गई है। बताया जा रहा हैं 45 साल में दूसरी बार मुस्लिम समुदाय से कांग्रेस जिलाध्यक्ष बना हैं ।

शनिवार को देर रात एआईसीसी ने नए अध्यक्षों की सूची का ऐलान किया, जिसमें टोंक विधायक सचिन पायलट के नजदीकी सईदी को जिम्मेदारी दी गई है। सऊदी के नाम की घोषणा के समय पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा व सऊद सईदी सवाई माधोपुर में कांग्रेस नेता दिनेश चौरसिया के बेटे की शादी समारोह में मौजूद थे। नाम की घोषणा के बाद पूर्व जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने बुके देकर नए जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर हंसराज फागना, सी पी श्रीवास्तव, मनिंद्र लोदी, अलका बैरवा, धर्मेंद्र सालोदिया, मूलचंद बैरवा, सुभाष मिश्रा, कमलेश चावला,भागचंद गुज़र, नीरज गुजर, सुलेमान, जावेद चिश्ती , अरशद चिश्ती सहित समारोह में काग्रस व अन्य दलों के कई नेताओ सभी ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सऊद सईदी का स्वागत किया। सईदी पायलट के समर्थक माने जाते हैं। इन्होंने पायलट का टोंक विधानसभा चुनाव मैनेजमेंट देखा था। साथ ही युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं और पीसीसी सदस्य हैं। वे निर्दलीय चुनाव भी लड़ चुके है।

वहीं राजस्थान कांग्रेस के अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक, मदरसा बोर्ड के प्रदेश सदस्य भी रह चुके है। सईदी टोंक जिलाध्यक्ष बनाने के बाद कहा कि वे सबको साथ लेकर चलेंगे। बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं से लेकर जिला स्तर के नेताओं के साथ बेहतर तालमेल बनाएंगे। कार्यकर्ताओं को और सक्रिय किया जाएगा।

सीएम भजनलाल शर्मा ने पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया

जयपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर बच्चों को दवा पिलाकर प्रदेशभर में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने 'दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार' पोस्टर का विमोचन भी किया।

खनन गतिविधियों से जुड़े कार्य दिसंबर के दूसरे पखवाड़े से होंगे पेपरलेस

ऑनलाईन निष्पादन के लिए अधिकारी पाबंद

उदयपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। खान विभाग ऑनलाईन कार्य-निष्पादन के प्रति गंभीर हो गया है। उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, जोधपुर और कोटा वृत के माइंस विभाग के अधिकारियों की उदयपुर चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री परिसर में रविवार को ओरियंटेशन कार्यशाला में अधिकारियों को विस्तार से जानकारी देने के साथ सख्ती से पाबंद किया गया है।

एक दिवसीय ओरियंटेशन कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए निदेशक खान महावीर प्रसाद मीणा ने स्पष्ट कहा कि 15 दिसंबर से खान विभाग के कार्यालयों में खनन गतिविधियों से संबंधित कार्य ऑनलाईन ही होंगे। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा पंचनामा और निरीक्षण के मोबाइल एप, 14 ऑनलाईन मॉड्यूल्स और वेबसाइट आधारित ऑनलाईन एप्लिकेशन प्रयोग में लाना आरंभ कर दिया है। मुख्यालय और राज्य सरकार स्तर पर दिसंबर के पहले पखवाड़े से ही मोनिटरिंग आरंभ कर दी जाएगी। निदेशक खान मीणा ने कहा कि राज्य सरकार का पारदर्शी व्यवस्था के तहत पेपरलेस कार्य निष्पादन को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि ओरियंटेशन कार्यशाला का आयोजन अधिकारियों व कार्मिकों को ऑनलाईन प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी देने के साथ ही जिज्ञासाओं के निस्तारण के लिए किया गया है।

अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय और नोडल अधिकारी महेश माथुर ने बताया कि ऑनलाईन कार्य निष्पादन से विभागीय कार्य में पार्दर्शिता, आमजन के कार्यों की समयवद्ध निष्पादन और माइंस विभाग से जुड़े स्टेकहोल्डर्स और आमजन को सरकारी कार्यालयों अनावश्यक आवाजाही नहीं होगी, इससे उनको राहत के साथ ही धन व समय की भी बचत होगी।माथुर ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग की दिशा में यह खान विभाग का बढ़ता कदम है। उन्होंने बताया कि शनिवार को जयपुर, भरतपुर, बीकानेर, अजमेर आदि के अधिकारियों व कार्मिकों की ओरियंटेशन कार्यशाला में राज्य सरकार के स्पष्ट संदेश से अवगत करा दिया गया है।

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे अरुण चतुर्वेदी

जोधपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर लौटते समय रविवार देर रात एक बड़ा हादसा टल गया। वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अरुण ओमप्रकाश माथुर की पोती के विवाह समारोह में शामिल होकर वापस जयपुर आ रहे थे। तभी ब्यावर जिले के पीपलाज क्षेत्र में अचानक एक नीलगाय सरकारी वाहन के बिलकुल सामने आ गई।

तेज़ रफ़्तार में दौड़ती सड़क पर नीलगाय के अचानक उछलकर सामने आने से वाहन अनियंत्रित हो गया और भयानक टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कुछ पलों के लिए सबके होश उड़ गए, लेकिन सौभाग्य से किसी बड़ी अनहोनी से बचाव हो गया। दुर्घटना में अरुण चतुर्वेदी सहित वाहन सवार सभी को सामान्य चोटें आई हैं और उनकी हालत पूरी तरह सुरक्षित बताई जा रही है। मौके पर स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद की और सभी को सुरक्षित निकाल लिया।रात के अंधेरे में हुआ यह हादसा एक बार फिर यह एहसास कराता है कि सड़क पर अचानक पशुओं का आ जाना किस तरह जानलेवा साबित हो सकता है।

डिवाइडर तोड़कर आई थार ने श्रद्धालुओं की इको को मारी टक्कर, 2 की मौत, 8 घायल

भरतपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मथुरा बाइपास स्थित गोलपुरा मोड़ के पास देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें दूदू से लौट रहे श्रद्धालुओं की इको कार को सामने से डिवाइडर तोड़कर आई तेज रफ्तार थार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से एक को डॉक्टरों ने जयपुर रेफर कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थार गाड़ी अखड्ड की ओर से तेज रफ्तार में डिवाइडर तोड़कर सीधे इको कार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इको कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार श्रद्धालु अंदर फंस गए। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि थार चालक नशे की हालत में था और ओवर स्पीड में वाहन चला रहा था। गुस्साए ग्रामीणों ने जहां घायलों को बाहर निकालने में मदद की, वहीं भड़के लोगों ने चालक की पिटाई भी कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और थार में सवार चारों युवकों को डिटेन कर लिया। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। घायलों को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इको कार चालक 25 वर्षीय नरेंद्र और महिला श्रद्धालु नीतू को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को जयपुर रैफर किया गया है। सेवर थानाधिकारी सतीशचंद शर्मा के अनुसार, सभी घायलों का उपचार आरबीएम में जारी है और थार चालक सहित अन्य सवारों से पूछताछ की जा रही है।

इंसान की इंसानियत ही इंसान होने की पहचान है : विजय मुनि

अलवर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। आचार्य विजय मुनि महाराज ने कहा है कि जिस इंसान में इंसानियत है, वही इंसान की पहचान है। धर्म के मार्ग पर चलोगे तो विवेकशीलता आयेगी अन्यथा संसार में आना ही बेकार है। उन्होंने कहा कि जीवन में जिसने अहिंसा को जीवन में उतार लिया वही उसके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विजय मुनि महाराज आज स्थानीय सूर्य नगर में आयोजित भगवान पाश्र्वनाथ पद्मावती मंदिर के वार्षिकोत्सव में श्रद्वालुओं के बीच अपना उद्वोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि धर्म हमेशा जोडऩे का कार्य करता है ना कि तोडऩे का। धर्म के मार्ग चलने से ही इंसान अपने जीवन की नैया को पार लगा सकता है। उन्होंने कहा कि जीवन में शाकाहार को अपनाने से जीवन अहिंसा की तरफ बढ़ता है और मूक प्राणियों की रक्षा करने का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

इससे पूर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के पूर्व नि:शक्तजन आयुक्त खिल्लीमल जैन ने कहा कि दिव्यांगों की सेवा और असहाय लोगों की सेवा करने के लिये जीवन में अपना लक्ष्य बनायें ताकि हम असहाय वर्ग और दिव्यांगों की सेवा कर सकें उनकी सहायता कर सकें। पूर्व नि:शक्तजन आयुक्त ने कहा कि हमको जीवन में शाकाहार के प्रति सदैव अपना जीवन समर्पित रखना चाहिये और मूक प्राणियों की रक्षा, अपने जीवन की चर्या बनायें।

इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि जैन

पत्रकार महासंघ अलवर के जिला संयोजक हरीश जैन ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से धर्म की प्रभावना बढ़ती है। उन्होंने कहा कि आचार्य विजय मुनि महाराज के सानिध्य में प्रतिवर्ष होने वाला यह कार्यक्रम धार्मिक प्रभावना को बढ़ाता है। इस अवसर पर पूर्व नि:शक्तजन आयुक्त खिल्लीमल जैन का सम्मान किया गया और विजय मुनि ने उन्हें शाकाहार के प्रति समर्पित बताया। कार्यक्रम में सुरेश मुनि महाराज ने भी अपने विचार रखते हुए धर्म के मार्ग से जुडऩे का आव्हान किया। कार्यक्रम में अरविन्द मुनि,चेतना मुनि व साध्वी समीक्षा जी का सानिध्य भी श्रद्वालुओं को मिला।

इस अवसर पर अतिथियों व बाहर से आये समाज सेवियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में श्री चन्द्र प्रभु विकलांग कल्याण समिति के अध्यक्ष अशोक जैन अगोनिज, समाज सेवी अशोक मेठी, जिनेश जैन, प्रदीप जैन, नगर परिषद की पूर्व सभापति शकुन्तला सोनी, बार एसो.की पूर्व अध्यक्ष सुषमा गुप्ता, समाज सेविका सरिता तोलानी सहित बाहर से आये अनेक श्रद्वालुजन शामिल रहे। इस अवसर पर विजय मुनि महाराज के हाथों कम्बलों व साडिय़ों का वितरण भी किया गया।

पोर्टलों से शासन नहीं चलता, नागरिक तक न्याय पहुंचना चाहिए : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आज जबकि हर सरकारी योजना को डिजिटल इंडिया और पोर्टलों से जोड़ने की बातें बड़े मंचों पर खूब गूंजती हैं, वास्तविकता यह है कि आम नागरिक के लिए वही पोर्टल अकसर दीवार बन जाते हैं। सरकार नए-नए शब्दों और चमकदार आंकड़ों की नुमाइश तो करती है, पर यह नहीं बताती कि अंतिम व्यक्ति तक व्यवस्था पहुंचे कैसे। कुमारी सैलजा ने मांग की है कि सरकार तकनीक को जनहित का माध्यम बनाए, बाधा नहीं। हर योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक सीधे पहुंचे, और डिजिटल व्यवस्था को सरल, सुलभ व पारदर्शी बनाया जाए। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकारी पोर्टल तभी सफल माने जाएंगे जब किसान, बुजुर्ग, मजदूर, छात्र और महिलाओं को बिना चक्कर काटे, बिना दलालों के चंगुल में फंसे, उनकी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हों। केवल तकनीक का बखान करने से शासन संवेदनशील नहीं बन जाता। बैठकों और रिपोर्टों में विकास की ऐसी तस्वीर पेश की जा रही है जैसे प्रदेश में 'स्वर्णकाल' चल रहा हो, जबकि हकीकत इससे बिलकुल उलट है।

सांसद ने कहा कि प्रदेश का किसान तो पोर्टल के खेल में पिसकर रह गया है, अगर फसल का ब्यौरा भी पोर्टल पर डाल दिया जाए तो उसका भी कोई लाभ नहीं मिलता, प्राकृतिक आपदा में खराब हुई फसल के मुआवजे के लिए चक्कर काटने पड़ते है। पोर्टल से सबसे ज्यादा परेशान ग्रामीणों को होती। इंटरनेट सही न होने से पोर्टल बंद ही रहता है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आज महंगाई चरम पर है, किसान लगातार कर्ज और लागत के दबाव में है। खराब फसल का मुआवजा न मिलने पर वह आर्थिक रूप से टूट जाता है और अधिक तनाव के चलते आत्महत्या तक जैसा कदम उठा लेता है। महंगाई में गरीब परिवारों की रसोई चलाना मुश्किल हो रहा है, दो वक्त की रोटी के लिए गरीब भटकता रहता है। प्रदेश का नौजवान रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। सरकार नई भर्ती करने के बजाए एचकेआरएन के तहत कर्मचारी रखकर उनका मानसिक और आर्थिक शोषण कर रही है, नौकरी से हटाए जाने की तलवार हर समय लटकी रहती है।

अब हर श्रमिक को मिलेगा एम्प्लॉयमेंट लेटर, पीएफ ईएसआई और न्यूनतम वेतन की गारंटी: अनिल विज

चंडीगढ़, 23 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने श्रम कानूनों में ऐतिहासिक एवं व्यापक सुधार किए हैं, जिनका सबसे बड़ा लाभ देश के करोड़ों श्रमिकों को मिला है। अब हर श्रमिक को एम्प्लॉयमेंट लेटर, भविष्य निधि (पीएफ) खाता, ईएसआईसी-स्वास्थ्य सुविधा और न्यूनतम वेतनमान की कानूनी गारंटी मिलेगी। विज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में श्रमिक वर्ग को हमेशा नजरअंदाज किया गया, क्योंकि कांग्रेस नेता बड़े-बड़े सेठों के साथ उठते-बैठते थे और आम श्रमिक की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी आम आदमी के बारे में नहीं सोचा। उनकी पुरानी तस्वीरें उठा कर देख लो, उनके आसपास सिर्फ बड़े उद्योगपति दिखेंगे, आम मजदूर नहीं। विज ने कहा कि किसी भी देश की उन्नति का आधार वहां के श्रमिक और उद्योग संचालकों के मध्य स्थापित सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। उन्होंने बताया कि भारत में श्रमिकों से जुड़े कई कानून ब्रिटिश काल या पुराने समय के थे, जिन्हें बदलना आवश्यक था। मोदी सरकार ने इन पुरानी बाधाओं को समाप्त करते हुए व्यवहारिक, आधुनिक और श्रमिक हितैषी कानून बनाए हैं।

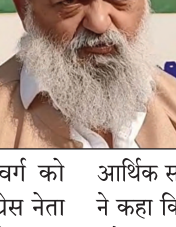

उन्होंने बताया कि पुराने कानूनों के कारण महिलाएं रात की ड्यूटी नहीं कर सकती थीं, जिससे उनकी रोजगार संभावनाएँ सीमित थीं। नई व्यवस्था में सरकार ने सुरक्षा और सुविधाओं की शर्तों के साथ महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी है। यह महिलाओं को समान अवसर और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। विज ने कहा कि कई श्रमिकों को पहले वेतन, काम के घंटे और अन्य अधिकारों को लेकर भेदभाव का सामना करना पड़ता था। अब 'समान काम-समान वेतन' का सिद्धांत लागू कर दिया गया है, जिससे लाखों श्रमिकों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने कानून में स्पष्ट कर दिया है कि हर उद्योग, दुकान या किसी भी संस्थान में काम करने वाले श्रमिक को अनिवार्य रूप से एम्प्लॉयमेंट लेटर देना होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर-ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दु:ख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 नवंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 09:24 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 09:54 तक
योग : शूल दोपहर 12:36 तक
करण : वणिज प्रात: 08:27 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 04:27 तक
सूर्योदय : 06:25, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– विनायक चतुर्थी व्रत , भद्रा प्रात: 08:26 से रात्रि 09:23 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्कॉर्पियो दुर्घटना में तीन की मौत, चार की हालत गंभीर

दरभंगा/एजेंसियां।

दरभंगा में रविवार अहले सुबह एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य की हालत गंभीर है। घटना सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दरभंगा-मुजफ्फरपुर मार्ग की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आननफानन में सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत चिंताजनक बताई है। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि स्कॉर्पियो दिल्ली मोड़ बस स्टैंड के

पास दुर्घटनाग्रस्त हुई है। उनका कहना है कि गाड़ी तेज गति से अनियंत्रित होकर हवा में उछलते हुए एक लेन से विपरीत लेन पर चली गई और डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि तीन यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना सबसे पहले एक ट्रक चालक ने हाईवे पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हाईवे पुलिस के इंस्पेक्टर शशिभूषण सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने गाड़ी में फंसे हुए घायलों को किसी तरह बाहर निकलवाया और उन्हें तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मधेपुरा जिला के रैभी गांव निवासी प्रमोद यादव के पुत्र गुड्डू कुमार अपनी मां का पटना के आईजीआईएमएस से इलाज करवा कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान यह घटना हो गई। इस घटना में गुड्डू के मामा, मौसा और स्कॉर्पियो के चालक की मौत हो गई है, जबकि गुड्डू कुमार की बीमार मां के पैर टूट गए हैं। हाइवे मोबाइल के शशिभूषण सिंह ने बताया कि उन्हें एक ट्रक वाले ने घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद उन्होंने मौके से वाहन के भीतर से फंसे लोगों को निकलवाकर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। गाड़ी में कुल सात लोग सवार थे, जिसमें तीन की मौत हो गई। चार लोग घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा हैं। फिलहाल घायलों से बातचीत नहीं हो पा रही है।

पीएम मोदी, सीएम और मैथिली ठाकुर पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

दरभंगा/एजेंसियां।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मैथिली ठाकुर को लेकर इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले आरोपी पंकज कुमार यादव को गुजरात की पुलिस ने उसे जामनगर से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने कहा कि दरभंगा साइबर थाना की पुलिस उसे लाने के लिए रवाना हो गई हैं। दरभंगा पुलिस के अनुसार बहेड़ी थाना के उज्जैना गांव का रहने वाला है पंकज कुमार यादव। उसने शुक्रवार को सुबह में पंकज यादव ऑफिसियल इंस्टाग्राम नाम के आईडी से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मैथिली ठाकुर का आपत्तिजनक फोटो और रिल बनाकर उसने सोशल मिडिया पर वायरल कर दिया। इस रिल के

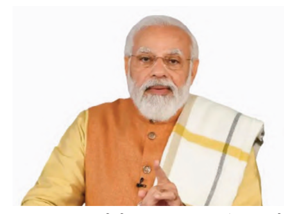

वायरल होते ही दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने त्वरित कार्यवाई करते हुए साइबर थानाध्यक्ष प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। साइबर थानाध्यक्ष के बयान पर शुक्रवार की रात प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाई भी शुरू कर दी गई। पुलिस ने इंस्टाग्राम की आईडी का लोकेशन ट्रेस करने के बाद दरभंगा पुलिस ने गुजरात की पुलिस से संपर्क किया। गुजरात की पुलिस को पंकज के बारे में जानकारी दी गई। लोकेशन की जानकारी मिलते ही गुजरात की जामनगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की पुष्टि साइबर डीएसपी विपिन बिहारी ने की है। बताया जाता है कि पंकज कुमार यादव बहेड़ी थाना क्षेत्र के उजैना गांव का रहने वाला हैं। वह गुजरात की निजी कंपनी में प्राइवेट नौकरी किया करता हैं। वह अभी कुछ दिनों पहले ही दरभंगा अपने पिता के निधन के बाद आया था। आर्थिक तंगी के कारण वह फिर से गुजरात चला गया। इस संबंध में साइबर डीएसपी विपिन बिहारी ने बताया कि सोशल मिडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के बाद उसने इंस्टाग्राम आईडी की जाँच के बाद उसे गुजरात की पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की टीम आरोपी पंकज यादव को लाने के लिए भेजी गई है। दरभंगा लाने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वेनूर पुलिस सीमा में पनुरु श्री गुरु नारायण सर्कल के पास खड़ी मोटरसाइकिल की चोरी के मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। वेनूर पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर की रात को पंजीकरण संख्या केए 18 जे 6348 मोटरसाइकिल चोरी होने के बाद अपराध संख्या 88, 2025 और बीएनएस 2023 की धारा 303 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। वाहन बेल्टांगडी के कुक्केडी निवासी 28 वर्षीय संपत कुमार का था। जांच के दौरान, पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा, जिनकी पहचान वेनूर के 25 वर्षीय मुहम्मद इरशाद और पडांगडी के 26 वर्षीय सादिक खान के रूप में हुई। उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

की गई। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह ऑपरेशन डीएसपी रोहिणी सीके के निर्देश और सर्कल इंस्पेक्टर बीजी सुब्बापुर मठ के मार्गदर्शन में चलाया गया। वेनूर पुलिस टीम में सब-इंस्पेक्टर अक्षय दावागी, एएसआई वेंकटेश नाइक, एचसी कृष्णा, एमएचसी केशवथी, पीसी बसवराज और पीसी मोहन शामिल थे।

घर में घुसकर चाकू और पेचकश से मां और बेटी पर हमला, मां की मौत

नवादा/एजेंसियां।

नवादा में कुछ अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर चाकू और पेचकश से मां और बेटी पर हमला कर दिया। इस घटना में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से जख्मी है। घटना से आक्रोशित लोगों ने रविवार को समाहरणालय के समीप शव रखकर सड़क जाम कर दिया और न्याय की गुहार लगा रहे।मृतक महिला की पहचान स्वर्गीय रामवृक्ष पासवान की पत्नी सावित्री देवी (65) के रूप में की गई हैं। वहीं जख्मी महिला की पहचान प्रांजलि पासवान के रूप में की गई। घटना शहर के राजेंद्र नगर की है। घटना के संबंध में मृतका की बेटी वीणा देवी ने

बताया कि शनिवार की संध्या 6 बजे के लगभग चार-पांच नकाबकोश बदमाश घर में घुस गए और मां का मुंह बंदकर चाकू से हमला कर दिया । उनका पैर हाथ तोड़ दिया। आवाज सुनकर जब उनकी बहन प्रांजलि पासवान आई तो उसका भी मुंह बंदकर चाकू से हमला कर दिया। आसपास के लोगों को जब घटना की जानकारी हुई तब उनलोगों ने दोनों को सदर अस्पताल नवादा ले गए। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों मां -बेटी को पटना रेफर कर दिया गया, जहां मां की मौत हो गई जबकि बहन का इलाज पटना में चल रहा है। हत्या के बाद पूरे मुहल्ले में सनसनी फैल गई है। सड़क जाम को हटाने नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार और सदर एसडीपीओ हुलास कुमार पहुंचे हैं। एसडीपीओ हुलास कुमार ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर स्थित एक घर में चार नकाबपोश अपराधी घर में घुसे और मां और उनकी बेटी पर चाकू से हमला कर दिया। इलाजरत एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक महिला इलाजरत है। उसमें घर में तीन महिला रह रही थी। एक महिला ने कमरे घुसकर अपनी जान बचाई है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पुलिस और एफ एस एल की टीम पहुंची जरूरी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आसपास के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही हैं। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया हैं। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। जैसे ही जानकारी मिलेगी आगे बताया जाएगा। पुलिस के समझाने के बाद जाम हटाया गया।

डीके शिवकुमार के पक्ष में दिल्ली यात्रा करने वाले विधायकों का यूटर्न!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से बातचीत के तुरंत बाद राज्य का राजनीतिक माहौल बदल गया है और डीके शिवकुमार के पक्ष में दिल्ली यात्रा पर निकले कांग्रेस विधायकों को यह दांव उल्टा पड़ गया है। पत्रकारों से बात करते हुए कुनिगल विधायक एच.डी. रंगनाथ ने कहा कि यह गलत समझा गया कि वह शिवकुमार के लिए दिल्ली गये थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा है कि वह कैबिनेट में फेरबदल करेंगे। इसके लिए, हम तुमकुरु जिले के लिए एक और मंत्री पद की मांग करने के लिए दिल्ली गए। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, तुमकुरु जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने साफ किया कि वह यह मांग रखने गए थे कि विधायक एस.आर.

श्रीनिवास को भी मंत्री पद दिया जाए। डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद देने के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। कांग्रेस की अनुशासन समिति ने इस बारे में बयान न देने का नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर बात नहीं करेंगे। हम अपने फ्रेम में हैं। मैं वो बयान देने को तैयार नहीं हूं जो मीडिया चाहता है। डीके शिवकुमार जेडीएस-बीजेपी गठबंधन का मुकाबला करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि इसीलिए कांग्रेस ने उन्हें केपीसीसी का अध्यक्ष बनाया।

घरेलू विवाद के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

पटना/एजेंसियां।

जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत दयाचक में घरेलू विवाद के चलते एक युवक ने शनिवार देर शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान चलिसकुरवा गांव निवासी मनीष कुमार (25) के रूप में हुई है। वह दयाचक में किराए के मकान में रहकर बिहार पुलिस की तैयारी कर रहा था। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि मनीष की शादी छह माह पूर्व बख्तियारपुर प्रखंड के अलीपुर गांव में हुई थी। उनकी पत्नी इस समय मायके गई हुई थी। शनिवार शाम को मोबाइल

पर उनकी अपनी पत्नी से काफी देर तक बातचीत हुई। इसी दौरान उसकी पत्नी से तीखी बहस शुरू हो गई। इस दौरान मनीष अत्यधिक तनाव में आ गया। मनीष ने शाम को खाना खाया और इसके बाद कमरे को अंदर से बंद कर पंखे से लटककर फांसी लगा ली। देर रात जब मनीष का एक रिश्तेदार उनसे मिलने कमरे पर पहुंचा, तो उसने मनीष को पंखे से लटका देखा। घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। फिर लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस के आने पर शव को किसी तरह नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिजन रात में ही शव लेकर गांव चले गए। हालांकि, सुबह 8 बजे परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतक के रिश्तेदार गौरव कुमार ने बताया कि मनीष शादी के बाद से ही अपनी पत्नी से परेशान रहता था। घटना के संबंध में उसने बताया कि शाम में फोन पर बातचीत के बाद ही तनाव बढ़ गया और उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस अब मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स की मदद से मामले की आगे की जांच कर रही है।

नाबालिग युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली

पटना/एजेंसियां।

पटना के धनरूआ में एक नाबालिग युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के घर से पिस्टल एवं खोखा बरामद किया है। मामला धनरूआ थाना के खगड़ी गांव की है। मृतक की पहचान खगड़ी गांव निवासी स्वर्गीय परमानंद प्रसाद के पुत्र पुत्र हरेंद्र कुमार (17) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि पिता परमानंद प्रसाद के मृत्यु के बाद खेती-बाड़ी करके अपने और परिवार

का भरण पोषण किया करता था। इस बीच शनिवार की देर रात घर की छत पर पिस्टल खोलने के क्रम में अचानक गोली चली। गोली हरेंद्र कुमार के सीने में लगी। आनन-फानन में परिवार के लोग इलाज के लिए पटना के निजी नर्सिंग होम में उसे भर्ती कराए, जहां उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। पीएमसीएच में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी देते हुए हरेंद्र कुमार की बहन डिंपल कुमारी ने बताया कि उसके भाई हरेंद्र कुमार को कूड़े की ढेर से एक हथियार मिला था, जिसे वह लेकर अपने घर चला आया। शनिवार की देर रात वह अपने घर के छत पर चढ़कर हथियार को खोलने का प्रयास कर रहा था। इसी क्रम में पिस्टल से अचानक गोली चल गई और गोली हरेंद्र कुमार के सीने में लगी। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस संबंध में धनरूआ थाना प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि हरेंद्र कुमार नशा का आदी था। वह नशा किया करता था। पुलिस ने आशंका जताई है कि नशे की स्थिति में उसने खुद को गोली मार कर या फिर अचानक गोली चलने से उनकी मौत हुई है। आलोक कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव के लोग इस मामले में कुछ भी बताने से बचते नजर आ रहे हैं।

मैं अगले दौर में मंत्री पद का हूं आकांक्षी: लक्ष्मण सावदी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सावदी, जो पहले उपमुख्यमंत्री थे, ने कहा कि मैं यह कहने वाला संन्यासी नहीं हूं कि मैं मंत्री नहीं बनना चाहता। उन्होंने शुक्रवार को अथानी में पत्रकारों से कहा कि वह अगले दौर में मंत्री पद के आकांक्षी हैं।

उन्होंने कहा मैं यह नहीं कह सकता कि मैं मंत्री नहीं बनना चाहता। मैं कोई तपस्वी नहीं हूं जिसने सांसारिक इच्छाओं का त्याग कर दिया है। मैं वास्तव में मंत्री बनना चाहता हूं और अपने लोगों की सेवा करना चाहता हूं। लेकिन फिर भी ऐसे मुद्दों पर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान ही लेगा। कैबिनेट विस्तार पर

फैसला तब लिया जाएगा जब आलाकमान और मुख्यमंत्री इस पर चर्चा करेंगे। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की प्रबल संभावना है। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि अभी तक इन मुद्दों पर कोई विकास हो रहा है।

पुलिस अपराध में शामिल हो तो बिना कारण नौकरी से बर्खास्तगी : परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस कर्मी और अधिकारी आपराधिक कृत्यों में शामिल होंगे, तो सेवा से बर्खास्तगी सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने बेंगलूरु डकैती मामले और कोरमंगला पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत एक मामले में मालूर पुलिस स्टेशन के एक कांस्टेबल की संलिप्तता पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा मैं पुलिस कर्मियों को अब से अधिक सावधान रहने का निर्देश दूंगा। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त

पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को अविलंब सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा। कोरमंगला में मिले मामले में मलूर नगर थाने के पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बेंगलूरु में हुई 7.11 करोड़ की डकैती मामले में एक पुलिस कॉन्स्टेबल समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 6.29 करोड़ की वसूली हुई है। तीन-चार टीमें बनाकर आरोपियों को तेजी से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त, दो संयुक्त आयुक्त और 200 से अधिक कर्मी तलाशी अभियान में शामिल हैं। डकैती के मामले ने बेंगलूरु का नाम खराब कर दिया। बेंगलूरु पुलिस सक्षम है। उन्हें भरोसा था कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। तदनुसार, पुलिस ने अपना प्रदर्शन साबित किया है। चुनौतीपूर्ण स्थिति को कुशलतापूर्वक संभाला। उन्होंने टेक्नोलॉजी और इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर मामले को सुलझा लिया। लुटेरों ने भी बड़ी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि कई वाहनों का आदान-प्रदान और परिवहन किया गया। डकैती के मामलों पर नकेल कसने से सरकार और पुलिस की अच्छी पहचान हुई है। उन्होंने कहा कि इस मामले पर पूरे राज्य की पैनी नजर है। चूक के लिए सीएमएस संगठन की जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे जांच करेंगे कि क्या आरबीआई नियमों का पालन किया गया है और यदि कोई खामी पाई जाती है तो आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

बी.एल.संतोष-बी.वाई.विजयेंद्र की बातचीत ने जगाई जिज्ञासा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष से मुलाकात की और बातचीत हुई, जिससे उत्सुकता बनी रही। ऐसे समय में जब ऐसी अफवाहें हैं कि केंद्रीय महामहिम जल्द ही कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्ष पद पर फैसला लेंगे, तो दोनों नेताओं की मुलाकात ने स्वाभाविक रूप से कई अटकलों को जन्म दे दिया है। एक निजी कार्यक्रम के लिए नई दिल्ली गए बी.वाई.विजयेंद्र ने संतोष से मुलाकात की और वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। उन्होंने इस बारे में सोशल नेटवर्किंग पर पोस्ट किया और अपनी यात्रा

के बारे में जानकारी दी। पार्टी के वरिष्ठजनों, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संतोष, जो मार्गदर्शक भी हैं, से दिल्ली में मुलाकात की और राज्य में पार्टी संगठन, कांग्रेस सरकार के खिलाफ भविष्य के संघर्ष की रूपरेखा सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। पार्टी की विचारधारा और वैचारिक स्पष्टता वाले संतोष जी के शब्द मेरे जैसे लाखों कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com